हमारा समाज और पर्यावरण–8

विषय-सूची

भाग-1 (इतिहास)

1.	भारत और आधुनिक विश्व	3
2.	अठारहवी सदी में भारत	5
3.	भारत में ब्रिटिश शासन का उदय और विस्तार	7
4.	ब्रिटिश शासन का प्रशासनिक ढाँचा, नीतियाँ तथा प्रभाव	10
5.	उन्नीसवीं सदी में भारत में सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन	13
6.	ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह	16
7.	1858 ई0 के पश्चात् भारत में ब्रिटिश नीतियाँ एवं प्रशासन	19
8.	भारतीय राष्ट्रवाद का उदय	22
9.	स्वराज्य के लिए संघर्ष	24
10.	राष्ट्रीय आंदोलन (1923 - 1939)	
11.	भारत का स्वतंत्रता प्राप्त करना	31
12.	स्वतंत्रता के पश्चात् का भारत	33

भाग-2 (भूगोल)

1.	संसाधन - प्रकार एवं विकास	36
2.	भूमि, मृदा एवं जल संसाधन	38
3.	प्राकृतिक वनस्पति एवं जंगली जीव-जंतु	39
4.	खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	41
5.	कृषि	43
6.	विनिर्माण उद्योग	45
7.	मानव संसाधन	48

भाग-3 (सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन)

1.	वैश्वीकरण	50
2.	आतंकवाद	53
3.	संयुक्त राष्ट्र एवं इसकी विशिष्ट एजेन्सियाँ	55
4.	भरत और संयुक्त राष्ट्र	57
5.	भारत की विदेश नीति	59
6.	भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबबंध	62

भाग-4 (आपदा प्रबंधन)

1.	आपदा प्रबंधन	66

इकाई–1 (इतिहास)

1. भारत और आधुनिक विश्व

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए :-

प्र.1 हम भारत के आधुनिक इतिहास का आंरभ अठारहवीं शताब्दी से क्यों मानतें हैं?

उ. हम आधुनिक इतिहास का आरंभ 18वीं शताब्दी से इसलिए करते हैं क्योंकि आधुनिक काल में हुए अनेक परिवर्तन इसी समय आंरभ हुए।

प्र.2 आप कैसे कह सकते हैं कि भारत की अपेक्षा यूरोप में आधुनिक काल पहले आंरभ हुआ?

उ. इतिहासकारों की धारणा है कि यूरोप में विश्व के अन्य भागों की तुलना में आधुनिक युग पहले आरंभ हुआ। यूरोप में पुनःर्जागरण, नगरीकरण एवं औद्योगीकरण के काल को आधुनिक काल कहा जाता है।

प्र.3 आधुनिक काल के प्रमुख लक्षण क्या हैं?

उ. आधुनिक काल के प्रमुख लक्षण हैं - औद्योगीकरण, नगरीकरण, तीव्रगामी यातायात एवं संचार के साधन, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, समान कानून व्यवस्था, शिक्षा का विस्तार, बड़े पैमाने पर व्यवसाय की खोज में लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर बसना आदि।

प्र.4 पुनर्जागरण से आप क्या समझते हैं? यह कहाँ और कैसे आरंभ हुआ?

उ. अनेक कलाकार एवं विद्वान जो कुस्तुनतुलिया से भागे, उन्होनें इटली में शरण ली। उन्होनें प्राचीन ज्ञान को वैज्ञानिक एवं मानवतावादी रूप देकर पुनर्जागरण में योगदान दिया।

प्र.5 प्रोटेस्टैंट सुधार आंदोलन से आप क्या समझते हैं?

उ. रोमन कैथोलिक चर्च को अंधविश्वास पर आधारित प्रथाओं के खिलाफ विद्रोह करने के लिए प्रेरित किया। व्यापार संबंधों और अन्य संबंधों के द्वारा इस दृष्टिकोण का संसार के अन्य भागों में भी विस्तार हुआ। यूरोप के कई भागों में रोमन कैथोलिक चर्चों के स्थान पर प्रोटेस्टैंट चर्चों की स्थापना हुई।

प्र.6 सामंतवाद और पूँजीवाद का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. यूरोप में व्यापारियों के नए वर्ग पूँजीवादी वर्ग का उदय हुआ। अब सामंतवाद के स्थान पर एक नई सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था पूँजीवाद का उदय हुआ।

प्र.7 यूरोप के किस देश में पहली राजनीतिक क्रांति हुई और इसका क्या प्रभाव पड़ा?

उ. पहली राजनीतिक क्रांति यूरोप के देश इंग्लैड़ में 1688 ई0 में हुई। इसके फलस्वरूप इंग्लैंड में संवैधानिक राजंत्र की स्थापना हुई।

प्र.8 साम्राज्यवाद से आप क्या समझते हैं? यूरोप के प्रमुख साम्राज्यवादी देश कौन-से थे?

उ. यूरोप के प्रमुख साम्राज्यवादी देश हैं - पुर्तगाल, हांलैंड, डेनमार्क, इंग्लैंड, तथा फ्रांस। साम्राज्यवाद का मतलब है अपना अधिपत्य दूसरे देश में स्थापित करना।

प्र.9 फ्रांस गणराज्य के प्रमुख मार्गदर्शक विद्धांत क्या थे?

उ. स्वतंत्रता, बंधुत्व और समानता फ्रांस गणराज्य के मार्गदर्शकर सिद्धांत बन गए।

प्र.10 रूसी क्रांति का प्रमुख कारण क्या था?

उ. भूमि, कारखाने आदि पूरे समाज की सामूहिक संपत्ति होते हैं। इन पर केवल कुछ व्यक्तियों का अधिकार नहीं होता। इन विचारकों के सिद्धांतों के आधार पर संसार के अनेक भागों में राजनीतिक आंदोलन आंरभ हुए। इन विचारों से प्रेरित पहली क्रांति 1917 ई0 में रूस में हुई।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 आधुनिक काल में यूरोप में हुए मुख्य परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए।

उ. मध्य युग के उत्तरार्द्ध में व्यापार के विकास के कारण यूरोप में अनेक नगरों का उदय हुआ। व्यापार की वृद्धि के कारण अनेकर व्यापारी धनी हो गए और उन्हें समाज में आदर के साथ देखा जाने लगा। पुनर्जागरण का काल

बड़ी-बड़ी समुद्री यात्राओं का काल भी था। इस काल में अनेक आविष्कार हुए। वास्को-डि-गामा ने भारत के लिए नए समुद्री मार्ग की खोज की तथा कोलंबस ने अमेरिका की खोज की। नए समुद्री मार्गों की खोज के कारण व्यापार में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। यूरोपवासियों ने अनेक क्षेत्रों में अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थापित किए और धीरे-धीरे उपनिवेशवाद की प्रक्रिया आरंभ हुई। अमेरिका के अनेक भागों में यूरोप के लोग जाकर बस गए।

इन सब परिवर्तनों के कारण यूरोप में सामंतवादी प्रथाका अंत हुआ और एक नई पद्धति पूँजीवाद का जन्म हुआ। इस आर्थिक पद्धति से समाज में दो वर्ग हो गए -पूँजीपति एवं श्रमिक।

प्र.2 अमेरिका की स्वतंत्रता की लड़ाई और फ्रांसीसी क्रांति की प्रमुख उपलब्धियाँ क्या थीं?

उ. अमेरिका की क्रांति की लड़ाई (1755-1783) के फल-स्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका अस्तिव में आया विश्व के इतिहास में यह पहली राजनीतिक क्रांति थी जिसमें लोगों ने विदेशी शासन को उखाड़ फेंका और स्वशासन स्थापित किया।

सन् 1789 में संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सरकार ने गणतंत्रीय संविधान लागू किया जिससे थॉमस जैफरसन ने अधिकार विधेयक सम्मिलित किया। इसके अनुसार नागरिकों को अनेक अधिकार दिए गए, जैसे - कानून के अनुसार न्याय पाने का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार तथा प्रेस की स्वतंत्रता का अधिकार आदि।

फ्रांसीसी दार्शनिकों के क्रांतिकारी विचार आम जनता को स्वशासन के अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर चुके थे। अब लोग अपने अधिकार प्राप्त करने के लिए उठ खड़े हुए थे। 14 जुलाई, सन् 1789 को जनता ने पेरिस में बैस्टील के कैदखाने को तोड़ दिया। हर साल यह दिन फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय असेंबली ने मनुष्य और नागरिक के अधिकारों का घोषणा पत्र पारित किया। इस घोषणा पत्र में कहा गया, "सभी मनुष्यों को जन्म से ही स्वतंत्रता और समानता के अधिकार जीवनभर के लिए मिले हुए हैं।"

इस क्रांति के बाद फ्रांसीसी गणराज्य की स्थापना हुई। स्वतंत्रता, बंधुत्व औबर समानता उसके मार्गदर्शक सिद्धांत बन गए।

प्र.3 पूँजीवाद और समाजवाद का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. पूँजीवाद अर्थव्यवस्था के विकास के फलस्वरूप समाज दो भागों में विभाजित हो गया था। पूँजीपति एवं मजदूर वर्ग। मजदूरों को नए उद्योगों के अधिकांश लाभ नहीं मिले और वे गरीब तथा बेरोजगार बने रहे। कुछ विचारकों जैसे - कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंजिल्स ने यह माँग उठाई कि भूमि तथा उत्पादन के अन्य साधनों पर कुछ सीमित व्यक्तियों का स्वामित्व न होकर समूची जनता का स्वामित्व होना चाहिए।

समाजवादी व्यवस्था में उत्पादन के सारे साधन - भूमि, कारखाने आदि पूरे समाज की सामूहिक संपति होते हैं। इन पर कुछ व्यक्तियों का अधिकार नहीं होता। इन विचारकों के सिद्धांतों के आधार पर संसार के अनेक भागों में राजनीतिक आंदोलन आरंभ हुए। इनके विचारों से प्रेरित पहली सफल क्रांति 1917 ई0 में रूस में हुई जिसने वहाँ की निरंकुश जारशाही को उखाड़ फेंका। क्रांति के बाद वहाँ समाजवादी शासन व्यवस्था स्थापित हुई। इस क्रांति का पूरे विश्व पर बड़ा असर पड़ा।

प्र.4 साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा एशिया और अफ्रीका पर अपना अधिपत्य स्थापित करने के लिए कौन-से कारण उत्तरदायी थे?

उ. एशिया और अफ्रीका के देशों की स्थिति यूरोप से काफी भिन्न थी। उनकी सरकारें कमजोर थीं। इनमें से किसी के पास अच्छी नौसेना भी नहीं थी। इन देशों में, आर्थिक परिवर्तन भी आरंभ नहीं हुए थे। यूरोप के देशों ने, जो इन देशों में व्यापार करने आए थे, उनमें अपने उपनिवेश स्थापित कर दिए। यूरोप के देशों का अफ्रीका और एशिया में अपने उपनिवेश स्थापित करने का दूसरा मुख्य कारण इन देशों से अपने उद्योंगों के लिए कच्चा माल प्राप्त करना और इन देशों में अपना तैयार माल बेचना था। इस प्रकार एशिया और अफ्रीका में उपनिवेशक साम्राज्य आरंभ हुआ। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत तक एशिया और अफ्रीका के अधिकतर भाग यूरोप के साम्राज्यवादी व्यक्तियों द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शासित होने लगे।

प्र.5 यह आप कैसे कहते हैं कि पूँजीवाद एवं साम्राज्यवाद के उदय के लिए औद्योगिक क्रांति उत्तरदायी थी?

उ. यूरोप में सामंतवादी प्रथा का अंत हुआ और एक नई आर्थिक पद्धति पूँजीवाद का जन्म हुआ। इस आर्थिक पद्धति में समाज में दो वर्ग हो गए - पूँजीपति एवं श्रमिक। पूँजीपति कारखानों के मालिक थे तथा मजदूरों का शोषण करके अधिक से अधिक लाभ अर्जित करना चाहते थे। श्रमिक उत्पादन करते थे परंतु उत्पादन में उनका कोई भाग नहीं होता था, उन्हें केवल मजदूरी दी जाती थी। कारखानों में मशीनों द्वारा उत्पादन अधिक होने लाग।

इस पद्धति में कारखाने के मालिक समाज में बहुत शक्तिशाली व्यक्ति हो गए। इस परिवर्तन को औद्योगीकरण कहा जाता है जो इंग्लैंड में आरंभ हुए। मशीनों द्वारा वस्तुओं के उत्पादन को औद्धोगिक क्रांति कहा जाता है। इसका आरंभ अठारवी शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुआ। समय के साथ-साथ संसार के अन्य देशों में भी यह क्रांति फैली। पूँजीवादी अर्थव्यवस्था और औद्धोगिक क्रांति ने पूरे के पूरे इतिहास को एक नया मोड़ दिया।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	कार्ल मार्क्स	:	रूसी क्रांति
2.	लुई सोलहवां	:	फ्रांस का राजा
3.	रूसो	:	फ्रांस का दार्शनिक
4.	थॉमस जैफरसन	:	अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम
5.	जार	:	रूस का राजा

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. देश के सभी भागों में आधुनिक युग एक साथ आरंभ हुआ। (✗)
2. पुनर्जागरण ने यूरोप के अनेक लोगों को अपने विषय में सोचने के लिए प्रेरित किया। (✓)
3. मध्य युग के बाद के वर्षों में व्यापार की वृद्धि के कारण अनेक नगरों का विकास हुआ। (✓)
4. द्वितीय विश्वयुद्ध ने साम्राज्यवादी देशों को अधिक शक्तिशाली बना दिया। (✗)
5. एशिया और अफ्रीका के अधिकतर देश प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् ही स्वतंत्र हो गए। (✗)
6. फ्रांस और इंग्लैंड में समाजवादी सरकारों का गठन हुआ। (✓)
7. यूरो के नाविकों ने नए समुद्री मार्गो की खोज की। (✓)
8. यूरोप के देशों ने एशिया और अफ्रीका के देशों का शोषण किया। (✓)

प्र.ड निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रम के अनुसार आरंभ से अंत तक क्रमबद्ध कीजिए :-

उ. स्वयं करें।

2. अठारहवीं सदी में भारत

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 अठारहवीं सदी के मध्य में भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर कौन-सी तीन विरोधी शक्तियाँ थी? इनमें कौन-सी शक्ति ने अंत में विजय प्राप्त की?

उ. अठारहवीं शताब्दी के मध्य में मुगल, मराठा एवं अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में राजनीतिक प्रभुसत्ता प्राप्त करने के लिए तीन विरोधी शक्तियाँ थीं। अठारहवीं शताब्दी के अंत तक अंग्रेज विजयी हुए और उन्होंने भारत के बड़े भाग को अपने अधिकार में ले लिया।

प्र.2 परवर्ती मुगल किन्हें कहा जाता था? परवर्ती मुगल काल के कुछ प्रमुख शासकों के नाम लिखिए।

उ. औरंगजेब के उत्तराधिकारियों को परवर्ती मुगल कहा जाता है। उनमें से कुछ प्रमुख शासक थे - बहादुरशाह प्रथम, जहाँगीर शाह, फारूख सियार और मुहम्मद शाह।

प्र.3 कुछ प्रमुख राज्यों के नाम लिखिए जो परवर्ती मुगल में स्वतंत्र हो गए?

उ. हैदराबाद, बंगाल और अवध।

प्र.4 अठारहवीं सदी के मध्य में कौन-से पाँच मराठा प्रदेश अस्तित्व में आए?

उ. पुणे, बड़ौदा, नागपुर, इंदौर, ग्वालियर।

प्र.5 पानीपत का तीसरा युद्ध कब और किसके बीच में हुआ? इसका प्रमुख प्रभाव क्या हुआ?

उ. पानीपत की तीसरी लड़ाई जो अहमदशाह अब्दाली और मराठों के बीच हुई। इस लड़ाई में मराठों को करारी हार हुई।

प्र.6 अठारहवीं शताब्दी में विकसित कुछ प्रमुख व्यापारिक केंद्रों के नाम लिखिए।

उ. इस काल में वाणिज्य व्यवसाय के कुछ प्रमुख केंद्र थे - बंगाल में मुर्शिदाबाद और ढाका, दक्षिण में हैदराबाद और मछली पट्टनम तथा अवध में फैजाबाद, वाराणसी, लखनऊ और गोरखपुर।

प्र.7 अठारहवीं शताब्दी में किन भाषाओं को अधिक विकास हुआ?

उ. अठारहवीं शताब्दी में बंगला, मराठी तेलुगू और पंजाबी भाषाओं का अधिक विकास हुआ।

प्र.8 संगीत और कला के क्षेत्र में अठारहवीं सदी में क्या विकास हुआ?

उ. अठारहवीं शताब्दी में शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में; जैसे - ख्याल और अर्द्ध-शास्त्रीय गायन शैली, ठुमरी तथा गजल में खूब प्रगति हुई।

मुगल और राजपूत शैलियों के प्रभाव से देश के कई हिस्सों में विशेषकर कुल्लू-काँगड़ा और चंबा में, चित्रकला का विकास हुआ।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 अठारहवीं सदी में भारत की राजनीतिक स्थिति के प्रमुख लक्षण क्या थे?

उ. अठारहवीं सदी के भारत में राजनीतिक एकता का बड़ा अभाव था। मुगल साम्राज्य के पतन के बाद उसके समान शक्ति और प्रतिष्ठा वाले ऐसे किसी अन्य भारतीय राज्य का उदय नहीं हुआ जो देश को एक केंद्रीय सत्ता में एकीकृत कर सके। नए भारतीय राज्यों में मराठों ने सबसे ऊँची हैसियत प्राप्त कर ली थी, परंतु वे भी एकीकरण की भूमिका निभाने में असमर्थ रहे। विभिन्न राज्यों ने अधिकारियों की श्रेणियाँ विरोधी गुटों में बँटी हुई थी और उनकी आपसी प्रतिद्वंद्विता ने उनके राज्यों को कमजोर कर दिया था।

भारतीय समाज में भी एकता नहीं थी। हिंदू ऊँच-नीच के भेदभाव से ग्रसित थे और अनेक जातियों में बँटे थे। ऊँची जातियों के लोग जनता के बड़े समूह के साथ दुर्व्यवहार करते थे और उन्हें 'अछूत' समझते थे। मुसलमानों में भी समुदाय थे और कुछ समुदाय अपने को दूसरों से श्रेष्ठ समझते थे।

प्र.2 विभिन्न पेशवाओं के शासन काल में मराठा शक्ति के विस्तार की विवेचना कीजिए।

उ. बालाजी विश्वनाथ ने साहु की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह पेशवा के पद पर आसीन हुये और उसने मराठा शक्ति का विस्तार करना आरम्भ किया। सभी क्षेत्र जो शिवाजी के साम्राज्य के अंग थे, मराठा साम्राज्य में फिर से मिला लिये गये। बालाजी विश्वनाथ्ज्ञ के बाद उसका पुत्र बाजीराव प्रथम 1720 ई0 में उसका उत्तराधिकारी बना। उसने मालवा, दक्षिणी गुजरात और बुंदेलखंड को जीत लिया और दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों पर आक्रमण किया। परन्तु उसने दिल्ली पर कब्जा नहीं किया क्योंकि मुगल सम्राट को अभी तक काफी सम्मान से देखा जाता था। बाजीराव के पुत्र बाली ने विस्तार की नीति को जारी रखा। उसके पेशवा काल में मराठों ने अपने साम्राज्य का विस्तार पूरब में बिहार और उड़ीसा तक तथा उत्तर में पंजाब तक कर लिया। यह मराठा साम्राज्य के विस्तार की परम सीमा थी।

प्र.3 मराठा शक्ति के पतन के क्या कारण थे?

उ. बालाजी विश्वनाथ के बाद उसका पुत्र बाजीराव प्रथम 1720 ई0 में उसका उत्तराधिकारी बना। उसने मालवा, दक्षिणी गुजरात और बुंदेलखंड को जीत लिया औद दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों पर आक्रमण किए परंतु उसने दिल्ली पर कब्जा नहीं किया क्योंकि मुगल सम्राट को अभी तक भी सम्मान से देखा जाता था।

बाजीराव के पुत्र बालाजी ने विस्तार की नीति को जारी रखा। उसके पेशवा काल में मराठों ने अपने साम्राज्य का विस्तार पूरब में बिहार और उड़ीसा तक तथा उत्तर में पंजाब तक कर लिया। यह मराठा साम्राज्य के विस्तार की चरम सीमा थी। मराठा शक्ति का अपनी कुछ मूलभूत कमजोरियों के कारण पतन होना आरंभ हो गया। मराठा एक ऐसा राजनीतिक एवं प्रशासनिक ढाँचा नहीं बना सके जिससे वे अपने जीते हुए प्रदेशों को एक सूत्र में बाँध सकें।

प्र.4 अठारहवीं सदी में भारत की राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

उ. राजनीतिक संघर्षों के इस काल में वाणिज्य व्यवसाय में वृद्धि होती गई। इस काल में वाणिज्य, व्यवसाय के कुछ प्रमुख केंद्र थे - बंगाल में मुर्शिदाबाद और ढाका, दक्षिण में हैदराबाद और मछली पट्टनम तथा अवध में फैजाबाद वाराणसी, लखनऊ और गोरखपुर। हिंदूओं और मुसलमानों के परस्पर निकट आने से एक मिली-जुली संस्कृति के विकास में सहायता मिली। भारतीय भाषाओं; जेसे - बंगला, मराठी, तेलुगू और पंजाबी ने अच्छी उन्नति की और उनका साहित्य अधिक समृद्ध बना। भारतीय समाज में भी एकता नहीं थी। हिंदू ऊँच-नीच के भेदभाव से ग्रसित थे और अनेक जातियों के लोग जनता के एक बड़े समूह के दुर्व्यवहार करते और उन्हें अछूत समझते थे। मुसलमानों में भी समुदाय थे और कुछ समुदाय अपने को दूसरों से श्रेष्ठ समझते थे।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. *औरंगजेब* के उत्तराधिकारियों को परवर्ती मुगल कहा जाता था।
2. *बालाजी विश्वनाथ* ने साहू की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
3. पानीपत का तीसरा युद्ध *1761* ई0 में हुआ।
4. अहमदशाह अब्दाली ने *नजीब-उद्दौला* को पानीपत की लड़ाई के बाद दिल्ली का प्रभारी बनाया।
5. ख्याल *शास्त्रीय* संगीत का एक रूप है।

प्र.घ उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	रणजीत सिंह	:	पंजाब
2.	बदन सिंह	:	भरतपुर
3.	हैदरअली	:	मैसूर
4.	साहू	:	सतारा
5.	भोंसले	:	नागपुर
6.	गायकवाड़	:	बड़ौदा
7.	होलकर	:	इंदौर
8.	सिंधिया	:	ग्वालियर

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. औंरगजेब भारत का अंतिम मुगल शासक था। (✓)
2. मराठें द्वारा लगाए गए चौथ और सरदेशमुखी पर मराठें की लोकप्रियता को कम करने का एक कारण थे। (✓)
3. अठारहवीं सदी में भारतीय समाज में एकता का बड़ा अभाव था। (✓)
4. मराठे अपने साम्राज्य का काफी विस्तार करने के बावजूद इसे सुसंगठित नहीं रख सके। (✓)
5. पानीपत का तीसरा युद्ध नादिरशाह और मराठों के बीच हुआ। (✗)
6. भारतीय राज्यों के शासक विश्व में घटित होने वाली राजनीतिक घटनाओं से अनभिज्ञ थे। (✓)

3. भारत में ब्रिटिश शासन का उदय और विस्तार

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 किन यूरोपीय देशों की कंपनियों ने भारत में अपने व्यापारिक केंद्र स्थापित किए थे?

उ. यूरोप के विभिन्न देशें की कंपनियों ने भारत के विभिन्न भागों में अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थापित किए थे। इनमें पुर्तगाल, हालैंड, फ्रांस तथा डेनमार्क प्रमुख थे।

प्र.2 कंपनियाँ भारत से प्रमुख रूप से क्या वस्तुएँ खरीदती थीं?

उ. ये कंपनियाँ भारत में मसाले, हाथ करघे पर बने सूती वस्त्र, नील, शोरा आदि खरीदती थीं।

प्र.3 कर्नाटक के दूसरे युद्ध का क्या कारण था?

उ. कर्नाटक के दूसरे युद्ध का कारण था - ब्रिटिश और फ्रांसीसियों का हैदराबाद और कर्नाटक की स्थानीय राजनीति

में भाग लेना।

प्र.4 कर्नाटक के तीसरे युद्ध का प्रमुख कारण क्या था?

उ. अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के बीच 1756 ई0 में अंतिम विवाद तब आरंभ हुआ जब यूरोप में सात वर्षीय युद्ध आरंभ हुआ। कर्नाटक में फ्रांस की सेनाओं की हार हुई थी।

प्र.5 1757 ई0 में किन कारणों से प्लासी का युद्ध हुआ?

उ. सिराज-उद्दौला ने उन फ्रांसीसियों को, जो चंद्रनगर से आए थे, शरण देकर अंग्रेजों को नाराज कर दिया। अतः क्लाइव ने सिराज को उखाड़ फेंकने का निश्चय किया। उसने सिराज के कुछ दरबारियों जिसमें सेनापति मीर जाफर भी था। अपनी ओर मिला लिया। इसके फलस्वरूप 1757 ई0 में प्लासी का युद्ध हुआ।

प्र.6 दोहरी शासन व्यवस्था ने बंगाल को कैसे प्रभावित किया?

उ. बंगाल में कंपनी को राजस्व एकत्र करने का भी अधिकार मिल गया। नवाब की स्थिति अब केवल ऐसी रह गई जिसमें उसे कोई अधिकार नहीं थे परंतु जिम्मेदारियाँ थीं। इसे दोहरी शासन व्यवस्था कहा जाता था।

प्र.7 किस बहाने से डलहौजी ने अध का विलय किया?

उ. अंग्रेजों की शक्ति भारत में स्थापित हो गयी थी, या तो उन्होंने अनेक क्षेत्रों को प्रत्यक्ष रूप से अपने साम्राज्य में मिला लिया था या अप्रत्यक्ष रूप से सहायक संघ द्वारा अनेक प्रदेश उनके अधिकार में आ गए थे। 1856 ई0 में अवध को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया गया था।

प्र.8 भारतीय राज्यों के पतन और भारत में अंग्रेजी प्रभुसत्ता स्थापित होने के दो मुख्य कारण क्या थे?

उ. भारतीय राज्यों के पतन का वास्तविक कारण था कि भारतीय शासक एक स्थायी और कुशल प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित नहीं कर सकें, जिससे प्रजा उनकी वफादार बनी रहती। भारतीय शासन आपस में एक-दूसरे से झगड़ते रहते थे, उनमें एकता का अभाव था। अंग्रेजों ने इस फूट का लाभ उठाया तथा फूट डालो और शासन करों की नीति को अपनाया। इस नीति के कारण ही अंग्रेज भारत में अपना राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करने में सफल हुए।

प्र.9 विलय की नीति से आप क्या समझते हैं? इस नीति के अंतर्गत किन राज्यों का विलय किया गया?

उ. इन नीति के अनुसार यदि किसी शासक की मृत्यु बिना स्वाभाविक उत्तराधिकारी के होती है तो उसके राज्य को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया जाएगा अर्थात् उसके दत्तक पुत्र को राजा स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस नीति के अंतर्गत झाँसी, नागपुर, सतारा के राज्य सम्मिलित थे।

प्र.10 किस बहाने से डलहौजी ने सिक्किम का विलय किया?

उ. डलहौजी ने सिक्किम के एक भाग को 1850 ई में अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया क्योंकि शासन ने कंपनी के अफसरों के साथ दुर्व्यवहार किया था।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 1757 ई0 की प्लासी की लड़ाई के कारणों और परिणाम की विवेचना कीजिए।

उ. सिराज-उद्-दौला ने उन फ्रांसीसियों को, जो चंद्रनगर से भाग आए थे, शरण देकर अंग्रेजों को नाराज कर दिया। अतः क्लाइव ने सिराज को उखाड़ फेंकने का निश्चय किया। उसने सिराज के कुछ दरबारियों जिसमें सेनापति मीर जाफर भी था, अपनी ओर मिला लिया। इसके फलस्वरूप 1757 ई0 में प्लासी का युद्ध हुआ। इस युद्ध में सिराज की हार हुई और उसे मार दिया गया।

मीर जाफर ने जो अब नया नवाब बन गया था ईस्ट इंडिया कंपनी को बहुत सारा धन दिया और चौबीस परगना के दीवानी अधिकार दे दिए। कंपनी लोगों से राजस्व वसूल कर सकती थी और मुक्त व्यापार का अधिकार भी दे दिया। इस युद्ध के पश्चात् अंग्रेज बंगाल के वास्तविक शासक बन गए।

मीर जाफर कंपनी की धन की भारी मांग को पूरा नहीं कर सका। अतः कंपनी ने सन् 1760 में मीर जाफर को हटाकर उसके दामाद मीर कासिम को बंगाल का नवाब बना दिया।

प्र.2 बक्सर के युद्ध के क्या कारण एवं परिणाम थे?

उ. 1765 ई0 में मीर जाफर की मृत्यु के पश्चात् बंगाल के नए नवाब ने क्लाइव के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए। इस संधि के अनुसार सैनिक अधिकार और अपराधियों को सजा देने के न्यायिक अधिकार अंग्रेजों को

दे दिए गए। बंगाल में कंपनी को राजस्व एकत्र करने का भी अधिकार मिल गया। नवाब की स्थिति अब केवल ऐसी रह गई जिसमें उसे कोई अधिकार नहीं थे परंतु केवल जिम्मेदारियाँ थी। इसे दोहरी शसन व्यवस्था कहा जाता था। ऐसी शासन व्यवस्था 1772 ई0 तक रही। इस व्यवस्था में बंगाल की जनता को बहुत कष्टों का सामना करना पड़ा। कंपनी के अधिकारी बड़ी सख्ती से राजस्व वसूल करते थे। उन्होंने 1770 ई0 में जब बंगाल में अकाल पड़ा राजस्व वसूली में कोई रियायत नहीं की।

प्र.3 वेलेजली की सहायक संधि की नीति की क्या प्रमुख शर्तें थीं? जिन भारतीय शासकों ने इस नीति को अपनाया उनका इस पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. लार्ड वेलेजली ने भारत में ब्रिटिश प्रभुसत्ता स्थापित करने के लिए सहायक संधि की नीति को अपनाया। जो शासक इस संधि को स्वीकार करता था उसे अपने खर्चे पर ब्रिटिश सेनाएँ रखनी पड़ती थी या इसके लिए कुछ प्रदेश अंग्रेजों को देने होते थे। शासक को एक अंग्रेज अधिकारी को अपने दरबार में रखना होता था और अंग्रेजों को यह अनुपति देनी पड़ती थी की वे उस राज्य के अन्य राज्यों से संबधों की जाँच करें। यदि शासक इनमें से किसी भी शर्त को पूरा करने में असमर्थ होता था तो अंग्रेजों को यह अधिकार था कि वे उस राज्य के शासक को गद्दी से उतार दें। इसी अधिकार के अंतर्गत अंग्रेजों ने तंजौर, सूरत और कर्नाटक के शासकों को गद्दी से उतार दिया था। फिर भी अंग्रेजों ने राज्य की आक्रमण से सुरक्षा करने का वचन दिया।

टीपू सुल्तान ने सहायक संधि की शर्तों को मानने से इनकार कर दिया। इसके फलस्वरूप 1799 ई0 में चौथा मैसूर युद्ध हुआ। इस युद्ध में निजाम ने टीपू सुल्तान के विरुद्ध अंग्रेजों का साथ दिया। 1798 ई0 में सहायक संधि को स्वीकार करने वाला पहला शासक था। इस युद्ध में टीपू बहुत बहादुरी से लड़ता हुआ 1799 ई0 में मारा गया।

प्र.4 अंग्रेजों द्वारा मराठों पर विजय प्राप्त करने से संबंधित घटनाओं का वर्णन कीजिए।

उ. मराठों की आपस की फूट का लाभ उठाते हुए अंग्रेजों ने उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना आंरभ कर दिया। इसके कारण अंग्रेजों और मराठों के बीच तीन लड़ाईयाँ हुईं।

पहला आंग्ल-मराठा युद्ध 1775-82 ई0 के बीच हुआ। इस युद्ध में अंग्रेजों को विशेष सफलता नहीं मिली परंतु दूसरे आंग्ल-मराठा युद्ध (1803-06) में अंग्रेज मराठा सरदारों की शक्ति को कमजोर करनें में सफल हुए और उन्हें अलग-थलग कर दिया। सन् 1809 ई0 में पंजाब के शासक रणजीत सिंह और अंग्रेजों के बीच में एक संधि हुई। इस संधि के अनुसार रणजीत सिंह का क्षेत्र सतलुज नदी के पश्चिम तक सीमित कर दिया गया तथा अंग्रेजों का प्रभुत्व सतलुज नदी तक फैल गया और ब्रिटिश क्षेत्र नेपाल की सीमा तक आ गया।

प्र.5 पंजाब के विलय से संबंधित घटनाओं का वर्णन कीजिए।

उ. पंजाब को लार्ड डलहौजी के गर्वनर जनरल काल में अंग्रेजी साम्राज्य में मिलाया गया था। उसके काल में अंग्रेजों ने भारत में सर्वोच्च शक्ति प्राप्त कर ली थी। अब अंग्रेजों की सर्वोच्च शक्ति भारत में स्थापित हो गई थी या तो उन्होंने अनेक क्षेत्रों को प्रत्यक्ष रूप से अपने साम्राज्य में मिला लिया था या अप्रत्यक्ष रूप से सहायक संधि द्वारा अनेक प्रदेश उनके अधीकार में आ गए थे। 1856 ई0 में अवध को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया गया था। जब अवध के अंतिम नवाब को जबरदस्ती उसकी गद्दी से उतार दिया गया था और उसे कलकत्ता में रखा गया।

अंग्रेजों ने कुछ प्रदेशों को अपने साम्राज्य में मिलाने के लिए अन्य भी तरीके अपनाए। डलहौजी की विलय नीति के कारण अनेक प्रदेशों को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. यूरोप के व्यापारिक केंद्रों को *फैक्टरी* कहते थे।
2. फ्रांसीसियों का मुख्यालय *पांडिचेरी* में था।
3. अंग्रेजी कंपनी का केंद्र मद्रास में *फोर्ट सेंट जॉर्ज* में था।
4. पांडिचेरी का फ्रांसीसि गवर्नर *डूप्ले* था।
5. अंग्रेज कंपनी *चाँद साहब* को हैदराबाद के निजाम के पद पर आसीन करने में सफल हुई।
6. दोहरी शासन व्यवस्था *बंगाल* राज्य में लागू की गई थी।

7. *लार्ड वेलेजली* ने सहायक संधि की नीति आरंभ की।
8. *लार्ड डलहौजी* ने विलय की नीति आरंभ की।

प्र.घ सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. 1764 ई0 में जो घटना घटित हुई, वह थी :-

अ. प्लासी की लड़ाई ( ) ब. बक्सर की लड़ाई (✓)
स. पहली कर्नाटक की लड़ाई ( ) द. इनमें से कोई नहीं। ( )

2. वारेन हेस्टिंग्स को भारत में अंग्रेजों के सभी क्षेत्रों का गर्वनर जनरल बनाया गया था :-

अ. सन् 1772 ई0 में ( ) ब. सन् 1764 ई0 में ( )
स. सन् 1763 ई0 में ( ) द. सन् 1773 ई0 में (✓)

3. इनमें से कौन-सा राज्य अंग्रेजों द्वारा विलय की नीति के अंतर्गत हड़प लिया गया था :-

अ. सिक्किम ( ) ब. पंजाब (✓)
स. झाँसी ( ) द. अवध ( )

4. आंग्ल-गोरखा युद्ध के पश्चात् अंग्रेजों का नियंत्रण स्थापित हुआ :-

अ. नर्मदा के चारों ओर के क्षेत्र पर ( ) ब. सतलुज के पूर्वी क्षेत्र पर ( )
स. गढ़वाल और कुमायूँ क्षेत्र पर (✓) द. कश्मीर पर ( )

5. तीसरे आंग्ल-बर्मा युद्ध के पश्चात् अंग्रेजों ने अपने साम्राज्य में मिलाया :-

अ. असम ( ) ब. निचला बर्मा ( )
स. चिटगाँव ( ) द. ऊपरी बर्मा (✓)

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. यूरो के व्यापारी भारत अपना सामान बेचने और यहाष से सोना और चाँदी लेने आए थे। (✗)
2. अंग्रेजी और फ्रांसीसी कंपनियों के बीच भारत में युद्ध तभी हुए, जब यूरोप में इन दोनों के बीच युद्ध हुए। (✓)
3. सहायक संधि लार्ड क्लाइव द्वारा आरंभ की गई थी। (✗)
4. विलय की नीति भारतीय शासकों के पक्ष में थी। (✗)
5. प्लासी की लड़ाई के बाद मीर कासिम बंगाल का गर्वनर बन गया। (✓)

प्र.च उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	1756-63	:	तृतीय कर्नाटक युद्ध
2.	1757	:	प्लासी का युद्ध
3.	1772	:	वारे हेस्टिंग्स बंगाल का गवर्नर बना
4.	1764	:	बक्सर का युद्ध
5.	1843	:	सिंध का विलय
6.	1849	:	पंजाब का विलय

4. ब्रिटिश शासन का प्रशासनिक ढाँचा, नीतियाँ तथा प्रभाव

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 ब्रिटिश संसद ने 1773 ई0 में रेग्युलेटिंग एक्ट क्यों पास किया?

उ. ब्रिटिश संसद को भारत में कंपनी की गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए 1773 ई0 में 'रेग्युलेटिंग एक्ट' पारित करना पड़ा।

प्र.2 रेग्युलेटिंग एक्ट की क्या कमियाँ थीं?

उ. इस एक्ट की कुछ अपनी खामियाँ थीं जो जल्दी ही उजागर होने लगीं। प्रथम गर्वनर जनरल वारेन हेस्टिंग्स और उसकी परिषद् के बीच झगड़े होने लगे। सर्वोच्च न्यायालय ठीक से काम नहीं कर सका क्योंकि उसके अधिकार

और परिषद् के साथ उसके संबंध स्पष्ट नहीं थे।

प्र.3 पिट के इंडिया एक्ट के प्रमुख प्रावधान क्या थे?

उ. रेग्युलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के लिए कंपनी के भारतीय क्षेत्रों में प्रशासन को कुशल तथा जिम्मेदार बनाने के लिए 1784 ई0 में पिट का इंडिया एक्ट पारित किया।

प्र.4 लार्ड कॉर्नवालिस ने भारत के पुलिस ढाँचे में क्या परिवर्तन किए?

उ. लार्ड कॉर्नवालिस को ही भारत में सिविल सर्विस का जनक माना जाता है। उसने प्रशासन की वाणिज्य तथा राजस्व शाखाओं को अलग किया। शासन के कर्मचारियों का उपहार स्वीकार करना बंद करवा दिया और उनके लिए अच्छे वेतनों की व्यवस्था की।

प्र.5 अंग्रेजों द्वारा आरंभ की गई भू-राजस्व व्यवस्थाओं के नाम लिखिए।

उ. भू-राजस्व की अंग्रेजों द्वारा आरंभ की गई व्यवस्थाओं के नाम हैं - स्थायी बंदोबस्त, रैयतवारी व्यवस्था एवं महालवारी व्यवस्था।

प्र.6 अंग्रेजों ने रोपण कृषि में धन क्यों लगाया?

उ. 1830 के दशक के पश्चात् अंग्रेजों ने भारत में ऐसी फसलों को उगाने में रूचि ली जिनसे उनके उद्योगों को कच्चे माल की आपूर्ति की जा सके। सस्ते भारतीय मजदूरों के प्रयोग से लागत कम आती थी और अंग्रेजों को अधिक लाभ होता था।

प्र.7 ब्रिटिश शासन के दौरान भारत के हस्तकला उद्योगों का पतन क्यों हुआ?

उ. अंग्रेजों की वाणिज्यिक नीति ने भारत के हस्तकला उद्योंगों को भारी क्षति पहुँचाई। ब्रिटिश संसद ने भारतीय वस्तुएँ जो इंग्लैंड के बाजारों में जाती थी, उन पर भारी कर लगाए। ब्रिटेन में बनी हुई वस्तुओं की भारत के बाजारों में भरमार हो गई। ये मशीनों से बनी हुई वस्तुएँ हाथ से बनी हुई वस्तुओं की तुलना में सस्ती होती थीं। ब्रिटिश सरकार ने भारत के हस्तकला उद्योग को प्रोत्साहित नहीं किया।

प्र.8 भारत में लार्ड विलियम बैंटिक द्वारा अंग्रेजी शिक्षा क्यों आरंभ की?

उ. अंग्रेजों ने भारत में पश्चिमी शिक्षा का आरंभ तब किया जब उन्होंने यह महसूस किया कि अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीयों को सार्वजनिक दफतरों में नौकरी देने से उनकी प्रशासनिक व्यवस्था का व्यय कम हो जाएगा और वे अंग्रेज सरकार के प्रति वफादार बने रहेंगे।

प्र.9 अंग्रेजों ने भारत में यातायात एवं संचार के साधनों का विकास क्यों किया?

उ. यातायात एवं संचार के साधनों का विकास अंग्रेजों ने अपने व्यापारिक एवं राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए किया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 रेग्युलेटिंग एक्ट में क्या खामियाँ थीं जिन्हें पिट के इंडिया एक्ट द्वारा दूर करने का प्रयास किया गया।

उ. रेग्युलेटिंग एक्ट की कुछ अपनी खामियाँ थीं जो जल्दी ही उजागर होने लगीं। प्रथम गर्वनर जनरल वारेन हेस्टिंग्स और उसकी परिषद् के बीच झगड़े होने लगे। सर्वोच्च न्यायालय ठीक से काम नहीं कर सका क्योंकि उसके अधिकार और परिषद् के साथ उसके संबंध स्पष्ट नहीं थे। पिट का इंडिया एक्ट के अनुसार ब्रिटेन में एक नियंत्रण परिषद् की स्थापना की गई। इस नियंत्रण परिषद् के जरिए ब्रिटिश सरकार भारत में सैनिक, असैनिक तथा राजस्व संबंधी मामलों पर पूर्ण नियंत्रण रख सकती थी। इस प्रकार ब्रिटिश भारत में दोहरी शासन व्यवस्था लागू हो गई, ब्रिटिश सरकार और कंपनी दोनों की।

इस एक्ट के प्रावधान भारत में ब्रिटिश प्रशासन के आधार बने। इस एक्ट के पारित होने से अब गर्वनर जनरल भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों का वास्तविक शासन बना जो पूर्णतया ब्रिटिश संसद के अधीन कार्य करने लगा। गर्वनर जनरल सेना, पुलिस, सरकारी नौकरों तथा न्यायपालिका के जरिए शासन चलाता था।

प्र.2 अंग्रेजों ने भारत में सेना और पुलिस का गठन किस प्रकार किया?

उ. कंपनी की फौज में भारतीय सिपाहियों की संख्या बहुत अधिक थी। इसके साथ-साथ ब्रिटिश सैनिक भी थे। ब्रिटिश सैनिकों को भारतीय सिपाहियों की तुलना में अधिक वेतन तथा अधिक सुविधाएँ दी जाती थीं। भारतीय केवल सूबेदार के पद तक पहुँच सकते थे। सेना के सभी बड़े अफसर अंग्रेज होते थे।

पुलिस लार्ड कॉर्न वालिस ने एक नियमित पुलिस दल का गठन किया जिसका कार्य कानून व्यवस्था बनाए रखना था। 1791 ई0 में कलकत्ता के लिए पुलिस सुपरिंटेंडेंट नियुक्त हुआ। जल्द ही अन्य शहरों में कोतवाल नियुक्त किए गए। जिलों को थानों में विभाजित किया गया। थाने की जिम्मेदारी दरोगा को दी गई। पुलिस में सभी उच्च पद अंग्रेजों को दिए जाते थे। नीचे के पुलिस अधिकारियों को कम वेतन मिलता था। परंतु उनके पास काफी अधिकार थे।

प्र.3 ब्रिटिश शासन के अंर्तगत सिविल सर्विस के गठन का विवरण दीजिए।

उ. लार्ड कॉर्नवालिस को ही भारत में सिविल सर्विस का जनक माना जाता है। उसने प्रशासन की वाणिज्य तथा राजस्व शाखाओं को अलग किया, शासन के कर्मचारियों का उपहार स्वीकार करना बंद करवा दिया और उनके लिए अच्छे वेतनों की व्यवस्था की। बाद में सिविल सर्विस के सदस्य संसार में ऊँचा वेतन पाने वाले पदाधिकारी बन गए।

सिविल सर्विस प्रभावशाली पद और ऊँचा वेतन प्रदान करती थी। इसलिए इंग्लैंड के खानदानी परिवारों के तरूण इसके लिए लालयित रहते थे। लंबे समय तक कंपनी के निर्देशक ही सिविल सर्विस के सदस्यों को नियुक्त करते थे। इसलिए कंपनी की सिविल सर्विस में इंग्लैंड के कुछ प्रभावशाली परिवारों का वर्चस्व हो गया। नियुक्ति की यह व्यवस्था 1853 ई0 तक चली। उसके बाद प्रतियोगिता-परीक्षा की व्यावस्था आरंभ हुई।

प्र.4 अंग्रेजां द्वारा लागू की गई विभिन्न भू-राजस्व व्यवस्थाएँ क्या थीं? इन विभिन्न व्यवस्थाओं का भारतीय किसानों और कृषि पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. अंग्रेजों द्वारा लागू की गई विभिन्न भू-राजस्व व्यवस्थाएँ थीं - स्थायी बंदोबस्त, रयैतबारी और महालवारी प्रथा। स्थायी बंदोबस्त प्रथा के अंतर्गत भू-राजस्व का 89 प्रतिशत सरकार को जाता था और 11 प्रतिशत जमीदार रखते थे जो भूमि के वंशानुगत मालिक बन गए थे। परंतु यदि नमीदार सरकार को निश्चित धनराशि देने में असफल रहते थे तो उनकी जमीनें छीन ली जाती थीं।

मद्रास प्रेसीडेंसी मं एक नई व्यवस्था लागू की गई। इसे रैयतवारी व्यवस्था कहा गया। इस व्यवस्था में सरकार ने जमीन रैयत यानि किसानों को दे दी।

उत्तर भारत में भूमि-बंदोबस्त स्थानीय प्रथाओं के अनुसार हुआ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गाँव बिरादरी या महलों के साथ भूमि बंदोबस्त किया गया। जमीन पर गाँव-बिरादरियों के सामूहिक स्वामित्व को भाई-चारा कहा जाता था। गाँवां के समूह को महाल कहते थे। पंजाब और दिल्ली में भी यही भूमि व्यवस्था लागू की गई। भू-राजस्व एकत्र करने और अदा करने का कार्य महाल के मुखिया या तालुकेदार का था।

प्र.5 भारत में अंग्रेजों द्वारा आरंभ की गई अंग्रेजी शिक्षा के नकारात्मक तथा सकारात्मक पहलू क्या ये?

उ. अंग्रेजों ने भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रारंभ तब किया जब उन्होंने यह महसूस किया कि अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीयों को सार्वजनिक दफ्तरों में नौकरी देने से उनकी प्रशासनिक व्यवस्था का व्यय कम हो जाएगा और वे अंग्रेज सरकार के प्रति वफादार बने रहेंगे। 1835 ई0 में लार्ड विलियम ने एक विधेयक पारित किया कि भारत में अंग्रेजी शिक्षा आरंभ की जाए। 1884 ई0 में अंग्रेजी को प्रशासनिक भारत का दर्जा दे दिया गया। इसके फलस्वरूप सरकारी नौकरियों में अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक हो गया।

नई शिक्षा पद्धति की इस आधार पर आलोचना की गई कि इसका उद्देश्य केवल ब्रिटिश प्रशासन के लिए क्लर्क तैयार करना था। जनमानस की शिक्षा पर विशेष ध्यान नहीं दिया क्योंकि पुरानी शिक्षा पद्धति का पतन हो गया और प्रारंभिक शिक्षा की अवहेलना की गई। भारत की लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या निरक्षर रही। अंग्रेजी शिक्षा पर जोर देने से समाज में अंग्रेजी शिक्षित लोगों और शेष भारतीय जनता के बीच एक खाई बन गई। ब्रिटिश शासकों ने यह भी सोचा कि अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीय ब्रिटिश शासन के समर्थक रहेंगे। अंग्रेजी शिक्षा की गंभीर सीमाओं के बावजूद इसका एक लाभ यह हुआ कि अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीयों को आधुनिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला और ये लोग स्वतंत्रता, समानता और प्रजातांत्रिक विचारों से प्रभावित हुए। उनमें राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई। इनमें कुछ समाज सुधार के क्षेत्र में अग्रणी हुए और बाद में इन लोगों ने राष्ट्रीय आंदोलन में अहम् भूमिका निभाई।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. ब्रिटिश भारत की सेना में भारतीय *सूबेदार* के पद तक जा सकता था।
2. *लार्ड कॉर्नवालिस* ने भारतीय सिविल सर्विस आरंभ की।
3. पहला रेल मार्ग *बंबई* और *थाने* के बीच 1853 ई0 में आरंभ हुआ।
4. महालवारी भू-राजस्व प्रथा में *समूह* या महाल का मुखिया राजस्व एकत्र और अदा करता था।
5. बंगाल की कोयला खान कंपनी *1843* में स्थापित हुई।
6. पहला सूती वस्त्र का कारखाना *1853* ई0 में *बंबई* में स्थापित हुआ।
7. जूट कातने की पहली मशीन बंगाल में *श्रीरामपुर* में *1855* ई0 में लगाई गई।
8. भारत में तार सेवा का आरंभ *1853* ई0 में हुआ।
9. *लार्ड विलियम बैंटिक* ने भारत में अंग्रेजी शिक्षा आरंभ की।
10. *वुड डिस्पेंच* के द्वारा भारत में श्रेणीबद्ध अंग्रेजी शिक्षा की विफारिश की।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गतल वाक्य के सामने (✗) निशान लगाइए :-

उ. 1. अंग्रेजो ने भारत में कृषि के विकास में रूचि ली। (✗)
2. ब्रिटिश शासन भू-राजस्व वसूल करने में उदार थी। (✗)
3. ब्रिटिश शासन के दौरान भारत के हस्तकला उद्योगों का पतन हुआ। (✓)
4. अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त भारतीय सदैव अंग्रेजों के वफादार बने रहे। (✗)
5. ब्रिटिश प्रशासन के अंर्तगत सभी उच्च पद अंग्रेजों को दिए जाते थे। (✓)
6. आरंभ से कंपनी के अधिकारियों ने भारतीय समाज से सामाजिक बुराइयों को दूर करने में रूचि ली। (✗)
7. भारतीय ऐसा कोई पद ग्रहण नहीं कर सकते थे जिससे 500 पौंड से अधिक वेतन मिलता हो। (✓)
8. कंपनी और ब्रिटिश सरकार ने भारत में उनेक बड़ें आधुनिक उद्योग स्थापित किए जिससे भारत आर्थिक एवं औद्योगिक विकास हो सके। (✗)

प्र.ड उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	1773	:	रेग्युलेटिंग एक्ट
2.	1784	:	पिट का इंडिया एक्ट
3.	1835	:	अंग्रेजी शिक्षा का आरंभ
4.	1854	:	वुड डिस्पैच
5.	1856	:	विधवा पुनर्विवाह एक्ट
6.	1829	:	विलियम बैटिक
7.	1801	:	सती प्रथा पर कानूनी प्रतिबंध
8.	1793	:	लार्ड कॉर्नवालिस द्वारा कानून संहिता का आरंभ

5. उन्नीसवीं सदी में भारत में सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 उन्नीसवीं सदी में हिंदू समाज में प्रमुख सामाजिक और धार्मिक कुरीतियाँ क्या थीं?

उ. भारतीय समाज में एकता का अभाव था। समाज में धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर बड़ी असमानता थीं। इन कुरीतियों के साथ-साथ स्त्रियों की दशा बड़ी दयनीय थी। स्त्रियों को पुरूषों से हीन समझा जाता था। सती प्रथा, बहु विवाह प्रथा, विधवा विवाह पर प्रतिबंध, कन्या शिशु हत्या जैसी अमानवीय पंरपराएँ समाज में प्रचलित थीं। धार्मिक कर्मकांड़ों तथा अंधविश्वासों का बोलबाला था।

प्र.2 ब्रहम समाज की स्थापना कब और किसके द्वारा हुई? ब्रहम समाज के प्रमुख सिद्धांत क्या थे?

उ. 1828 ई0 में राजा राम मोहन राय ने ब्रहम् समाज की स्थापना की। उन्होंने सामाजिक बुराईयों; जैसे - सती प्रथा, बहुविवाह प्रथा, बाल विवाह प्रथा, कन्या शिशु हत्या और जातिगत भेदभाव के विरूद्ध आंदोलन चलाए। उन्होंने भारत में आधुनिक अंग्रेजी शिक्षा का समर्थन किया और 1817 ई0 में कलकत्ता में हिंदू कालेज की स्थापना की।

प्र.3 ईश्वरचंद्र विद्यासागर की प्रमुख उपलब्धि क्या थी?

उ. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने जाति पर आधारित भेदभाव का विरोध किया और महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित किया। उनके प्रयास से 1856 ई0 में विधवा पुनर्विवाह कानून पारित हुआ।

प्र.4 तरूण बंगाल आंदोलन से आप क्या समझते हैं? इसमें डेरोजियो की क्या भूमिका थी?

उ. हिंदू कालेज कलकत्ता के एक अध्यापक हेनरी लुई विवियन डेरोजियो ने अपने विद्यार्थियों की स्वतंत्रतापूर्वक विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके विद्यार्थियों ने जिन्हें सामूहिक रूप से तरूण बंगाल कहा गया, पुराने रीति रिवाजों की आलोचना की और विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा महिलाओं की शिक्षा की मांग की।

प्र.5 महात्मा फुले की समाज सुधार के क्षेत्र में क्या अहम् भूमिका थी?

उ. ज्योतिराव गोविंदराव फुले ने जाति प्रथा का विरोध किया और महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य किया। 1873 ई0 में उन्होंने 'सत्य शोधक समाज' की स्थापना की।

प्र.6 एम0 जी0 रानाड़े का समाज सुधार के क्षेत्र में क्या योगदान था?

उ. एम0 जी0 रानाड़े और उनके सहयोगियों ने 1867 ई0 में बंबई में प्रार्थना समाज की स्थापना की। प्रार्थना समाज ने जाति पर आधारित भेदभाव का विरोध किया और विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया। उन्होंने 1887 ई0 में 'भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन' की स्थापना की।

प्र.7 आर्य समाज के संस्थापक कौन थे? उनके मुख्य उपदेश क्या थे?

उ. स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई0 में बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। उन्होंने मूर्ति पूजा का विरोध किया और वेदों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश नाम ग्रंथ की रचना की।

प्र.8 भारत में शिक्षा के प्रसार में आर्य समाज का क्या योगदान था?

उ. 1886 ई0 में दयानंद के अनुयायियों ने लाला हंसराज के नेतृत्व में लाहौर में दयानंद एंग्लों वैदिक स्कूल की स्थापना की और डी0ए0वी0 कालेजों की स्थापना हुई इन संस्थाओं में जो शिक्षा दी जाती थी, वह पांरपारिक भारतीय ज्ञान और पश्चिमी वैज्ञानिक अध्ययनों का मिश्रण थीं।

प्र.9 रामकृष्ण मिशन के मुख्य क्रिया कलाप क्या हैं?

उ. रामकृष्ण मिशन का कार्य समाज सेवा था। इसका आदर्श वाक्य है 'ईश्वर की आराधना का सर्वोत्म मार्ग है मानव जाति की सेवा करना'। रामकृष्ण मिशन अपने सार्वजानिक कार्यो के लिए सुप्रसिद्ध हो गया है। मिशन ने बाढ़, अकाल तथा महामरियों के समय राहत कार्य किया।

प्र.10 सर सैयद अहमद खाँ का मुसलमानों में शिक्षा प्रसार करने एवं जागरूकता लाने में क्या योगदान था?

उ. सर सैयद अहमद खाँ ने परदा प्रथा, बहुविवाह और मुसलमानों में तलाक की प्रथा का विरोध किया। उन्होंने स्त्री शिक्षा पर बल दिया। उन्होंने अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की स्थापना की और अलीगढ़ में साइंटिफिक सोसाइटी की स्थापना की जिससें लोगों में विवेकपूर्ण विचारों का विकास हो।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक क्यों कहा जाता है?

उ. सुधार आंदोलनों में राजा राममोहन राय ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजा राममोहन राय ने एकेश्वरवाद में अपनी आस्था व्यक्त की। उन्होंने एक सर्वशक्तिमान ईश्वर पर आधारित विश्व धर्म की वकालत की। उन्होंने मूर्ति पूजा का विरोध किया और अनावश्यक कर्मकांड़ो की आलोचना की। उनका विश्वास था कि अनावश्यक कर्मकांडो के कारण समाज में अंधविश्वास तथा सामाजिक कुरीतियाँ बढ़ती हैं। उन्होनें सामाजिक कुरीतियों; जैसे - सती प्रथा, बहु विवाह प्रथा बाल विवाह प्रथा, कन्या शिशु हत्या और जातिगत भेदभाव के विरूद्य आवाज उठई।

सामाजिक सुधारों के अंर्तगत उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि 1829 ई0 में सती प्रथा को समाप्त करवाना था। उन्होंने बहुविवाह प्रथा का विरोध किया। वह चाहते थे महिलाएँ शिक्षा प्राप्त करें और उन्हें संपत्ति में अधिकार मिले, उन्होंने 1817 ई0 में कलकत्ता में हिंदू कालिज की स्थापना की। अब इसे प्रेसीडेंसी कालेज कहा जाता है।

राजा राममोहन राय ने बंगला, हिंदी, फारसी तथा अंग्रेजी में पत्रिकाएँ छापीं, जिनमें प्रेस की स्वतंत्रता, भारतीयों को उच्च पद प्राप्त करने का अधिकार और न्याय पालिका एवं कार्य पालिका को एक-दूसरे से अलग रखना जैसे विषयों पर लेख छपते थे। उन्हें 'आधुनिक भारत का जनक' कहा जाता है।

प्र.2 स्वामी दयानंद सरस्वती का धार्मिक और सामाजिक सुधारों में क्या योगदान था?

उ. उत्तर भारत में धार्मिक और सामाजिक सुधार का सबसे महत्वपूर्ण आंदोलन दयानंद सरस्वती ने आरंभ किया। उन्होंने मूर्ति पूजा, सामाजिक असमानता और बाल विवाह का विरोध किया। उन्होंने स्त्री शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह पर बल दिया। उन्होनें 1875 ई0 में बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। इसकी सदस्यता सभी जातियों के लिए खुली थी। उनका प्रसिद्य नारा था 'वेदों की ओर वापस जाओ'। उन्होंने शुद्धि आंदोलन आरंभ किया, जिसके द्वारा उन हिंदूओं को जिन्होंने इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लिया था, फिर से हिंदू बनाया गया। उन्होंने अपने संदेश हिंदी में दिए। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक का नाम सत्यार्थ प्रकाश है। आर्य समाज उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और विशेषकर पंजाब में खूब फैला। पंजाब में तो अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनैतिक शक्ति बन गया।

प्र.3 पश्चिमी भारत के सामाजिक और धार्मिक सुधारकों का विवरण दीजिए।

उ. बंगाल में आरंभ हुए सुधार आंदोलन देश के अन्य भागों में भी फैले। 1867 ई0 में बंबई में प्रार्थना समाज की स्थापना हुई। इसके दो प्रमुख नेता थे - महादेव गोविंद रानाड़े और रामकृष्ण गोपाल भंडारकर। प्रार्थना समाज के नेता ब्रह्मा समाज से प्रभावित हुए। उन्होंने जाति प्रथा और अस्पृश्यता की निंदा की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया।

रानाडे ने, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना में भी योगदान दिया था, सारे देश में सामाजिक सुधार के कार्य को बढ़ाने के उद्देश्य से 1887 ई0 में भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन की स्थापना की। रानाडे की मान्यता थी कि सामाजिक सुधारों के बिना आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में उन्नति कर पाना संभव नहीं है। वे हिंदू-मुसलमान एकता के प्रबल समर्थक थे।

पश्चिम भारत में दो अन्य महान् सुधारक थे - गोपाल हरि देशमुख, जो 'लोकहितवादी' के नाम से प्रसिद्ध हुए और ज्योतिराव गोविंदराव फुले, जो ज्योतिबा के नाम से प्रसिद्ध हुए। लोकहितवादी ने जाति प्रथा विरोध किया और स्त्रियों के उत्थान के लिए काम किया। महात्मा फुले ने दलितों और स्त्रियों के उद्धार के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया।

प्र.4 दक्षिण भारत के प्रमुख सामाजिक और धार्मिक सुधारक कौन थे? किन विषयों पर उन्होंने मुख्य रूप से अपना ध्यान केंद्रित किया?

उ. ब्रह्म समाज से प्रेरणा पाकर 1864 ई0 में मद्रास 'वेद समाज' की स्थापना हुई। वेद समाज ने जाति भेद का विरोध किया और विधवा पुनर्विवाह तथा कन्याओं की शिक्षा का समर्थन किया। ब्रह्म समाज की तरह वेद समाज ने भी कट्टरपंथी हिंदूओं के कर्मकांड़ो और अंधविश्वासों की निंदा की और एकेश्वरवाद में आस्था व्यक्त की। चेंबेटी श्रीधरलु नायडू वेद समाज के प्रमुख नेता थे।

दक्षिण भारत में सुधार आंदोलनों के एक और प्रमुख नेता थे - कंडुकुरी वीरेसलिगंम। वे ब्रह्म समाज के विशेषकर केशवचंद्र के विचारों से प्रभावित थे। उनका सबसे महत्वपूर्ण कार्य स्त्रियों की विमुक्ति से संबंधित था। इसमें कन्याओं की शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह के लिए किया गया उनका कार्य भी शामिल था।

केरल में नारायण गुरू ने दलितोद्धार का एक महत्वपूर्ण आंदोलन आरंभ किया था। केरल के उच्च जाति के हिंदू अन्य अनेक समुदायों के साथ एझवा को भी अछूत मानते थे नारायण गुरू ने संस्कृत का ज्ञान प्राप्त किया और एझवा तथा अन्य दलित-वर्गो के उत्थान के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। उन्होंने ऐसे मंदिर स्थापित किए जिनमें ईश्वर या उनकी मूर्ति का कोई महत्व नहीं था।

प्र.5 सिखों के सुधार आंदोलनों का विवरण दीजिए।

उ. सिखों में सुधार आंदोलन सिंह सभाओं द्वारा आरंभ किए गए जिनका गठन अमृतसर और लाहौर में 1870 ई0 के दशक में हुआ था। बाद में यह दोनों सभाएँ मिलकर एक हो गई। सिंह सभाओं ने शिक्षा के विस्तार में विशेष भूमिका निभाई। सिंह सभाओं के प्रयत्नों तथा अंग्रेजों की सहायता से 1892 ई0 में अमृतसर में खालसा कालेज की स्थापना हुई। सिंह सभाओं ने पंजाब के विभिन्न भागों से खालसा स्कूलों और कालेजों की स्थापना की। इन स्कूलों और कालेजों में पंजाबी भाषा और साहित्य को प्रोत्साहित किया गया।

बाद में बीसवीं सदी के आरंभिक दशकों में गुरूद्वारों के सुधार के लिए एक शक्तिशाली आंदोलन आरंभ हुआ। उस समय गुरूद्वारे पुरोहितों और महंतों के कब्जे में थे। वे गुरूद्वारों को अपनी निजी संपत्ति समझते थे।शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी और अकाली दल ने मिलकर आंदोलन चलाया कि गुरूद्वारों का नियंत्रण सिख समाज के प्रतिनिधियों को सौंपा जाए।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. सती प्रथा को *1829* ई0 में *राजा राममोहन राय* द्वारा *विलियम बैंटिक* के प्रयास से गैर कानूनी घोषित किया गया।
2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर की *विधवा पुनर्विवाह* एक्ट पास कराने में अहम् भूमिका थी।
3. *सर सैयद अहमद खाँ* ने *1875* ई0 में मोहम्मडन एंग्लों ओरियंटल कालेज की स्थापना की।
4. जाति और धर्म पर आधारित भेदभार को दूर करने के लिए ज्यातिबा फुले ने *सत्यशोधक समाज* की स्थापना की।
5. 1929 ई0 के शारदा एक्ट के अनुसार लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु *14* वर्ष और लड़कों के विवाह की न्यूनतम आयु *18* वर्ष निश्चित की गई।

प्र..घ उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	ब्रहम समाज	:	राजा राममोहन राय
2.	आर्य समाज	:	स्वामी दयानंद सरस्वती
3.	प्रार्थना समाज	:	एम0 जी0 रानाडे
4.	रामकृष्ण मिशन	:	स्वामी विवेकानंद
5.	सत्य शोधक समाज	:	ज्योतिबा फुले
6.	मोहम्मडन-एंग्लों-ओरियंटल कालेज	:	सर सैयद अहमद खाँ

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामनें (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का उन्नीसवीं सदी के सामाजिक और धार्मिक आंदोलनों से निकटतम संबंध था। (✓)
2. अधिकतर सामाजिक और धार्मिक सुधारकों ने जाति और धर्म पर आधारित भेदभाव की निंदा की। (✓)
3. 1857 के बाद के काल में ब्रिटिश सरकार ने भारतीय समाज के सुधार आंदोलनों में बहुत रूचि दिखाई। (✓)
4. सिखों में कोई सामाजिक और धार्मिक सुधारक नहीं हुए। (✗)
5. ईश्वरचंद्र विद्यासागर संस्कृत के महान् विद्वाद थे। (✓)
6. सर सैयद अहमद खाँ एक कट्टरपंथी मुस्लिम थे। (✗)
7. वेद समाज की स्थापना मद्रास में हुई। (✓)

6. ब्रिटिश शासन के विरूद्ध विद्रोह

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 अंग्रेजों की बंगाल पर विजय के पश्चात् कौन'-सा प्रमुख विद्रोह हुआ? इस विद्रोह का नेतृत्व किसने किया?

उ. पहला प्रमुख विद्रोह अंग्रेजों की बंगाल विजय के तुरंत बाद हुआ। यह विद्रोह संन्यासियों और फकीरों के नेतृत्व में शुरू हुआ।

प्र.2 विभिन्न आदिवासी समूहों ने देश के विभिन्न भागों में कौन-से प्रमुख विद्रोह किए?

उ. आदिवासी समूहों ने कई विद्रोह किए इनमें से कुछ शक्तिशाली विद्रोह, थे - मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भीलों का विद्रोह, बंगाल, बिहार और उड़ीसा में भीलों का विद्रोह, उड़ीसा में गोंड़ों तथा खोड़ों का विद्रोह, महाराष्ट्र में कोलियो का विद्रोह, राजस्थान में मेड़ों का विद्रोह और बंगाल तथा बिहार में संथालों का विद्रोह।

प्र.3 पोलीगरों ने अंग्रेजों के विरूद्ध कहाँ और कब विद्रोह किए?

उ. सन् 1795 से 1805 ई0 तक दक्षिण भारत में अंग्रेजों के खिलाफ कुछ शक्तिशाली विद्रोह हुए जिनका नेतृत्व जमींदारों ने किया। इन जमीदारों को पोलीगर कहा जाता है।

प्र.4 वेल्लूर विद्रोह पर एक टिप्पणी लिखिए?

उ. कंपनी की फौजों के सिपाहियों ने भी विद्रोह किए इनमें सबसे प्रमुख थे वेल्लूर विद्रोह और 1824 ई0 का बैरकपुर विद्रोह। वेल्लूर के विद्रोह को कुचल दिया। इस विद्रोह में 350 सिपाही मारे गए और 500 बंदी बनाए गए। इस विद्रोह में 117 अंग्रेज सैनिक भी मारे गए।

प्र.5 1857 ई0 के विद्रोह का तात्कालिक कारण क्या था?

उ. विद्रोह का मुख्य कारण भारत में ब्रिटिश नीतियों से उत्पन्न व्यापक असंतोष था क्योंकि ब्रिटिश सरकार की नीतियाँ भारतीय जनता के हित में नहीं थी। अंग्रेज अपने हितों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रकार से भारतीयों का शोषण कर रहे थे।

प्र.6 मंगल पांडे को कब और कहाँ फाँसी दी गई?

उ. मंगल पांडे को 8 अप्रैल 1857 ई0 को बैरकपुर में फाँसी दी गई।

प्र.7 1857 ई0 के विद्रोह के कुछ प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए।

उ. इस विद्रोह के प्रमुख नेता थे - बिहार में कुँवर सिंह, कानपुर में नाना साहब, झाँसी में रानी लक्ष्मीबाई तथा लखनऊ में बेगम हजरत महल।

प्र.8 1857 ई0 के विद्रोह के प्रमुख राजनीतिक कारण क्या थे?

उ. राज्य विस्तार की नीति के कारण भारत के अनेक शासकों और सरदारों में अंग्रेजों के प्रति असंतोष व्याप्त हो गया था। अंग्रेजों ने उनके साथ सहायक संधि कर ली थी। परंतु अंग्रेज इन संधियों को मनमर्जी से तोड़ देते थे।

प्र.9 1857 ई0 के विद्रोह के पश्चात् ब्रिटिश सरकार द्वारा अपनी भारत के प्रति नीति में क्या प्रमुख परिवर्तन लाए गए?

उ. इंग्लैंड की महारानी के घोषणा पत्र द्वारा अंग्रेजों ने भारत के प्रति अपनी नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए। विलय की नीति को समाप्त कर दिया गया और सभी को अपनी शिक्षा और योग्यता के आधार पर प्रशासनिक सेनाओं में प्रवेश का अधिकार मिल गया।

प्र.10 भारतीय इतिहासकारों ने 1857 ई0 के विद्रोह को स्वतंत्रता का पहला संग्राम क्यों कहा है?

उ. भारतीय इतिहासकार इसे स्वतंत्रता का प्रथम युद्ध कहते हैं। इस विद्रोह ने भारतीयों में ब्रिटिश शासन से मुक्त होने की भावना जाग्रत की।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 1857 ई0 के विद्रोह के प्रमुख कारणों की चर्चा कीजिए।

उ. 1857 ई0 के विद्रोह के प्रमुख कारण थे :-

अ. राजनीतिक कारण :- अंग्रेजों की राज्य विस्तार की नीति के कारण भारत के अनेक शासकों और सरदारों में उनके प्रति असंतोष व्याप्त हो गया था। अंग्रेजों ने उनके साथ सहायक संधि कर ली थी। परंतु अंग्रेज इन संधियों को मनमर्जी से तोड़ देते थे। शासकों की उपाधियाँ तथा पेंशन बंद कर दी। उन्होंने बहुत से स्थानीय शासकों को उनकी गद्दी से उतार दिया। मुगल बादशास बहादुरशाह द्वितीय के उत्तराधिकारियों को लाल किले के महल को खाली करने का आदेश दिया क्योंकि अंग्रेजों ने मुगल बादशाह को कह दिया था कि उनके बाद उनके उत्तराधिकारियों को बादशाह नहीं माना जाएगा।

ब. सामाजिक और धार्मिक कारण :- अंगेजों ने जो सामाजिक सुधार के क्षेत्र में कानून बनाए; जैसे -सती

प्रथा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी कानून तथा विधवा पुनर्विवाह अधिनियम। इनसे कट्टरपंथी हिंदुओं में असंतोष फैल गया। ऊँची जाति के लोगों ने महसूस किया नई न्यायिक प्रथा उनसे उनके अधिकार छीनना चाहती है। विद्रोह का तात्कालिक कारण भी सिपाहियों की धार्मिक भावनाओं से जुड़ा था। 29 मार्च, 1857 ई0 को बैरकपुर की चौतीसवीं इन्फैंट्री के सिपाही मंगल पांडे ने अपने साथी सैनिकों से नए कारतूसों का प्रयोग न करने के लिए कहा और विद्रोह आरंभ कर दिया। क्योंकि उनकी ऐसी धारणा थी कि इन राइफलों में प्रयोग होने वाले कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी का प्रयोग किया गया है जो हिंदूओं एवं मुसलमानों दोनों धर्मो की भावनाओं के विरुद्ध है।

स. **आर्थिक कारण :-** अंग्रेजों की आर्थिक नीतियों से देश में काफी असंतोष फैल गया। नई भू-राजस्व प्रथाओं के कारण अनेक जमीदारों की जमीने जब्त कर ली गई।

द. **सैनिक कारण :-** भारतीय सैनिकों में भारी असंतोष था क्योंकि सेना में सभी उच्च पद अंग्रेजों को दिए जाते थे। भारतीय और अंग्रेज सिपाहियों के वेतनों में भी बहुत अंतर था।

प्र.2 1857 ई0 के विद्रोह के असफल होने के प्रमुख कारण क्या थे?

उ. विद्रोह की कुछ बुनियादी कमजोरियाँ थीं जिसके कारण इसके सफल होने की कम आशा थी। इस विद्रोह के असफल होने के अनेक कारण थे। अंग्रेजों को इंग्लैंड की एक शक्तिशाली सरकार का समर्थन प्राप्त था। इसके अतिरिक्त भारत में उनके प्रशासनिक केंद्र रेलमार्गो, सड़कों तथा तार सेवा से भली-भाँति जुड़े थे। अतः उन्हें विद्रोह की सभी सूचनाएँ प्राप्त होती थी। अंग्रेजों के सेनानायक अधिक कुशल और योग्य थे तथा अंग्रेजी सेना भारतीय सेना से अधिक शक्तिशाली थी। अंग्रेजी सेना के पास आधुनिक तकनीक थी। जबकि भारतीय सेना पांरपरिक ढ़ंग से ही युद्ध कर रही थी। इसके अतिरिक्त विद्रोह के असफल होने का एक प्रमुख कारण यह भी था कि कुछ भारतीय रियासतों के शासकों ने इस विद्रोह में भाग नहीं लिया। यहाँ तक कि कुछ ने इस विद्रोह के असफल होने का यह भी कारण था कि शिक्षित भारतीय इस विद्रोह से अलग रहे।

प्र.3 अंग्रेजों ने 1857 ई0 के विद्रोह को किस प्रकार कुचला?

उ. यह विद्रोह काफी बड़े क्षेत्र में फैला परंतु अंग्रेजों ने इसे बड़ी निर्दयता से कुचल दिया। सितंबर 1857 ई0 में अंग्रेजों ने दिल्ली पर पुनः कब्जा कर लिया। बहादुरशाह को कैद कर लिया गया, उन पर मुकदमा चलाया गया। जहाँ 1865 ई0 में उनकीमृत्यु हो गई रानी लक्ष्मीबाई को जो झाँसी की रानी के नाम से प्रसिद्ध हुई, झाँसी से बहार निकाल दिया गया। तात्या टोपे की सहायता से उन्होनें ग्वालियर पर कब्जा कर लिया और जून 1858 में बड़ी बहादुरी से लड़ते हुए उनकी मृत्यु हो गई। विद्रोह को दबाने में अंग्रेजों ने अमानवीय कृत्य किए अब विजयी ब्रिटिश सेनाओं ने नरसंहार करना आरंभ कर दिया। अनेक गाँवों को नष्ट कर दिया गया। आगजनी और लूटमार आरंभ कर दी। अंग्रेजी सेनाओं ने विद्रोही नेताओं, सैनिकों तथा आम जनता पर अत्याचार किए।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. विद्रोहियों ने *बहादुरशाह जफर* को भारत का सम्राट घाषित किया।
2. कंपनी के अंर्तगत भारत का अंतिम गर्वनर जनरल *लार्ड केनिगं* था।
3. *कोलो* ने बिहार में विद्रोह का नुतृत्व किया।
4. बेगम हजरत महल ने *लखनऊ* में विद्रोह का नेतृत्व किया।
5. 1857 ई0 का विद्रोह *बैरकपुर* से *10 मई 1857* को आरंभ किया गया था।
6. वहाबी समुदाय *सैयद अहमद बरेलवी* द्वारा स्थापित किया गया था।
7. कानपुर में विद्रोह का नेतृत्व *नाना साहब* ने किया।
8. महारानी का घोषणा पत्र नवम्बर *1858 ई0* को *इलाहाबाद* में हुए दरबार में पढ़कर सुनाया गया।

प्र.घ उचित मिलान कीजिए :-

उ.
1. भील : मध्य प्रदेश
2. मेड़ : राजस्थान
3. संथाल : बंगाल और बिहार

4. खासी : मेघालय
5. कोली : महाराष्ट्र

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. सभी भारतीय रियासतों के शासकों ने 1857 के विद्रोह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। (✗)
2. शिक्षित भारतीय 1857 ई. के विद्रोह से अलग रहे। (✓)
3. रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजी सेना के सम्मुख आत्मसमर्पण कर दिया। (✗)
4. 1857 ई. के विद्रोह के पश्चात् अंग्रेजों ने फूट डालो और शासन करो की नीति अपनाई। (✓)
5. 1857 ई0 में यह पहली घटना थी जब भारतीय सिपाहियों ने अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोहा किया। (✓)

7. 1858 इ0 के पश्चात् भारत में ब्रिटिश नीतियां एव प्रशासन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 सन् 1861 ई0 के एक्ट में कार्यकारी परिषद् और विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या में क्या परिवर्तन किए गए?

उ. सन् 1861 ई0 के एक्ट के अनुसार कार्यकारी परिषद् के सामान्य सदस्यों की संख्या को 4 से बढ़ाकर 5 कर दिया गया। इस एक्ट के अनुसार बंगाल, मद्रास और बंबई में कार्यकारी परिषदों को गठन किया गया।

प्र.2 कौन से भारतीय लोगों को कभी-कभी विधान परिषद् के लिए मनोनीत किया जाता था?

उ. विधान परिषद में कभी-कभी भारतीय धनी व्यापारियों को इस परिषद् में मनोनीत किया जाने लगा।

प्र.3 1861 ई0 के एक्ट में प्रांतीय प्रशासनिक व्यवस्था में क्या परिवर्तन किए गए?

उ. सन् 1861 ई0 के कानून के तहत प्रांतीय प्रशासनिक में भी कुछ परिवर्तन हुए। बंगाल, मद्रास और बंबई प्रांतों का प्रशासन गर्वनर और तीन सदस्यों की एक कार्यकारी परिषद् देखती थी।

प्र.4 स्थानीय सरकारों के संबंध में भारतीय नेताओं की क्या माँगें थी?

उ. स्थानीय सरकारों के संबंध में भारतीय नेताओं ने गाँव के स्तर तक स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था स्थापित करने की माँग की।

प्र.5 किन विभागों एवं किन व्यापारिक वस्तुओं से होने वाली आय पर केवल केंद्र सरकार का अधिकार था?

उ. डाकघरों, रेलवे, अफीम तथा नमक की बिक्री और चुँगी से होने वाली आय पर पूर्णतः केंद्रीय सरकार का अधिकर था।

प्र.6 किन स्त्रोंतो से होने वाली आय को केंद्रीय सरकार और प्रांतीय सरकारों में विभाजित किया जाता था?

उ. भू-राजस्व, आबकारी आदि स्त्रोंतों से होने वाली आय को केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के बीच बाँटा गया।

प्र.7 ब्रिटेन में बनी वस्तुओं पर सीमा कर सन् 1882 ई0 में क्यों समाप्त कर दिया गया था? इस कर को सरकार ने पुनः कब लगाया और क्यों?

उ. चुँगी लगाने के कारण इंग्लैंड में उत्पादित माल की विशेषकर सूती कपड़े की ब्रिकी पर बुरा असर पड़ा। ब्रिटिश उद्योगपतियों के दबाव के कारण सन् 1882 ई0 में चुँगी समाप्त कर दी गई। सनृ 1894 इ0 में राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए पुनः चुँगी लगा दी गई।

प्र.8 ब्रिटिश सरकार ने जाति समूहों एवं जन जाति के आधार पर सेना का पुनर्गठन क्यों किया?

उ. विभिन्न इलाकों, जातियों या कबीलों के सैनिकों की कंपनियों को मिलाकर 'रेजिमेंट' का गठन किया गया। उद्देश्य यह था कि यदि एक कंपनी विद्रोह करे तो उसे कुचलने के लिए दूसरी कंपनियों का इस्तेतमाल किया जा सके।

प्र.9 भारतीयों के लिए सिविल सर्विस प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करना क्यों कठिन था?

उ. सन् 1853 ई0 से सिविल सर्विस के सदस्यों की भर्ती प्रतियोगिता परीक्षाओं के जरिए होने लगी थी। ये परीक्षाएँ इंग्लैंड में होती थी। उनमें बहुत कम भारतीय बैठ पाते थें। परीक्षाएँ अंग्रेजी में होती थीं। प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने के लिए भारतीयों को एक नितांत भिन्न वातावरण में रहना पड़ता था।

प्र.10 इल्बर्ट बिल क्यों पारित किया गया और क्यों इसे वापस ले लिया गया?

उ. सन् 1883 ई0 में जब लार्ड रिपन गवर्नर जनरल थे, एक बिल पास किया जिसे इल्बर्ट बिल कहतें हैं। इस बिल के अनुसार, भारतीय और अंग्रेज न्यायाधीशों के बीच भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया गया। इस बिल ने अंग्रेजों में जिनमें सिविल सर्विस के सदस्य भी सम्मिलित थे, रोष की इतनी तीव्र भावना कर दी कि सरकार को इस बिल को वापस लेना पड़ा।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 सन् 1861 ई0 के एक्ट के प्रमुख प्रावधन क्या थे?

उ. इस एक्ट के अंतर्गत कार्यकारी परिषद् के सामान्य सदस्यों की संख्या 4 से बढ़ाकर 5 कर दी गई। विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या में भी वृद्धि की गई। अब इसमे 6 से 12 तक सदस्य और बढ़ा दिए गए तथा धनी व्यापारियों को भी इस परिषद् में मनोनीत किया जाने लगा। यह अंग्रेजों के प्रति उनकी वफादारी का पारितोषिक था। परिषद् के सदस्य गर्वनर जनरल द्वारा मनोनीत किए जाते थे।

सन् 1861 ई0 के कानून के तहत प्रांतीय प्रशासन में भी कुछ परिवर्तन हुए। बंगाल, मद्रास और बंबई प्रांतों का प्रशासन गर्वनर और तीन सदस्यों की एक परिषद् देखती थी। अब इन प्रांतों के विधान परिषदें भी बनाई गई। ऐसी प्रांतीय विधान परिषद् में कार्यकारी परिषद् के सदस्यों के अलावा चार से आठ तक अतिरिक्त सदस्य होते थे। बाद में अन्य प्रांतों के लिए भी विधान परिषदें बनाई गई। इन प्रांतीय विधान परिषदों के अधिकार केंद्रीय विधान परिषद् के अधिकारों से भी अधिक संचित थे। केंद्रीय विधान परिषद् को 'इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल' कहा जाता था।

प्र.2 इंडियन काउंसिल एक्ट सन् 1892 ई0 में मुख्य प्रासधान क्या थे?

उ. सन् 1892 ई0 में इंडियन काउंसिल एक्ट पारित हुआ जिसे ब्रिटिश संसद ने पास किया था। इसके तहत केंद्रीय विधान परिषद् और प्रांतीय परिषदों के अतिरिक्त सदस्यों की संख्या बढ़ा दी गई। इस कानून ने कुछ सदस्यों को अप्रत्यक्ष रूप से चुन लेने की भी मंजूरी दे दी। परंतु अभी जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों व्यवस्था नहीं की गई थी। काउंसिलों में सरकारी सदस्यों का ही बहुतम था। विधान परिषदों को कुछ अधिक अधिकार दिए गए। सदस्यों को प्रश्न पूछने और बंजर पर चर्चा करने के अधिकार दिए गए।

विधान परिषदों की स्थापना के बावजूद भारत सरकार व्यवहार में निरंकुश बनी रही। उसका मुख्य उद्देश्य भारत में ब्रिटेन के आर्थिक तथा राजनीतिक हितों की रक्षा करना था।

प्र.3 सन् 1857 ई0 के पश्चात् अंग्रेजों के वित्तीय प्रशासन का विवरण दीजिए।

उ. सन् 1860 ई0 में बजट की व्यवस्था आरंभ की गई और प्रत्येक स्त्रोत से होने वाली अनुमानित आय का ब्यौरा तैयार किया गया। कुछ समय बाद केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के बीच आय के वितरण के बारे में भी निर्णय लिया गया। डाकघरों, रेलवे, अफीम तथा नमक की ब्रिकी और चुँगी से होने वाली आय को पूर्णतः केंद्रीय सरकार के लिए सुरक्षित रखा गया। भू-राजस्व, आबकारी आदि स्त्रोंतों से होने वाली आय को केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के बीच बाँटा गया। सरकार ने राजस्व में वृद्धि करने के प्रयास किए। अफीम तथा नमक उत्पादन और ब्रिकी पर सरकार का एकाधिकार था। अदालतों में मुकदमा चलाने के मुद्रांक शुल्क नाम कर लगाया गया। व्यापारिक लेन-देन पर ऐसे ही मुद्रांक शुल्क लगाए गए।

प्र.4 अंग्रेजी सेना का पुनर्गठन करके सेना में क्या परिवर्तन लाए गए और ऐसा क्यों किया गया?

उ. सन् 1857 ई0 के विद्रोह में भारतीय सैनिकों ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। वैसा विद्रोह पुनः न हो, इसलिए सेना का पुनर्गठन किया गया। पहले बंगाल, मद्रास और बंबई प्रांतों की अपनी अलग-अलग सेनाएँ थी। प्रत्येक प्रांत की सेना में भारतीय सैनिक कंपनी द्वारा भरती किए। यूरोपीय सैनिकों की टुकड़ियाँ तथा ब्रिटिश सैनिकों की रेजिमेंट्स होती थीं। सन् 1858 ई0 के बाद यूरोपीय सैनिकों और ब्रिटिश सेना की इकाइयों को मिला दिया गया। सन् 1859 ई0 में प्रांतों की पृथक् सेनाओं का एकीकरण किया गया और भारत में ब्रिटिश सरकार की समूची सेना को एक सेनाध्यक्ष के नियंत्रण में लाया गया। भारतीय सैनिकों को तोपखाने और शास्त्रागारों से अलग रखने का निर्णय लिया गया। सेना में सभी अफसर अंग्रेज ही होते थे।

प्र.5 अंग्रेजों की 'फूट डालो और शासन करो' की नीति का मूल्यांकन कीजिए।

उ. फूट डालों और शासन करों की नीति :- अपनी स्थिति को और सुदृढ़ करने के लिए अंग्रेजों ने फूट डालों और शासन करो की नीति अपनाई विभिन्न इलाकों जातियों या कबीलों के सैनिकों की कंपनियों को मिलाकर 'रेजिमेंट' का गठन किया गया। उद्देश्य यह था कि यदि एक कंपनी विद्रोह करे तो उसे कुचलने के लिए दूसरी कंपनियों का इस्तेमाल किया जा सके। भारतीयों को दो वर्गों में बाँटा गया - एक वर्ग वीर लड़ाकों का और दूसरा उनका जो वीर लड़ाके नहीं थे। अधिकतर इन तथाकथित वीर जातियोंके लोगों को ही सेना में भरती किया जाता था। भारतीय जनता में फूट डालने के लिए यह नीति अपनाई गई थी।

विद्रोह के तुरंत बाद अंग्रेजों ने हिंदू और मुसलमानों के बीच फूट डालने का प्रयास किया क्योंकि उन्होंने सन् 1857 ई0 के विद्रोह में हिंदू-मूस्लिम एकता को देखा था तथा वे जानते थे कि भारत पर अपना शासन सुदृढ़ रखने के लिए हिंदू और मुसलमानों में फूट डालना आवश्यक है।

प्र.6 यह आप कैसे कह सकते हैं कि भारत में ब्रिटिश सरकार प्रभुसत्त के विद्धांत पर आधरित थी? इस सिद्धांत ने किस प्रकार स्वतंत्रता संघर्ष का मार्ग प्रशस्त किया?

उ. सन् 1857 ई0 के पश्चात् भारत दो भागों में विभाजित था - ब्रिटिश भारत जिस पर ब्रिटिश सरकार का प्रत्यक्ष नियंत्रण था तथा भारतीय रियासतों को यह आश्वासन दिया गया था कि उन्हें अंग्रेजी साम्राज्य में नहीं मिलाया जाएगा। परंतु वे भी ब्रिटिश सरकार के ही अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण में थी। भारतीय राज्यों को 'प्रभुसत्ता के सिद्धांत के अंतर्गत ब्रिटिश सरकार के अधीन रखा गया इसके अनुसार भारत में ब्रिटिश सत्ता सर्वोच्च थी। भारत में ब्रिटिश प्रभुसत्ता सन् 1876 ई0 के एक एक्ट में स्पष्ट रूप से व्यक्त की गई थी।

भारत में ब्रिटिश सरकार की प्रभुसत्ता कायम हो जाने पर भारतीय राजाओं की शक्ति और हैसियत घट गई। ब्रिटिश भारत के लोग अंग्रेजों में इन राजाओं तथा जमींदारों के समर्थन से अपना शासन मजबूत किया। बाद में जब राष्ट्रीय आंदोलन आरंभ हुआ, उन्होंने ऐसे दलों को प्रोत्साहित किया जो धार्मिक आधार पर बनाए गए। इस प्रकार हिंदू-मुस्लिम एकता को कमजोर करने का प्रयास किया।

उसी समय एक शक्तिशाली सामाजिक और धार्मिक आंदोलन आरंभ हुआ जिसने लोगों में राष्ट्रीयता की भावना जाग्रत की।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. केंद्रीय विधान परिषद् को *इंपीरियल* लेजिस्लेटिव काऊंसिल कहा जाता था।
2. इंडियन आऊंसिल एक्ट *1882* ई0 में पास हुआ।
3. सन् 1857 ई0 के पश्चात् शहरों में *नगर पालिकाएँ* स्थापित होना आरंभ हो गई।
4. सन् 1882 ई0 के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में *जिला बोर्ड* की स्थापना हुई।
5. ब्रिटिश रकार का *अफ़ीम* तथा *नमक* के उत्पादन पर एकाधिकार था।
6. इल्बर्ट बिल *1883* ई0 में *लार्ड रिपन गर्वनर* के द्वारा पारित किया गया।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. गवर्नर जनरल को कार्यकारिणी परिषद् के निर्णय को मानना पड़ता था। (✗)
2. ब्रिटिश सरकार ने सूती वस्त्र पर सीमा शुल्क समाप्त कर दिया ताकि भारतीय बाजारों में इसकी कीमत कम होने से इसकी मांग बड़ सके। (✗)
3. ब्रिटिश सरकार ने सेना का पुनर्गठन इसलिए किया ताकि सन् 1857 ई0 के विद्रोह जैसा विद्रोह फिर न हो सके। (✓)
4. भरतीय रियासतों के राजाओं ने ब्रिटिश शासन का पूर्णतया विरोध किया। (✗)
5. अंग्रेजों ने हिंदू-मुसलमानों में एकता लाने का प्रयास किया। (✗)
6. डाकखानों और रेलवे से होने वाली आय को पूरी तरह से केंद्र सरकार ही रखती। (✓)

8. भारतीय राष्ट्रवाद का उदय

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 सर सैय्यद अहमद खाँ और देवबंद में स्थापित मुस्लिम धार्मिक शिक्षण केंद्र की विचारधारा में क्या अंतर था?

उ. सर सैय्यद अहमद खाँ मुसलमानों में अंग्रेजी शिक्षा के प्रचार में जुड़े हुए थे और ब्रिटिश शासन के प्रति वफादार बने हुए थे। जबकि देवबंद में एक धामिक शिक्षण संस्थान की स्थापना हुई। इस संस्थान ने धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों में स्वतंत्र प्रेम और ब्रिटिश शासन के प्रति विद्रोह की भावना जाग्रत की।

प्र.2 कूका आंदोलन किसने आरंभ किया? इस आंदोलन को अंग्रेजों ने कैसे कुचला?

उ. सिखों के गुरू राम सिंह ने एक नया आंदोलन चलाया, जिसे कूका आंदोलन कहते हैं। कूकाओ ने ब्रिटिश शासन के विरूद्य हथियार उठाए परंतु उसे सन् 1872 ई0 में क्रूरता से कुचल दिया गया। कई कूका विद्रोहियों को फाँसी दे दी गई। उनमें से कुछ को तोप के मुँह के साथ बाँध कर उड़ा दिया गया।

प्र.3 बिरसा मुंडा कौन थे?

उ. बिहार के छोटा नागपुर क्षेत्र में मुंडा आदिवासियों ने 1890 के दशक में विद्रोह किया। बिरसा मुंडा ने उनका नेतृत्व किया।

प्र.4 उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में कई राजनीतिक सभाओं की स्थापना क्यों की गई?

उ. राजनीतिक सभाओं का उद्देश्य ब्रिटिश नीतियों के विरूद्ध आवाज उठाना था।

प्र.5 लार्ड लिट्टन द्वारा पारित किन दो एक्टो ने शिक्षित भारतीयों को निराश किया?

उ. एक अखिल भारतीय एसोएिशन तब स्थापित हुई जब शिक्षित भारतीयों में वायसराय लार्ड लिट्टन तथा लार्ड रिपन के समय में कुछ घटनाओं के कारण निराशा उत्पन्न हुई। सन् 1876 ई0 में कलकत्ता में इंडियन एसोएिशन की स्थापना हुई।

प्र.6 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस किस प्रकार स्थापित हुई? इसकी स्थापना में किसने अहम् भूमिका निभाई? इसका पहला अधिवेशन कब और कहाँ हुआ?

उ. देश के सभी प्रांतों से आए 72 प्रतिनिधियों का बंबई में 1885 ई0 में 28 से 30 दिसंबर तक एक सम्मेलन हुआ। उसी के साथ भारतीय कांग्रेस की स्थापना हुई। कांग्रेस की स्थापना में भारत के एक अवकाश प्राप्त ब्रिटिश अफसर ऐलन ओक्टेवियन ह्यूम ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। बंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कालेज में आयोजित कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन हुआ।

प्र.7 दादा भाई नौरोजी के विषय में एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उ. कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन की अध्यक्षता दादा भाई नौरोजी ने की। वे कांग्रेस के तीन बार अध्यक्ष बनें। वे बीस साल तक कांग्रेस के प्रसिद्ध नेताओं में से एक थे। ब्रिटिश संसद के लिए भी उनका निर्वाचन हुआ और ब्रिटिश संसद में उन्होंने भारत के हितों की मांग उठाई। वे एक ऐसे आरंभिक नेता थे जिनका मत था कि भारतीय जनता का दारिद्य अंग्रेजों द्वारा भारत के शोषण और भारत के धन को इंग्लैंड ले जान का परिणाम है। उन्हें भारत के, पितामह के रूप में जाना जाता है।

प्र.8 कांग्रेस के इतिहास में कौन-सा काल नरम दल के नेताओं का काल कहा जाता है और क्यों?

उ. कांग्रेस के प्रारंभिक 20 वर्ष आमतौर पर नरम दौर के नाम से जाने जाते हैं। इस काल में कांग्रेस ने धीरे-धीरे सुधार लागू करने और सरकार प्रशासन में भारतीयों को अधिकाधिक स्थान देने की माँग उठाई।

प्र.9 कांग्रेस के किन्हीं पाँच नरमदल के नेताओं के नाम लिखिए।

उ. दादा भाई नौरोजी, सुरेंद्रनाथ बनर्जी, सुब्रह्मणय अय्यर, फीरोजशाह मेहता, गोपाल-कृष्ण गोखले।

प्र.10 कांग्रेस में उग्रवादी प्रवृत्तियों का जन्म क्यों हुआ?

उ. 1905 ई0 में राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में एक नया दौर आरंभ हुआ। अब यह एक जन आंदोलन बन गया। ये नेता ब्रिटिश सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कड़े कदम उठाना चाहते थे। उन्हें उग्रवादी या गरमदल कहा

जाता है।

प्र.11 कांग्रेस के तीन प्रमुख उग्रवादी नेता कौन थे? उनकी मुख्य माँग क्या थी?

उ. कांग्रेस के उग्रवादी तीन नेता थे - बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय तथा विपिन चंद्रपाल तिलक ने प्रसिद्ध नारा दिया 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा'।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 1857 ई0 के बाद हुए विभिन्न सशस्त्र विद्रोहो का वर्णन कीजिए।

उ. सन् 1857 ई0 के बाद कई किसान विद्रोह भी हुए। बंगाल के नीलहों द्वारा भी विद्रोह हुआ। बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में अन्य किसान विद्रोह भी हुए। देश के विभिन्न भागों में आदिवासियों ने भी विद्रोह किए। 1879-80 ई0 में और पुनः 1866 ई0 में आंध्र प्रदेश में रम्ण विद्रोह हुआ। यह विद्रोह न केवल ब्रिटिश शासन के विरूद्य था बल्कि जमींदारों तथा महाजनों के शोषण के विरूद्ध भी था। बिहार के छोटा नागपुर क्षेत्र में मुंडा आदिवासियों ने 1890 के दशक में विद्रोह किया। विरसा मुंडा ने उसका नेतृत्व किया। सन् 1900 ई0 में इस विद्रोह को कुचल दिया गया। विरसा मुंडा को पकड़कर जेल में डाल दिया गया। जहाँ जल्दी ही उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है शायद उनको जहर दिया गया था। मणिपुर में ब्रिटिश विरोधी विद्रोह का नेतृत्व तिकेंद्रजीत ने किया। उस विद्रोह को कुचल दिया गया और तिकेंन्द्रजीत को फाँसी दी गई। महाराष्ट्र में वासुदेव बलवंत फड़के ने सन् 1879 ई0 में अंग्रेजो के विरूद्ध विद्रोह का संगठन किया। परंतु यह विद्रोह अधिक नहीं चला। फड़के को पकड़ लिया गया और आजीवन कारावास की सजा दी गई।

सन् 1857 ई0 के बाद के काल में देश के विभिन्न भागों में और भी कई सशस्त्र विद्रोह हए। ये विद्रोह ब्रिटिश शासन के खिलाफ देश में व्याप्त गहरे असंतोष के सूचक थे। परंतु ये स्थानीय विद्रोह थे, इसलिए भारत में ब्रिटिश शासन के लिए बड़ा खतरा नहीं बनें।

प्र.2 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना से पूर्व बनाई गई विभिन्न राजनीतिक सभाओं का वर्णन कीजिए।

उ. उन्नीसवीं सदी के मध्यकाल के आस-पास भारतीयों की राजनीतिक सभाएँ स्थापित होने लगी। इनकी स्थापना कलकत्ता, बंबई तथा मद्रास जैसे प्रांतीय नगरों में हुई। सन् 1851 ई0 में कलकत्ता में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना हुई। सन् 1852 ई0 में बंबई एसोसिएशन की स्थापना हुई। सन् 1852 ई0 में ही मद्रास नेटिव एसोसिएशन की स्थापना हुई। इन सभाओं का उद्देश्य ब्रिटिश नीतियों के विरूद्ध आवाज उठाना था। सन् 1866 ई0 में दादा भाई नौरोजी ने इंग्लैंड में ईस्ट इंडिया एसोसिएशन की स्थापना में मदद की, जिससे वहाँ की जनता का भारत के पक्ष में अपना मन बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके। सन् 1870 ई0 में एम0 जी0 रानाडे, गोपाल कृष्ण गोखले और उनके अन्य सहयोगियों ने पूना सार्वजनिक सभा स्थापित की। ये सब सभाएँ स्थानीय सभाएँ थी और ये अपनी गतिविधियाँ पूरे देश में नहीं फैला सकीं। एक अखिल भारतीय एसोसिएशन तब स्थापित हुई जब शिक्षित भारतीयों को वायसराय लोर्ड लिट्टन तथा लार्ड रिपन के समय में हुई कुछ घटनाओं के कारण निराशा उत्पन्न हुई। सन् 1876 ई0 में कलकत्ता में इंडियन एसोसिएशन की स्थापना हुई।

प्र.3 कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष उमेशचंद्र बनर्जी द्वारा घोषित कांग्रेस के उद्देश्य क्या थे?

उ. कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष उमेश चंद्र बनर्जी थे। उनके द्वारा घोषित कांग्रेस के उद्देश्य थे - देश के विभिन्न भागों के नेताओं को एकजुट करना, जाति, धर्म तथा क्षेत्र से संबंधित सभी भेदभावों को दूर करना, देश क समस्याओं पर विचार-विमर्श करना और निर्णय करना कि भारतीय नेताओं को कौन-से कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस ने नौ प्रस्ताव पास किए जिनमें ब्रिटिश नीति में परिवर्तन करने और प्रशासन में सुधार करने की माँग की गई।

प्र.4 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नरमदल के नेताओं की मुख्य माँगे क्या थी?

उ. इस काल में कांग्रेस ने धीरे-धीरे सुधार लागू करने और सरकार तथा प्रशासन में भारतीयों को अधिकाधिक स्थान देने की माँग उठाई। कांग्रेस ने यह भी माँग उठाई कि जिन प्रांतों में विधान सभाएँ नहीं हैं वहाँ इनकी स्थापना की जाए और सिविल सर्विस की परीक्षाएँ भारत में भी हो ताकि योग्य भारतीय इन सेवाओं के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें। उन्होंने यह भी माँग उठाई कि भरतीयों को उच्च सरकारी पदों पर भरती किया जाए।

उन्होंने विधान सभाओं को अधिक अधिकार देने और इन सभाओं के सदस्यों को निर्धारित करके विधान

सभाओं, प्रतिनिधि संस्थाएँ बनाने की माँग उठाई। उन्होंने यह भी माँग उठाई कि भू-राजस्व में कमी की जाए और भारतीय उद्योगों के विकास के लिए सरकार की आर्थिक नीतियों में परिवर्तन किया जाए। उनकी अन्य प्रमुख माँगें-विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जनता की भलाई के कार्यक्रमों का विस्तार तथा शिक्षा का विस्तार थीं।

प्र.5 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में नई प्रवृत्तियों का उदय क्यों हुआ? लार्ड कर्जन की नीतियों ने इन नई प्रवृत्तियों को उभारने में क्या भूमिका निभाई?

उ. लार्ड कर्जन ने, जो 1898 ई0 में गर्वनर जनरल बना, खुलेआम यह कहा कि भारतीय उच्च पद प्राप्त करने के योग्य नहीं थे। उसने कांग्रेस का विनाश ही अपना लक्ष्य कहा। उसने इस उद्देश्य के लिए 'फूट डालो और शासन करो' की नीति अपनाई। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम जो उसने उठाया, वह बंगाल का विभाजन था, परंतु इसका प्रभाव उसने सोचा था, उसके विपरीत हुआ।

उन्नीसवी सदी के अंतिम दशक में राष्ट्रीय आंदोलन में नई प्रवृत्तियाँ उभरने लगी। नए नेताओं ने कांग्रेस की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार से भलाई की आशा रखने के स्थान पर जनता को अपने बल पर विश्वास करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन में सुधारों की माँग करना पर्याप्त नहीं है। भारतीय जनता का उद्देश्य स्वराज्य प्राप्त करना होना चाहिए।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	इंडियन एसोसिएशन के सस्थापक	:	सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
2.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष	:	उमेश चंद्र बनर्जी
3.	कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन के अध्यक्ष	:	दादा भाई नौरोजी
4.	सेवानिवृत्त भारत में ब्रिटिश अधिकारी जिन्होंने कांग्रेस की स्थापना में अहम् भूमिका निभाई	:	ए0 ओ0 ह्यूम
5.	'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, मैं इसे लेकर रहूँगा।' नारा देने वाले नेता	:	बाल गंगधर तिलक

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन कलकत्ता में हुआ। (✗)
2. दादा भाई नौरोजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नरम दल के नेता थे। (✓)
3. वर्नाकुलर प्रेस एक्ट लार्ड कर्जन द्वारा पारित किया गया था। (✗)
4. अंग्रेजकों का दृष्टिकोण नरमदल के नेताओं की माँगों के3 प्रति सदैव सहानुभूतिपूर्ण रहा। (✗)
5. तिकेंद्रजीत ने मणिपुर के विद्रोह का नेतृत्व किया। (✓)
6. केसरी समाचार-पत्र का प्रकाशन दादा भाई नौरोजी द्वारा आरंभ किया। (✗)
7. लाला लाजपत राय एक उग्रवादी नेता थे। (✓)
8. देवबंद में मुस्लिम धार्मिक शिक्षण संस्थान ने अपने विद्यार्थियों में अंग्रेजों के पक्ष में भावनाएँ जाग्रत की। (✗)

9. स्वराज्य के लिए संघर्ष

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 बंगाल के विभाजन का राष्ट्रीय आंदोलन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उ. विभाजन के कारण सारे बंगाल में रोष की लहर दौड़ गई। विभिन्न शहरों में बड़ी सभाएँ और जबरदस्त प्रदर्शन हुए। गरमदल और नरमदल के नेताओं ने मिलकर इस आंदोलन का नेतृत्व किया।

प्र.2 स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलनों से आप क्या समझते हैं?

उ. स्वराज का मतलब था ब्रिटेन के कनाड़ा और आँस्ट्रेलिया जैसे स्वशासित उपनिवेशों की तरह सरकार स्थापित करना।

प्र.3 1906 ई0 के कांग्रेस अधिवेशन की क्या प्रमुख विशेषताएँ थीं?

उ. कलकत्ता में 1906 ई0 में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन के समय भी गरमदल और नरमदल के बीच मतभेद

बढ़ते जा रहे थे। दादा भाई नौरोजी इस अधिवेशन के अध्यक्ष थे। इस अधिवेशन में कांग्रेस ने बहिष्कार और स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया।

प्र.4 1907 ई0 में सूरत में हुए कांग्रेस अधिवेशन में नरमदल और गरमदल के बीच दरार पड़ने का क्या परिणाम हुआ?

उ. सूरत में 1907 ई0 में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में दोनों दलों में संघर्ष हुआ। कांग्रेस पर नरमदल वालों का पूरा कब्जा हो गया। गरमदल कांग्रेस से अलग होकर काम करने लगे।

प्र.5 1911 ई0 में दिल्ली में हुए दरबार में क्या दो प्रमुख घोषणाएँ की गई?

उ. सन् 1911 ई0 में दिल्ली में एक दरबार लगा। उसमें ब्रिटेन राजा जॉर्ज पंचम और उनकी रानी ने भाग लिया। इस अवसर पर दो महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गई। एक तो 1905 ई0 में किए गए बंगाल के विभाजन को रद्द किया गया और दूसरे भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित कर दी गई।

प्र.6 1916 ई0 के लखनऊ समझौते का क्या महत्व है?

उ. सन् 1916 इ0 का लखनऊ समझौता :- इस समझौते पर कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने हस्ताक्षर किए जल्दी से स्वराज्य प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर दोनों संगठन एकजुट हो गए।

प्र.7 अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के विरूद्ध गाँधी जी ने पहला संघर्ष क्या किया?

उ. गाँधी जी ने अपना पहला संघर्ष चंपारण से आरंभ किया। वे वहाँ गरीब किसानों को नील के बागानों के मालिकों के अत्याचारों से मुक्त कराने के लिए लड़े।

प्र.8 लोगों ने रौलेट एक्ट के विरूद्ध राष्ट्रीय अपमान दिवस क्यों मनाया?

उ. मार्च 1916 ई0 में रौलेट एक्ट पास हुआ। इस कानून के जरिए सरकार को किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए जेल में डाल देने का अधिकार मिल गया। इस एक्ट के कारण लोगों का रोष बढ़ गया। गाँधी जी ने देशव्यापी विद्रोह करने को कहा। सारे देश में 6 अप्रैल, 1919 का दिन राष्ट्रीय अपमान दिवस के रूप में मनाया गया।

प्र.9 गाँधी जी ने असहयोग आंदोलन क्यों वापस ले लिया? लोग 13 अप्रैल, 1919 ई0 को जलियाँवाला में क्यों एकत्र हुए?

उ. 13 अप्रैल को इन नेताओं की गिरफ्तारी के विद्रोह में लोग अमृतसर में एक छोटे से बाग, जलियाँवाला बाग में एकत्र हुए। चौरी-चौरा का समाचार सुनने पर गाँधी जी ने हिंसात्मक रूप लेते देखकर असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 किन आधारों पर ब्रिटिश सरकार ने बंगाल का विभाजन किया? बंगाल के विभाजन ने राष्ट्रीय आंदोलन को किस प्रकार प्रभावित किया?

उ. राष्ट्रीय आंदोलन के लक्ष्यों और तरीकों को प्रभावित करने और बदलने में लार्ड कर्जन द्वारा बंगाल के विभाजन ने सबसे प्रभावकारी भूमिका अदा की। उस समय बंगाल भारत का सबसे बड़ा प्रांत था। उसमें संपूर्ण बिहार और उड़ीसा के हिस्से शामिल थे। उस समय बंगाल की आबादी 7 करोड़ 80 लाख थी। कई साल से बंगाल के विभाजन की बात चल रही थी। कहा जा रहा था कि इतने बड़े प्रांत के प्रशासन को संभालना कठिन है इसलिए इसका विभाजन आवश्यक है। परंतु बंगाल से गैर बंगाली क्षेत्रों को पृथक् करने के बजाय विभाजन के प्रस्ताव ने उस प्रांत से पूर्व बंगाल को पृथक् करने का सुझाव दिया गया। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय आंदोलन को कमजोर करना था क्योंकि नए प्रांत में मुसलमानों का बहुमत होगा, इसलिए यह उनके हित में होगा, ऐसी अंग्रेजों की धारणा थी। उन्होंने सोचा कि इससे वे मुसलमानों को राष्ट्रीय आंदोलन से अलग कर सकेंगे।

प्र.2 स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलनों ने भारतीय जनता में राष्ट्रयता की भावना कैसे जागृत की?

उ. स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन केवल बंगाल तक सीमित न रह कर देश के अन्य भागों में फैल गया। इससे सारे देश में राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हो गई। लोग झुंड बनाकर दुकानों पर जाते हैं और दुकानदारों से विदेशी समान न बेचने का अनुरोध करते। वे दुकानों के बाहर खड़े रहकर ग्राहकों से विदेशी समान न खरीदनें का आग्रह करते। सरकार ने आंदोलनकारियों के विरूध कठोर रवैया अपनाया।

प्र.3 मार्ले-मिंटो सुधारों के अंतर्गत क्या प्रमुख प्रावधान किए गए थे? राष्ट्रीय नेताओं ने इनकी निंदा क्यों की?

उ. सरकार ने एक ओर दमन की नीति को तीव्र बनाया तो दूसरी ओर नरम दल वालों को संतुष्ट करने की कोशिश की। इसी उद्देश्य से 1909 ई0 में इंडियन काऊंसिल एक्ट की घोषणा की गई इसे मार्ले-मिंटो सुधार के नाम से जाना जाता है। उस समय मार्ले भारत मंत्री थे और मिंटो भारत के वायसराय थे। इस एक्ट के अनुसार केंद्रीय तथा प्रांतीय विधान परिषदों में सदस्यों की संख्या बढ़ा दी गई। परंतु इन परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या कुल सदस्यों की संख्या के आधे से कम थी।

प्र.4 क्रांतिकारी कौन थे? उन्होंने ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने के लिए क्या तरीके अपनाए?

उ. क्रांतिकारी विचारों का प्रचार करने वाले क्रांतिकारी थे। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों तथा राष्ट्रीय आंदोलन की धीमी प्रगति से क्रांतिकारी विचारों वाले कुछ भारतीयों में निराशा उत्पन्न कर दी। ये लोग हिंसात्मक तरीकों से ब्रिटिश शासन को तुरंत उखाड़ फेंकना चाहते थे। उन्होंने अपनी गुप्त समितियाँ गठित की और अपने सदस्यों को गोला बारूद बनाने और हथियार चलाने का प्रशिक्षण देने लगे। ये संगठन महाराष्ट्र और बंगाल में अधिक सक्रिय थे। क्रांतिकारियों के दो महत्वपूर्ण संगठन थे - महाराष्ट्र में अभिनव भारत सोसायटी और बंगाल में अनुशीलन समिति।

भारतीय क्रांतिकारी संसार के अन्य भागों में भी सक्रिय थे। उन्होंने लंदन, पेरिस, बर्लिन और उत्तरी अमेरिका तथा एशिया में अपने केंद्र स्थापित किए। उन्होंने पत्र-पत्रिकाएँ निकाली और क्रांतिकारी विचारों का प्रचार किया। भारत के बाहर काम करने वाले कुछ क्रांतिकारी थे - श्याम जी कृष्ण वर्मा, मदाम भिकाजी कामा, एम0 बरकतुल्ला, वी0 पी0 एम।

प्र.5 किन परिस्थितियों में मुस्लिम लीग बनी?

उ. बंगाल के विभाजन का एक उद्देश्य हिंदू और मुसलमानों में फूट डालना था। इन परिस्थितियों में 1906 ई0 में अखित भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना हुई इसकी स्थापना में प्रमुख भूमिका मुसलमानों के एक संप्रदाय के प्रमुख आगा खाँ और ढाका के नवाब सलीमुल्ला ने अदा की। मुस्लिम लीग ने घोषणा की कि उसका लक्ष्य सरकार के प्रति वफादारी कायम रखना तथा मुसलमानों के हितों की रक्षा तथा वृद्धि करना है। इसकी स्थापना के समय इसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार के प्रति वफादार रहना था। परंतु इसने स्वशासन की प्राप्ति अपना उद्देश्य बनाया।

प्र.6 मांटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट और रौलेट-एक्ट ने राष्ट्रीय नेताओं में असंतोष क्यों पैदा किया?

उ. **मांटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट :-** जुलाई 1918 ई0 में मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट प्रकाशित हुई। मांटेग्यू भारत मंत्री और चेम्सफोर्ड वायसराय थे। इस रिपोर्ट में उन सुधारों का जिक्र था जिन्हें ब्रिटिश सरकार भारत में लागू करना चाहती थी। सैय्यद हसन इयाम की अध्यक्षता मं कांग्रेस का एक विशेष अधिवेशन बुलाया गया। इसमें प्रस्तावित सुधारों को निराशाजनक और असंतोषप्रद बताया गया और दावा किया गया कि भारतीय जनता उत्तरदायी सरकार को बनाने में समर्थ है।

रौलेट-एक्ट :- मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद एक और रिपोर्ट प्रकाशित हुई। यह रौलेट कमीशन की रिपोर्ट थी। इस रिपोर्ट में दमन के नए तरीके सुझाए गए। इस रिपोर्ट पर आधारित कानून ने देश के राजनीतिक माहौल को एकदम बदल दिया। भारत की आजादी के संघर्ष के इतिहास में एक नया दौर आरंभ हुआ।

प्र.7 खिलाफत और असहयोग आंदोलनों के क्या उद्देश्य थे। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए क्या तरीके अपनाए गए थे?

उ. सन् 1920 ई0 में पहले कांग्रेस के कलकत्ता में अपने विशिष्ट अधिवेशन में और फिर नागपुर में 1920 ई0 के अंत में आयोजित अपने नियमित अधिवेशन में गाँधी के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ संघर्ष की एक नई योजना स्वीकार की। इसे असहयोग आंदोलन का नाम दिया गया। इस आंदोलन का आरंभ ब्रिटिश सरकार द्वारा दी गई सर जैसी उपाधियों को त्यागने के साथ हुआ। इसके बाद विधान परिषदों का बहिष्कार आरंभ हुआ। जब परिषदों के लिए चुनाव हुए तो अधिकांश लोगों ने वोट डालने से इंनकार कर दिया। हजारों विद्यार्थियों और अध्यापकों ने स्कूल-कालेज छोड़ दिए। राष्ट्रवादियों ने दिल्ली में जामिया मिलिया और वाराणसी में काशी विद्यापीठ जैसी नई शिक्षण संस्थाएँ स्थापित कीं। लोगों ने अपनी सरकारी नौकरियाँ छोड़ दीं। वकीलों ने अदालतों

का बहिष्कार कर दिया। सारे देश में हड़तालें हुई और विदेश वस्तुओं की होली जलाई गई।

प्र.8 निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

अ. लखनऊ समझौता, ब. जलियाँवाला बाग हत्याकांड, स. होम रूल लीग।

उ. अ. लखनऊ समझौता :- 1916 ई0 का लखनऊ समझौता। इस समझौते पर कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने हस्ताक्षर किए। जल्दी से स्वराज्य प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर दोनों संगठन एक जुट हो गए। इस समझौते में कांग्रेस को विधान परिषदों में मुसलमानों के पृथक् प्रतिनिधित्व को स्वीकार कर लिया। एक सामूहिक उद्देश्य के लिए कांग्रेस और मुस्लिम लीग का एक जुट होना एक महत्वपूर्ण घटना थी।

ब. जलियाँवाला बाग हत्याकांड :- 10 अप्रैल, 1919 ई0 को दो राष्ट्रवादी नेताओं - डा0 सत्याल और डा0 सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार कर लिया गया। 13 अप्रैल को इन नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में लोग अमृतसर में एक छोटे से बाग जलियाँवाला बाग में एकत्र हुए। सभा शांतिपूर्ण थी। सभा में काफी संख्या में वृद्ध, पुरूष, स्त्रियाँ और बच्चे भी थे। तभी अचानक ब्रिटिश अफसर जनरल डायर अपने सैनिको को लेकर पार्क में पहुँचा। जनता को तितर-बितर होने की चेतावनी दिए बिना ही उसने अपने सैनिकों को गोली चलाने का आदेश दिया। सैनिकों ने 10 मिनट तक निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलाई और जब गोलियाँ समाप्त हो गई तो वे वहाँ से चले गए।

स. होम रूल लीग :- भारत में स्वशासन की स्थापना की माँग होने लगी। यह होम रूल के आंदोलन के नाम से प्रसिद्ध है। श्रीमती ऐनी बेसेंट और तिलक के नेतृत्व में होम रूल लीग की स्थापना हुई। ऐनी बेसेंट 1893 ई0 में भारत आई थीं और थियोसोफिकल सोसाइटी की नेता बनीं थी। होम रूल के आंदोलन में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख नेता थे - चित्तरंजन दास और मोतीलाल नेहरू।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	मुस्लिम लीग की स्थापना	:	आगा खाँ
2.	खिलाफत और असहयोग आंदोलन	:	अली बंधु
3.	जलियाँवाला बाग हत्याकांड	:	जनरल डायर
4.	बंगाल का विभाजन	:	लार्ड कर्जन
5.	1906 का अधिवेशन	:	दादा भाई नौरोजी
6.	होम रूल लीग	:	ऐनी बेसेंट

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. 1905 में बंगाल का विभाजन हिंदुओं और मुसलमानों में मतभेद पैदा करके राष्ट्रीय आंदोलन को कमजोर बनाने के उद्देश्य से किया गया। (✓)
2. गाँधी जी ने स्वदेशी आंदोलन 1905 ई0 में आरंभ किया। (✗)
3. 1907 ई0 के सूरत में हुए कांग्रेस अधिवेशन में नरमदल और गरमदल एकजुट हो गए। (✓)
4. अखिल भारतीय मुस्लिम ली की स्थापना 1916 ई0 में हुई थी। (✗)
5. होम रूल लीग की स्थापना प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हुई। (✗)
6. नरमदल और गरमदल भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में कभी एकजुट नहीं हुए। (✗)

10. राष्ट्रीय आंदोलन (1923-1939)

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 स्वराजियों और कांग्रेस के दूसरे वर्ग की विचारधारा में क्या मूलभूत अंतर था?

उ. असहयोग आंदोलन को वापस लेने के बाद कांग्रेस दो दलों में बँट गई। एक दल जिसका नेतृत्व चित्तरंजन दास, मोतीलाल नेहरू और विट्ठलभाई पटेल कर रहे थे, चाहता था कि कांग्रेस को चुनावों में भाग लेना चाहिए। दूसरा दल जिसका नेतृत्व चक्रवती राजगोपालाचार्य और राजेंद्र प्रसाद कर रहे थे, इस प्रस्ताव का विरोधी था कि कांग्रेस रचनात्मक कार्य में लगी रहे।

प्र.2 स्वराजियों ने कांग्रेस शासकों के लिए नीतियों और प्रस्तावों के लिए विधान सभाओं का समर्थन प्राप्त करना किस प्रकार लगभग असंभव कर दिया?

उ. स्वराजियों ने चुनावों में भाग लिया और केंद्रीय तथा प्रांतीय परिषदों में काफी संख्या में सीटें प्राप्त कीं। स्वराजियों ने ब्रिटिश विरोधी भावनाओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ब्रिटिश शासकों द्वारा प्रस्तुत उनकी नीतियों तथा प्रस्तावों के लिए परिषदों की सम्मति प्राप्त करना लगभग असंभव बना दिया।

प्र.3 कांग्रेस के रचनात्मक कार्यक्रम के प्रमुख घटक क्या थे?

उ. कांग्रेस के रचनात्मक कार्य के सबसे प्रमुख घटक थे - खादी का प्रचार, हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूत बनाना और अस्पृश्यता को दूर करना।

प्र.4 किसानों के आंदोलनों के दो मुख्य पहलू क्या थे?

उ. किसान आंदोलन के दो पहलू थे। एक पहलू था किसानों का आजादी के संघर्ष में शामिल हाने तथा दूसरा पहलू किसानों की शिकायतों से संबंधित था।

प्र.5 कौन-से प्रमुख नेता अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के अध्यक्ष बनें?

उ. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के नेता लाला लाजपत राय थे।

प्र.6 काकोरी षड़यंत्र क्या था?

उ. सन् 1925 ई0 में क्रांतिकारियों के एक दल ने हरर्दो से लखनऊ जा रहीएक रेल को काकोरी स्थान पर रोका और एक बक्से में बंद सरकारी खजाने को लूट लिया। इस घटना के बाद इसे काकोरी षड़यंत्र कहा जाता है।

प्र.7 साइमन कमीशन की नियुक्ति क्यों की गई थी? कांग्रेस ने साइमन कमीशन का बहिष्कार करने का निर्णय क्यों लिया?

उ. सन् 1927 ई0 में ब्रिटिश सरकार ने 1919 ई0 के इंडिया एकट के कामकाज की जाँच करने के लिए एक कमीशन नियुक्त किया गया। इस कमीशन के सभी सदस्य अंग्रेज थे। उसमें एक भी भारतीय शामिल नहीं किया गया था। सरकार ने स्वराज की माँग करने में कोई रूचि नहीं दिखाई। अधिवेशन ने कमीशन का बहिष्कार करने का निर्णय लिया।

प्र.8 कांग्रेस के दिसम्बर 1929 ई0 में अधिवेशन का क्या महत्व है?

उ. 1929 ई0 में कांग्रेस का अधिवेशन लाहौर में हुआ, जिसके अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू थे। इस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित किया गया क्योंकि स्वतंत्र उपनिवेश के स्वरूप की सरकार देने के लिए दिया गया एक साल का समय समाप्त हो गया था।

प्र.9 महात्मा गाँधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन कैसे आरंभ किया?

उ. गाँधी जी ने अपनी प्रसिद्ध डांडी यात्रा से सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया और 6 अप्रैल 1930 को समुद्र के पानी से नमक बनाकर कानून तोड़ा।

प्र.10 करॉंची में 1931 ई0 में हुए कांग्रेस अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के मुख्य प्रावधान क्या थे?

उ. सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान, सन् 1931 ई0 में करॉंची में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। यहाँ जवाहर लाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस द्वारा पेश प्रस्ताव पास हुआ। इसने कांग्रेस से राष्ट्रीय कार्यक्रम का क्षेत्र बड़ा दिया। इसके अंर्तगत मौलिक अधिकार और एक राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम जिनमें आर्थिक योजनाएँ बनाना, भूमि सुधारना, भारी उद्योग स्थापित करना तथा प्रारंभिक शिक्षा का विकास सम्मिलित किए गए।

प्र.11 गाँधी जी ने दूसरी गोल मेज परिषद् में भाग क्यों लिया?

उ. 1931 ई0 में दूसरी गोल मेज परिषद् में भाग लिया। परंतु अंग्रेजों ने भारत को स्वतंत्र उपनिवेश का दर्जा देने से मना कर दिया। अतः गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन फिर शुरू कर दिया।

प्र.12 1937 ठ0 में प्रांतीय विधान सभाओं के लिए चुनावों के क्या परिणाम हुए?

उ. 1937 ई0 में चुनावों में कांग्रेस भारी मतों से जीती। उसने 11 प्रांतों में से 7 प्रांतों में अपनी सरकारे बनाई।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 असहयोग आंदोलन के वापस लेने के तुंरत बाद कांग्रेस की मुख्य गतिविधियाँ क्या थीं? उस समय के कुछ प्रमुख राष्ट्रवादी नेताओं के नाम भी लिखिए।

उ. असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने से क्रांतिकारी विचारों वाले भारतीयों में निराशा उत्पन्न हो गई। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के कार्यकर्त्ताओं ने सरकारी खजानों तथा शस्त्रागारों को लूटना आरंभ कर दिया। जिससे ये क्रांतिकारी अपनी गतिविधियों के लिए धन एवं शास्त्र हासिल कर सकें। सन् 1925 ई0 में क्रांतिकारियों के एक दल ने हरदोई से लखनऊ जा रही एक रेल को काकोरी स्थान पर रोका और एक बक्से में बंद खजाने को लूट लिया। इस घटना के बाद जिसे काकोरी कांड कहा जाता है। कई क्रांतिकारियों को पकड़ा गया और षड़यंत्र केस के अंर्तगत उन पर मुकदमा चलाया गया। उनमें से चार रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिरी को फाँसी दे दी। दूसरों को लम्बे कारावास की सजा दी गई। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी रख दिया।

प्र.2 असहयोग आंदोलन के अचानक वापस लिए जाने के बाद हुई क्रांतिकारी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण लिखिए।

उ. असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने से क्रांतिकारी विचारों वाले भारतीयों में निराशा उत्पन्न हो गई। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के कार्यकर्त्ताओं ने सरकारी खजानों तथा शस्त्रागारों को लूटना आरंभ कर दिया। जिससे ये क्रांतिकारी अपनी गतिविधियों के लिए धन एवं शास्त्र हासिल कर सकें। सन् 1925 ई0 में क्रांतिकारियों के एक दल ने हरदोई से लखनऊ जा रही एक रेल को काकोरी स्थान पर रोका और एक बक्से में बंद खजाने को लूट लिया। इस घटना के बाद जिसे काकोरी कांड कहा जाता है। कई क्रांतिकारियों को पकड़ा गया और षड़यंत्र केस के अंर्तगत उन पर मुकदमा चलाया गया। उनमें से चार रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खाँ, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिरी को फाँसी दे दी। दूसरों को लम्बे कारावास की सजा दी गई। हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी रख दिया।

प्र.3 किसानों और औद्यागिक मजदूरों के आंदोलन स्वतंत्रता संघर्ष का हिस्सा कैसे बनें?

उ. बीसवीं सदी के आंरभिक वर्षो में औद्योगिक मजदूरों ने भी अपने संगठन बनाने आरंभ कर दिए। सन् 1918 ई0 में स्थापित मद्रास लेबबर यूनियन, एक प्रमुख मजदूर संगठन था। सन् 1920 ई0 में मजदूरों के पहले अखिल भारतीय संगठन और इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना की गई। इसके प्रथम अधिवेशन के अध्यक्ष लाला लाजपत राय थे। किसानों के आंदोलन की तरह मजदूरों का यह आंदोलन भी राष्ट्रीय आंदोलन का एक प्रमुख अंग बन गया। मजदूरों के आंदोलन का प्रमुख लक्ष्य उनके जीवन स्तर को सुधारना था। चिंतरंजन दास, जवाहर लाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस जैसे शीर्ष नेता 'आल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस' के अध्यक्ष बने।

प्र.4 साइमन कमीशन क्या था? यह भारत कब पहुँच? भारतीयों में इसकी क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

उ. सन् 1927 ई0 में ब्रिटिश सरकार ने 1919 ई0 के इंड़िया एक्ट के कामकाज की जाँच करने के लिए एक कमीशन नियुक्त किया। इस कमीशन के अध्यक्ष जाँन साइमन थे, इसलिए इसे साइमन कमीशन के नाम से जाना जाता है।

कमीशन 3 फरवरी 1928 ई0 को भारत पहुँचा। इस दिन सारे देश में हड़ताल हुई। 'साइमन वापस जाओ' का नारा सारे देश में गूंज उठा। पुलिस ने दमन आरंभ कर दिया। हजारों लोग पीटे गए। प्रदर्शन के उसी दौर में पंजाब केसरी लाल लाजपत राज की पुलिस की पिटाई से मृत्यु हो गई। गोविंद वल्लभ पंत पुलिस की लाठियों की मार से अपंग हो गए।

प्र.5 सविनय अवज्ञा आंदोलन क्यों आरंभ किया गया? इस आंदोलन की प्रमुख गतिविधियाँ क्या थी?

उ. सन् 1930 ई0 में स्वाधीनता दिवस मनाने के बाद गाँधी जी के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ हुआ। यह आंदोलन गाँधी जी की प्रसिद्ध डाडी यात्रा से आरंभ हुआ। 12 मार्च 1930 ई0 को गाँधी जी ने अहमदाबाद मे अपने साबरमती आश्रम से आश्रम के अन्य 78 सदस्यों के साथ डांडी की ओर पैदल यात्रा आरंभ की। डांडी अहमदाबाद से करीब 385 किलोमीटर दूर भारत के पश्चिमी समुद्र तट पर है। गाँधी जी और उनके साथी 6 अप्रैल, 1930 का डांडी पहुँचे। गाँधी जी ने वहाँ समुद्र के पानी से नमक बनाकर कानून तोड़ा। चूँकि नमक

के उत्पादन पर सरकार का एकाधिकार था इसलिए किसी के लिए भी नमक बनाना गैर कानूनी था। नमक का तोड़ना सरकार के विरोध का प्रतीक बन गया। इससे सविनय अवज्ञा आंदोलन व्यापक रूप से फैला। ब्रिटिश कानूनों को तोड़ा गया। जो दुकानें विदेश सामान तथा शराब बेचती थीं, उन्हें लूटा गया, शिक्षण संस्थाओं, कचहरियों तथा दफ्तरों का बहिष्कार किया गया। किसानों ने भू-राजस्व देना बंद कर दिया।

प्र.6 गर्वमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 ई0 के मुख्य प्रावधान क्या थे? कांग्रेस का इस एक्ट के प्रति क्या दृष्टिकोण था?

उ. कांग्रेस ने यह घोषणा की थी कि केवल भारतीय ही यह निर्णय लेने में सक्षम हैं कि देश के लिए किस प्रकार का संविधान बनाया जाए। इसके लिए संवैधनिक सभा बनाने की माँग की थी। जिसके सदस्यों का चुनाव भारत की जनता करें। जिससे प्रत्येक व्यस्क भारतीय को मत देने का अधिकार हो। मगर ब्रिटिश सरकार ने इस माँग पर कोई ध्यान नहीं दिया और अगस्त 1935 ई0 में गर्वमेंट ऑफ इंडिया एक्ट की घेषणा की। इस एक्ट में भारतीय राज्यों का एक संघ बनाने का प्रस्ताव रखा गया परंतु यह संघ कभी नहीं बना क्योंकि कांग्रेस मुस्लिम लीग तथा रियासतों के राजाओं ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

इस एक्ट ने प्रांतों को कुछ स्वतंत्र अधिकार दिए। प्रांतीय विधान परिषदों को प्रांतीय विषयों पर कानून बनाने की अनुमति दे दी परंतु सरकार इन कानूनों को मानने के लिए बाध्य नहीं थी। सरकार को इसमें परिवर्तन करने का अधीकार था।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता का प्रस्ताव पारित किया	:	1929
2.	ब्रिटिश सरकार ने साइमन कमीशन नियुक्त किया	:	1927
3.	कांग्रेस ने प्रांतों में मंत्रिमंडल बनाए	:	1937
4.	गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया	:	1930
5.	ब्रिटिश सरकार ने गर्वमेट ऑफ इंडिया एक्ट की घोष्णा की	:	1935

प्र.घ रिक्त स्थनों की पूति कीजिए :-

उ.

1. वल्लभभाई पटेल ने भू-राजस्व में वृद्धि के विरूद्ध *बारदोली* के किसानों के संघर्ष का नेतृत्व किया।
2. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष *लाला लाजपत राय* थे।
3. *साडंर्स* को लाला लाजपत राय की मृत्यु के लिए जिम्मेदार समझा गया।
4. *सूर्यसेन* द्वारा संगठित क्रांतिकारियों ने चट्गाँव में पुलिस शस्त्रागार पर आक्रमण किया।
5. दो तरूण लड़कियों *प्रीतिलता वाडेदार* और *कल्पनादत्त* ने रिवेल्यूशनरी आर्मी में अहम् भूमिका निभाई।
6. पुलिस के साथ मुठभेड़ में इलाहाबाद के एक पार्क में गोली लगने से *चंद्रशेखर आजाद* की मृत्यु हो गई।
7. 8 अप्रैल 1929 ई0 को *भगत सिंह* और *बटुकेश्वर दत्त* ने केंद्रीय परिषद् में दो बम फेंके।
8. *26 जनवरी* का दिवस पूर्ण स्वराज का दिवस निश्चित किया गया था।

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. गाँधी जी ने पहली गोल मेज परिषद् में भाग लिया। (✗)
2. 1937 ई0 के चुनावों में कांग्रेस ने भारी मतो से जीत हासिल की। (✓)
3. चरखा स्वतंत्रता संघर्ष का प्रतीक बन गया। (✓)
4. खान अब्दुल गफ्फार खाँ सीमांत गाँधी के नाम से लोकप्रिय हुए। (✓)
5. कुछ भारतीयों को साइमन कमीशन में सम्मिलित किया गया। (✗)
6. राष्ट्रीय आंदोलन के अधिकतर नेताओं ने क्रांतिकारी गतिविधियों का विरोध किया। (✓)
7. ब्रिटिश सरकार भारत को स्वतंत्र उपनिवेश का दर्जा देनेके लिए सहमत हो गई। (✗)
8. भारत के लोगों ने बड़ी गर्म जोशी से साइमन कमीशन का स्वागत किया। (✗)

11. भारत का स्वतंत्रता प्राप्त करना

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 द्वितीय विश्वयुद्ध समाप्त होने के पश्चात् कांग्रेस ने ब्रिटिश सरकार से क्या वादा करने की माँग की? क्या ब्रिटिश सरकार इस माँग को मानने के लिए राजी हो गई?

उ. कांग्रेस ने यह माँग की कि भारत में तुरंत एक राष्ट्रवादी सरकार का गठन किया जाए और ब्रिटेन यह वादा करे कि युद्ध की समाप्ति पर भारत को स्वतंत्र कर दिया जाएगा परंतु ब्रिटिश सरकार ने इस माँग को मानने से इंकार कर दिया।

प्र.2 व्यक्तिगत सत्याग्रह कब और क्यों आरंभ किया गया? पहले सत्याग्रही कौन थे?

उ. कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता की माँग की और यह निर्णय लिया कि इसके लिए वह सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करेंगी। अक्टूबर 1940 ई0 में कांग्रेस ने व्यक्तिगत सत्याग्रह का आंदोलन शुरू कर दिया। इस आंदोलन के लिए चुने हुए पहले सत्याग्रही विनोबा भावे थे।

प्र.3 क्रिप्स मिशन भारत क्यों आया?

उ. जापानियों ने भारत के कुछ भागों पर हवाई हमले किए। उस समय एक ब्रिटिश मंत्री सम स्टेफोर्ड क्रिप्स भारतीय नेताओं से बातचीत करने भारत आए। इसे क्रिप्स मिशन कहा जाता है।

प्र.4 'भारत छोड़ो' आंदोलन कब और क्यों आरंभ किया गया?

उ. 8 अगस्त 1942 ई0 को गाँधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया। गाँधी जी ने अंहिसात्मक जन आंदोलन शुरू करने की स्वीकृति दे दी। गाँधी जी ने करो या मरो का नारा दिया। इस प्रयास में ,या तो आजाद होंगे या मर मिटेंगे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 'करो या मरो' और भारत छोड़ो का रणनाद हर जगह सुनाई देने लगा।

प्र.5 इंडियन नेशनल आर्मी क्यों बनाई गई? इसके बनने में कितने अहम् भूमिका अदा की?

उ. रासबिहारी बोस ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान में इंडियन इंडिपेडेंस लीग की स्थापना की । लींग ने भारत को आजाद करने के उद्देश्य भारतीय सैनिकों से, जो युद्ध में बंदी बना लिए गए थे, इंडियन नेशनल आर्मी बनाई। सुभाष चंद्र बोस ने इसका गठन किया।

प्र.6 कैबिनेट मिशन को भारत क्यों और कब भेजा गया?

उ. 1946 ई0 में भारतीय नेताओं के साथ सत्ता के अस्तांतरण के विषय में बातचीत करने के लिए कैबिनेट मिशन भारत आया। इसने अंतरिम सरकार बनाने अैर संविधान सभा बुलाने का प्रस्ताव रखा। जिसने दिसंबर 1946 ई0 में कार्य करना आरंभ किया।

प्र.7 लार्ड माऊंटबेन द्वारा विभाजन की घोषणा की भारत के लोगों पर क्या प्रतिक्रिया हुई?

उ. विभाजन की घोषणा से हिंदू और मुसलमानों के बीच व्यापक रूप से दंगे हुए। कुछ ही महीनों में लगभग 5 लाख हिंदू और मुसलमान मारे गए।

प्र.8 भारत के कौन-से भाग विभाजन के पश्चात् पाकिस्तान में सम्मिलित किए गए?

उ. भारत के विभाजन के पश्चात् पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल, सिंध और पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत को मिलाकर पाकिस्तान का पृथक् राज्य बना।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भारत को द्वितीय विश्वयुद्ध में खदेड़े जाने से कांग्रेस पर क्या प्रतिक्रिया हुई? भारत के लोगों को द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान क्या कष्ट भोगने पड़े?

उ. भारत को द्वितीय विश्वयुद्ध में खदेड़े जाने से नवम्बर 1939 ई0 में प्रांतों में जो कांग्रेस मंत्रिमंडल बने थे। उन्होंने इस्तीफा दे दिया। देश के विभिन्न भागों में हड़तालें एवं प्रदर्शन हुए। सरकार ने दमन का सहारा लिया। गोलियाँ चली, लाठीचार्ज हुए और सारे देश में गिरफ्तारियाँ हुई। गुस्से में आकर जनता भी हिंसा पर उतर आई। आंदोलन के बारे में समाचारों के प्रकाशन पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया। 1942 ई0 के अंत तक लगभग

60,000 लोग जेल में बंद हो गए और सैकड़ो की मृत्यु हो गई। मरने वालों में अनेक बच्चे, वृद्ध एवं महिलाएँ भी थीं। देश के कुछ भाग ब्रिटिश शासन से मुक्त हो गए और लोगों नेअपनी सरकारे बनाई। महायुद्ध के दौरान भारतीय जनता का भयंकर कष्ट झेलने पड़े। ब्रिटिश सेना और पुलिस ने तो यातनाएँ दी ही, बंगाल में भयंकर अकाल पड़ा। अकाल में करीब 30 लाख लोग मरे। भूखमरी के शिकार लोगों को राहत पहुँचाने में सरकार ने विशेष रूचि नहीं ली।

प्र.2 इंडियन नेशनल आर्मी क्यों बनाई गई थी? इसके गठन में कुछ प्रमुख नेतओं की भूमिका का वर्णन कीजिए। इसने भारत की स्वतंत्रता के लिए क्या कहा?

उ. क्रांतिकारी रासबिहारी बोस ने, जो भारत से बचकर भाग गए थे और जापान में रह रहे थे, दक्षिण पूर्वी एशिया में रह रहे भारतीयों के समर्थन में इंडियन इंडिपेडेंस लीग की स्थापना की। जापान द्वारा ब्रिटिश सेना के हजारों सैनिकों का कैदी बना दिया गया था। जब जापान ने ब्रिटिश सेना को हराकर दक्षिण पूर्वी एशिया के लगभग सभी देशों पर अधिकार कर लिया। लीग ने इंडियन नेशनल आर्मी बनाई जिसमें भारतीय सैनिकों को भरती किया गया जिन्हें युद्ध के दौरान कैदी बना लिया गया था। इसका उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराना था। जनरल मोहन सिंह ने जो अंग्रेजों की भारतीय सेना में एक अफसर थे, आजाद हिंद फौज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। सुभाष चंद्र बोस 1941 ई0 में भारत से भाग निकलने में सफल हुए थे। वे भारत की आजादी के लिए काम करने हेतु जर्मनी में पहुँच गए। 1943 ई0 में वे इंडियन इंडिपेंडेंस लीग का नेतृत्व करने और अजाद हिंद फौज का पुनर्निर्माण करने तथा इसे कार्यक्षम बनाने के लिए सिंगापुर पहुँचे।

21 अक्टूबर, 1943 ई0 को सुभाष चंद्र बोस ने, जो अब नेताजी के नाम से प्रसिद्ध हो गए, सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार की स्थापना की। जापान ने अंडमान द्वीपों पर कब्जा कर लिया था।

प्र.3 क्रिप्स मिशन क्यों असफल रहा? इसने भारतीय नेताओं के सम्मुख क्या प्रस्ताव रखे?

उ. सन् 1942 ई0 के आरंभ में युद्ध की स्थिति ने अंग्रेजों को भारतीय नेताओं से बातचीत के लिए विवश कर दिया। जापानी सेना ने दक्षिण-पूर्वी एशिया के कई देशों में ब्रिटिश सेना को भारी क्षति पहुँचाई थी। जापानियों ने भारत के कुछ भागों पर हवाई हमले भी किए। उसी समय एक ब्रिटिश मंत्री सर स्टेफोर्ड क्रिप्स भारतीय नेताओं से बातचीत करने भारत आए। इसे क्रिप्स मिशन कहा जाता है। लेकिन बातचीत असफल रही।

ब्रिटिश एक वास्तविक राष्ट्रीय सरकार की स्थापना को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुए। उन्होंने राजाओं के हितों को बढ़ावा देने की भी कोशिश की । उन्होंने संविधान सभा की माँग की तो स्वीकार कर लिया, मगर कहा कि राजाओं द्वारा नामजद प्रतिनिधि ही संविधान सभा में भाग लेंगे। रियासतों की जनता को संविधान सभा में प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा।

प्र.4 किन परिस्थितियों में भारत को स्वतंत्रता मिली?

उ. मुस्लिम लीग ने अलग राज्य पाकिस्तान की माँग पर जोर दिया। लार्ड माऊंटबेटन ने जो मार्च 1947 ई0 में नए वायसराय बनकर भारत आए, भारत को दो स्वतंत्र राज्यों भारत और पाकिस्तान में बाँटने की योजना प्रस्तुत की। विभाजन की घोषणा से हिंदू और मुसलमानों के बीच व्यापक रूप से दंगे हुए। कुछ ही महीनों में लगभग 5 लाख हिंदू और मुसलमान मारे गए। लाखों लोग बेघर हो गए। इस घटना के कारण गाँधी जी को बेहद दुःख हुआ, क्योंकि उन्होंने सदैव हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए प्रयास किए थे।

कांग्रेस शुरु से ही एकीकृत भारत के लिए प्रयास करती आ रही थी, परंतु अंत में उसने भारत के विभाजन को मान लिया, क्योंकि कांग्रेस ने महसूस किया कि आजादी प्राप्त करने के लिए और बिगड़ती स्थिति को रोकने के लिए विभाजन को स्वीकार करने के सिवा कोई विकल्प नहीं है।

15 अगस्त, 1947 ई0 को भारत स्वतंत्र हो गया। पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल, सिंघ और पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत को मिलाबकर पाकिस्तान का पृथक् राज्य बना।

जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। आधी रात को जब 15 अगस्त का दिन शुरु हुआ तो जवाहर लाल नेहरू के शब्दों में, भारत में जीवन और स्वतंत्रता का उदय हुआ।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ. 1. कांग्रेस ने व्यक्तिगत सत्याग्रह आरंभ किया : अक्टूबर 1940

2. कांग्रेस ने भारत छोड़ो आन्दोलन आरंभ किया : 1946
3. सुभाष चंद्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की : 21 अक्टूबर 1943
4. रायल इंडियन नेवी के सैनिकों ने विद्रोह किया : फरवरी 1946
5. कैबिनेट मिशन भारत भेजा गया : 8 अगस्त 1942
6. लार्ड माऊंटबेटन वायसराय बन कर भारत आए : मार्च 1947
7. इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट को कानूनी दर्जा मिला : 15 जुलाई 1947
8. भारत स्वतंत्र हुआ : 15 अगस्त 1947

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. करो या मरो का नारा *गाँधी जी* ने दिया था।
2. दिल्ली चलो का नारा *सुभाष चंद्र बोस* ने दिया था।
3. भारत संघ के प्रथम गर्वनर जनरल *सी0 राज गोपालाचारी* थे।
4. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री *जवाहर लाल नेहरू* थे।
5. भारत संघ के अंतिम गर्वनर जनरल *लार्ड माऊंटबेटन* थे।
6. *विनोब भावे* पहले सत्याग्रही थे।
7. आजाद हिंद फौज की महिला रेजिमेंट की सेनानायक *लक्ष्मी स्वामिनाथन* थीं।
8. द्वितीय विश्व युद्ध *1939* ई0 में आरंभ हुआ।

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् ब्रिटेन की शक्ति कम हो गई। (✓)
2. इंडियन नेशनल आर्मी के अधिकतर सैनिक युद्ध के दौरान हुए कैदी थे। (✓)
3. हिंदुस्तान और पाकिस्तान का विभाजन मुख्य रूप से भाषा के आधार पर हुआ। (✗)
4. विभाजन के पश्चात् अधिकतर रजवाड़ो ने पाकिस्तान में विलय की सहमति प्रकट की। (✗)
5. कांग्रेस के नेताओं ने भारत के विभाजन को सहर्ष स्वीकार कर लिया। (✗)
6. लार्ड माऊंटबेटन भारत के अंतिम वायसराय थे। (✓)

12. स्वतंत्रता के पश्चात् का भारत

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 स्वतंत्रता प्राप्ति के तुरंत बाद भारत को किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?

उ. स्वतंत्रता के पश्चात् भारत की सबसे बड़ी सामाजिक और आर्थिक समस्या लाखों शरणार्थियों को विस्थापित करना था, जो पाकिस्तान से आए थे।

प्र.2 स्वतंत्रता प्राप्ति तक कौन-सी तीन रियासतें भारत संघ में नहीं मिली थीं?

उ. जम्मू तथा कश्मीर, हैदराबाद, जूनागढ़।

प्र.3 कश्मीर का विलय कैसे हुआ?

उ. स्वतंत्रता के बाद कश्मीर पर पाकिस्तान ने हमला कर दिया। परंतु जम्मू तथा कश्मीर की जनता ने हमलावरों का डटकर मुकाबला किया। पाकिस्तानी हमलावरों को मार भगाने के लिए भारतीय सेना वहाँ भेजी गई। कश्मीर के महाराजा ने भारत में विलय का निर्णय लिया और जम्मू-कश्मीर भारत का अंग बन गया।

प्र.4 जूनागढ़ का भारत में विलय कैसे हुआ?

उ. जूनागढ़ का नवाब पाकिस्तान भाग गया। फरवरी सन् 1948 ई0 में जूनागढ़ की जनता ने भारत में विलय के पक्ष में मत दिया।

प्र.5 भारत सरकार ने हैदराबाद के निजाम पर भारत में विलय के लिए दबाव डालने के लिए क्या कदम उठाए?

उ. सितंबर सन् 1948 ई0 में भारतीय सैनिक सिकंदराबाद में घुसे और निजाम ने आत्मसमर्पण कर दिया। बाद

में हैदराबाद भी भारत में मिल गया।

प्र.6 गोवा पुर्तगाली शासन से कब और कैसे मुक्त हुआ?

उ. स्वतंत्रता के समय भारत में कुछ फ्रांसीसी और पुर्तगाली उपनिवेश थे। 1954 ई0 तक सभी फ्रांसीसी उपनिवेश भारत में मिला लिए गए। दिसंबर 1961 ई0 में भारतीय सेनाओं ने गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त करा दिया।

प्र.7 स्वतंत्रता के समय भारत के फ्रांसीसी उपनिवेशों के नाम लिखिए।

उ. फ्रांसीसी शासन के अंतर्गत पांडिचेरी, कराइकल, यनम, माहे तथा चंद्रनगर।

प्र.8 संविधान सभा ने संविधान बनाने का कार्य कब आरंभ किया? यह कार्य कब पूरा हुआ? भारत का संविधान कब लागू हुआ?

उ. संविधान सभा ने डा0 राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में व दिसंबर 1946 ई0 को नया संविधान बनाने का कार्य शुरू कर दिया। संविधान सभा ने 26 नवंम्बर 1946 ई0 को अपना कार्य पूरा किया। संविधान 26 जनवरी 1950 ई0 को लागू किया गया।

प्र.9 राज्य पुनर्गठन आयोग क्यों स्थापित किया गया? इस आयोग की सिफारिश के अनुसार भारत को कितने राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशें में विभाजित किया गया?

उ. भारत का विभिन्न प्रांतों में विभाजन किसी वैज्ञानिक आधार पर नहीं किया था। अतः किसी ठोस आधार पर भारतीय राज्यों का पुनर्गठन करना आवश्यक हो गया। इस कार्य को पूरा करने के लिए 1953 ई0 में राज्य पुनर्गठन आयोग की नियुक्ति की गई। उस समय देश 14 राज्यों और 6 केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया।

प्र.10 भारतीय सरकार ने हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी को सरकारी कामकाज की भाषा स्वतंत्रता के इतने वर्ष बाद भी क्यों चालू रखा है?

उ. भारत में अनेक क्षेत्रीय भाषाएँ हैं। 1965 ई0 तक अंग्रेजी को भी हिंदी के साथ-साथ सामान्य भाषा के रूप में प्रयोग करने का प्रावधान किया गया तथा इसके पश्चात् अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी का ही पूर्णतया सामान्य रूप से प्रयोग किए जाने का प्रावधान किया गया था। परंतु दक्षिणी राज्यों में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने के विरोध में हुए आंदोलनों के कारण अंग्रेजी को हिंदी के साथ-साथ अधिकृत भाषा के रूप में प्रयोग करने की अनुमति दे दी गई है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भारत सरकार द्वारा शरणार्थियों की समस्याओं को सुलझाने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण दीजिए।

उ. इन विस्थपित लोगों के लिए राहत शिविर खोले गए जहाँ उन्हें भोजन और आवास की सुविधएँ दी गई इसके पश्चात् इनके पुनर्वास के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम आरंभ किया गया। इन शरणार्थियों को खाली पड़े मकानों में रखा गया और शहरों में इनके लिए नई झोपड़ियाँ बनाई गई। विस्थापितों के लिए नई कालोनियाँ और नए शहर स्थापित किए गए। राज्य सरकारों द्वारा इन्हें व्यापार एवं उद्योग स्थापित करने के लिए ऋण दिए गए। शरणार्थियों के लिए व्यावसायिक शिक्षण संस्थान खोले गए। लाखों विस्थापितों को लाभकारी व्यवसायों में लगाया गया। शरणार्थी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति तथा फीस में रियायतें दी गई। नए शहरों में सरकार ने भी उद्योग स्थापित किए। किसानों को भूमि और ऋण दिए गए, जिससे वे अपना व्यवसाय आरंभ कर सकें। जिन्होंने पाकिस्तान के शहरों में अपनी अचल संपत्ति छोड़ी थी, उन्हें मुआवजा दिया गया। अधिकतर शरणार्थियों ने बहुत कठिन परिश्रम किया और अपनी दुकानें तथा छोटे उद्योग स्थापित किए जिससे वे अपनी जीविका अर्जित कर सके।

प्र.2 रजवाडे और फ्रांसीसी तथा पुर्तगाली उपनिवेशों का भारत में विलय किस प्रकार हुआ?

उ. जूनागढ़ का नवाब पाकिस्तान भाग गया। फरवरी सन् 1948 ई0 में जूनागढ़ की जनता ने भारत में विलय के पक्ष में मत दिया। फ्रांस के भारतीय उपनिवेशों में आजादी के लिए संघष्र काफी पहले शुरू हो गया था, परंतु दूसरे महायुद्ध के बाद यह संघर्ष अधिक तीव्र हो गया। सन् 1948 ई0 में माहे में विद्रोह हुआ और प्रशासन ने समर्पण कर दिया। सन् 1949 ई0 में चंद्रनगर भारत में मिल गया। सन् 1954 ई0 में फ्रांस द्वारा शासित क्षेत्रों की जनता में भारी बहुमत से भारत में मिलने का फैसला किया।

पुर्तगाली उपनिवेशों में सशस्त्र संघर्ष काफी पहले शुरू हो गया था और अठारवीं, उन्नीसवीं तथा बीसवीं सदियों में जारी रहा। गोवा में राष्ट्रीय आंदोलन के त्रिस्ताओं बगांजा कुन्हा थे। गोवा के अनेक स्वाधीनता सेनानियों को यातनाएँ दी गई और जेलों में ठूसा गया। सन् 1954 ई0 में स्वाधीनता सेनानियों ने दादरा और नागर हवेली को पुर्तगाली शासन से मुक्त किया। सन् 1955 ई0 में गोवा में एक सत्याग्रह आंदोलन शुरू हुआ। निहत्थे सत्याग्रहियों ने गोवा में प्रवेश किया। पुर्तगाली सैनिकों ने उन पर गोलियाँ चलाई और उनमें से कइयों को मार दिया। पुर्तगाल के शासन को उखाड़ फेंकने के गोवा के कुछ लोगों ने सशस्त्र दल बनाए। अंत में दिसंबर सन् 1961 ई0 में भारतीय सेना गोवा पहुँची और पुर्तगालियों ने समर्पण कर दिया। गोवा भारत का अंग बन गया। उसके साथ ही समूचा भारत स्वतंत्र हो गया।

प्र.3 स्वतंत्रता से अब तक विभिन्न राज्यों के गठन का विवरण दीजिए।

उ. किसी ठोस आधार पर भारतीय राज्यों का पुनर्गठन करना आवश्यक हो गया। इस कार्य को पूरा करने के लिए 1953 ई0 में राज्य पुनर्गठन आयोग की नियुक्ति की गई। इस आयोग ने 1955 ई0 में अपना कार्य पूरा किया उस समय पूरा देश 14 राज्यों और 6 केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। उसके पश्चात् इनमें बहुत से परिवर्तन किए गए हैं। बंबई को 1960 ई0 में बाँट दिया गया - महाराष्ट्र और गुजरात। 1961 ई0 में नांगालैंड अलग राज्य बना, 1966 ई0 में हरियाणा नया राज्य बना। 1975 ई0 में चार नए राज्य मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश बने। बाद में सिक्किम, गोवा, अरूणाचल प्रदेश और मिजोरम भी अलग-अलग राज्य बनें। इस शताब्दी के आरंभ में तीन नए राज्य उत्तरांचल (अब उत्तराखंड़), झारखंड और छत्तीसगढ़ जिन्हें क्रमशः उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश से प्रथक् किया गया था, बने। वर्तमान में भारत में 28 राज्य तथा 7 केंद्रशसित प्रदेश हैं।

प्र.4 भारत की भाषाई विविधता पर एक टिप्पणी लिखिए।

उ. भारत स्वतंत्र होने पर यह निर्णय लिया गया था कि हिंदी स्वतंत्र भारत की सामान्य भाषा होगी। परंतु भारत के संविधान ने आरंभ में 14 भाषाओं को भारत की अधिकृत भाषाएँ स्वीकार किया। ये भाषाएँ थीं -असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कश्मीरी, पंजाबी, संस्कृत, मराठी, कन्नड़, मलयालम, उड़िया, तमिल, तेलुगू एवं उर्दू। बाद में 1992 ई0 में 71वें संशोधन में तीन अन्य भाषाओं, नेपाली, मणिपुरी और कोंकणी, को अधिकृत भाषाएँ मान लिया गया। 2003 ई0 में संविधान के संशोधन में चार अन्य भाषाओं डोगरी, मैथिली, संथाली और बोड़ो को भी इस सूची में सम्मिलित कर लिया गया है। अब 22 भाषाओं को भारत की अधिकृत भाषाएँ मान लिया गया है। 1965 ई0 तक अंग्रेजी को भी हिंदी के साथ-साथ सामान्य भाषा के रूप में प्रयोग करने का प्रावधान किया गया तथा इसके पश्चात् अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी का ही पूर्णतया सामान्य रूप से प्रयोग किए जाने का प्रावधान किया गया था। परंतु दक्षिणी राज्यों में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा बनाए जाने के विरोध में हुए आंदोलनों के कारण अंग्रेजी को हिंदी के साथ-साथ अधिकृत भाषा के रूप में प्रयोग करने की अनुमति दे दी कई है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. स्वतंत्रता के समय गोवा *पुर्तगाली* उपनिवेश था।
2. पांडिचेरी स्वतंत्रता के समय *फ्रांसीसी और पुर्तगाली* उपनिवेश था।
3. संविधान सभा के अध्यक्ष *डा0 राजेन्द्र प्रसाद* थे।
4. भारतीय संविधान के आखिरी संशोधन में *22* भाषाओं को भारत की अधिकृत भाषाएँ स्वीकार किया गया।
5. *उत्तराखंड़* का राज्य उत्तर प्रदेश से पृथक् किया गया है।
6. *जूनागढ़* के लोगों ने भारत में विलय के पक्ष में मतदान किया।
7. पहली पंचवर्षीय योजना *1951* ई0 में आरंभ हुई।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. दवन और द्वीप फ्रांसीसी उपनिवेश थे। (✗)
2. भारत में सिक्किम का विलय स्वतंत्रता से पूर्व हो गया था। (✗)
3. भारत सरकार ने पाकिस्तान से आए शरणार्थियों के पुनर्वास में हर संभव सहायता की। (✓)

4. आज भी अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं को सरकारी कामकाज के लिए प्रयोग किया जाता है। (✓)
5. सभी रियासतें स्वतंत्रता से पूर्व भारत में मिल गई। (✗)

इकाई–2 (भूगोल)

1. संसाधन – प्रकार एवं विकास

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 संसाधन की परिभाषा दीजिए।

उ. कोई वस्तु जिससे मानव की आवश्यकताओं की पूति होती है, संसाधन कहलाती है।

प्र.2 प्राकृतिक संसाधन क्या हैं? दो उदाहरण दीजिए।

उ. जो संसाधन प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाते हैं; जैसे - खनिज, जल, मिट्टी।

प्र.3 मानव-निर्मित संसाधन क्या हैं? कुछ उदाहरण दीजिए।

उ. जो संसाधन मानव द्वारा निर्मित किए जाते हैं; जैसे - सड़कें, इमारते, नहरें,रेल की लाइन आदि।

प्र.4 संसाधनों के पुनः प्रयोग से आप क्या समझते हैं? एक ऐसे संसाधन का नाम लिखिए जिसका पुनः प्रयोग किया जा सकता है।

उ. नवीकरणीय संसाधनों को कभी न समाप्त होने वाले संसाधन भी कहा जाता है; जैसे - जल, वायु, सूर्य का प्रकाश। क्योंकि इनकी आपूर्ति सदैव बनी रहेगी तथा इन्हें पुनः पैदा किया जा सकता है।

प्र.5 संसाधनों के सुरक्षित भंडार से क्या तात्पर्य है?

उ. ज्ञात संसाधनों का वह भाग जिसका उपलब्ध तकनीक की सहायता एवं लाभ की दृष्टि से विकास किया जाता है, सुरक्षित भंडार कहलाता है।

प्र.6 आप यह कैसे कह सकते हैं कि संसाधन स्थिर न होकर गतिशील हैं?

उ. प्राकृतिक संसाधन स्थायी न होकर गतिशील होते हैं क्योंकि मानव अपने ज्ञान और बुद्धि कौशल से संसाधनों के नए-नए प्रयोग ढूँढता है।

प्र.7 सतत् पोषणीय विकास से आप क्या समझते हैं?

उ. सतत् पोषणीय विकास से हमारा तात्पर्य है कि संसाधनों का उपयोग सावधानी से किया जाए ताकि न केवल वर्तमान पीढ़ी की अपितु भावी पीढ़ियों की आवश्यकताएँ भी पूरी होती रहें।

प्र.8 विकसित देश अधिक प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग क्यों करते हैं?

उ. विकसित देश विकासशील देशें की तुलना में संसाधनें का अधीक प्रयोग करते हैं। उदाहरण के लिए संसार के औसत उपयोग की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका में खनिज तेल का उपयोग पाँच गुना है। आर्थिक विकास के साथ-साथ संसाधनों की माँग भी बढ़ती है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 प्राकृतिक संसाधन और मानव निर्मित संसाधनों का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. जो संसाधन प्रकृति द्वारा प्रदान किए जाते हैं, अर्थात् जिनका निर्माण प्राकृतिक रूप से होता है; जैसे - जल, वायु, सूर्य का प्रकाश, खनिज, एवं जंगली जीव, उन्हें प्राकृतिक संसाधन कहते हैं। परंतु जो संसाधन मानव द्वारा निर्मित होते हैं; जैसे - सड़के, इमारते, नहरे, रेल लाइनें एवं मशीने आदि, उन्हें मानव निर्मित संसाधन कहते हैं। मानव-निर्मित संसाधनों को तैयार करने में जिस आधुनिक ज्ञान और कौशल का प्रयोग किया जाता है उसे तकनीकी कहा जाता है। यह भी मानव-निर्मित संसाधन है।

प्र.2 नवीकरणीय एवं अनवीकरणीय संसाधनों का अंतर स्पष्ट कीजिए। संसाधनों का संरक्षण करना क्यों आवश्यक है?

उ. प्राकृति संसाधन नविकरणीय एवं अनवीकरणीय हो सकते हैं। नवीकरणीय संसाधनों को कभी न समाप्त होने

वाला संसाधन भी कहा जाता है। नवीकरणीय संसाधनों के उदाहरण हैं - जल, वायु, सूर्य का प्रकाश, वन एवं जंगली जीव। क्योंकि इनकी आपूर्ति सदैव बनी रहेगी तथा इन्हें पुनः पैदा किया जा सकता है। अनवीकरणीय संसाधन उन्हें कहा जाता है जिन्हें मानव द्वारा एक बार प्रयोग में लाने के बाद पुनः पैदा नहीं किया जा सकता अर्थात् ये संसाधन देर-सबेर समाप्त हो सकते हैं। ऐसे संसाधनों के उदाहरण हैं; जैसे - लोहा, ताँबा, चाँदी एवं सोना आदि को एक बार प्रयोग करने के बाद पुनः इन्हें पिघलाकर प्रयोग में लाया जा सकता है।

प्र.3 सतत् पोषणीय विकास क्या है? इसकी आवश्यकता क्यों है? किन विभिन्न तरीकों से इस उद्देश्य की पूर्ति की जा सकती है?

उ. सतत् पोषणीय विकास से हमारा तात्पर्य है कि संसाधनों का उपयोग सावधानी से किया जा सके ताकि न केवल वर्तमान पीढ़ी की अपितु भावी पीढ़ियों कि आवश्यकताएँ भी पूरी होती रहें।

यदि आर्थिक विकास को स्थिर रखना है तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि संसाधनों की आपूर्ति भविष्य में बनी रहे। हमें संसाधनों का प्रयोग इस प्रकार करना चाहिए कि वर्तमान आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ भविष्य के विकास के लिए संसाधनों का अभाव न हो। सतत् पोषणीय विकास के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं :-

अ. संसाधनों की बरबादी और अत्याधिक प्रयोग को रोका जा सके।

ब. वायु, जल और मृदा के प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सके।

स. अनवीकरणीय संसाधनों के स्थान पर नवीकरणीय संसाधनों का प्रयोग किया जाए।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. जिन संसाधनों से हमें आनंद मिलता है, उनका *कानूनी* मूल्य होता है।
2. जिन संसाधनों को देखा व स्पर्श किया जा सकता है, उन्हें *भौतिक* संसाधन कहते हैं।
3. जिन संसाधनों की अभी पहचान नहीं हुई है तथा जिनका प्रयोग वर्तमान में नहीं किया जा सकता, उन्हें *संभाव्य* संसाधन कहते हैं।
4. कभी न समाप्त होने वाले संसाधनों को *नवीकरणीय* संसाधन कहते हैं।
5. संसाधनों की प्रकृति *गतिमान* है।

प्र.घ सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ.

1. निम्नलिखित में से कौन-सा संसाधन नवीकरणीय संसाधन नहीं है :-

अ. खनिज (✓) ब. सूर्य का प्रकाश ( )

स. जल ( ) द. वायु ( )

2. निम्नलिखित में से किस संसाधन को पुनः प्रयोग में लाया जा सकता है :-

अ. कोयला ( ) ब. खनिज तेल ( )

स. लोहा (✓) द. उपयुक्त सभी ( )

3. निम्नलिखित में से कौन-सा संसाधन मानव-निर्मित संसाधन है :-

अ. नदी ( ) ब. नहर (✓)

स. झील ( ) द. पर्वत ( )

4. निम्नलिखित में से किस संसाधन को पुनः पैदा नहीं किया जा सकता :-

अ. मानव संसाधन ( ) ब. खनिज (✓)

स. वन ( ) द. जंगली जीव ( )

5. प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग अधिक होता है :-

अ. आदिवासी समाज में ( ) ब. विकसित समाज में (✓)

स. पिछड़े हुए समाज में ( ) द. उपर्युक्त सभी में ( )

2. भूमि, मृदा एवं जल संसाधन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 भूमि को एक महत्वपूर्ण संसाधन क्यों माना जाता है?

उ. भूमि एक महत्वपूर्ण संसाधन है क्योंकि मानव भूमि पर रहते हैं। वे भूमि से ही अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अधिकतर उत्पाद प्राप्त करते हैं।

प्र.2 कृषि योग्य भूमि किसे कहते हैं? भारत की कितनी भूमि कृषि योग्य है?

उ. उपजाऊ मैदानी क्षेत्रों, नदियों की घाटियों में जन-संख्या अधिक है क्योंकि ये क्षेत्र कृषि के लिए अनुकूल है। भारत भाग्यशाली देश है जहाँ कृषि योग्य भूमि का बहुत उच्च प्रतिशत पाया जाता है।

प्र.3 पाँच कारकों के नाम लिखिए जो मृदा के निर्माण को नियंत्रित करते हैं?

उ. जनक शैल का स्वरूप, स्थलाकृति, जलवायु, मृदा के जीव तथा समय मृदा निर्माण को नियंत्रित करने वाले पाँच कारक हैं।

प्र.4 कौन-से कारक मृदा अपरदन के लिए उत्तरदायी हैं?

उ. ठाल, वर्षा की तीव्रता और पवन की गति मृदा अपरदन के भौतिक कारक हैं।

प्र.5 जल प्रदूषण के मुख्य कारण क्या हैं?

उ. घरेलू कूड़ा-कचरा, अनुपचरित मल, जल कृषीय रसायन और औद्धयोगिक कूड़ा-कचरा जल के प्रमुख संदूषक हैं।

प्र.6 बहु-उद्देशीय नदी घाटी योजनाएँ क्या हैं?

उ. अनेक नदियों पर बाँध बनाकर इनसे अनेक उद्देश्यों की पूर्ति की जाती हैं; जैसे - बाढ़ पर नियंत्रण सिंचाई एवं घरेलू उपयोगों के लिए जल की आपूर्ति कराना तथा जल विद्युत उतपन्न करना आदि। अतः इन योजनाओं को बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएँ कहा जाता है।

प्र.7 हमें जल का संरक्षण क्यों करना चाहिए?

उ. जल का संरक्षण करना एवं जल प्रदूषण को रोकना आवश्यक है ताकि लोगों को विभिन्न उपयोग के लिए पर्याप्त और सुरक्षित जल मिल सके।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भारत के भूमि उपयोग के प्रारूप का मूल्यांकन कीजिए।

उ. भारत भाग्यशाली देश है जहाँ कृषि योग्य भूमि का बहुत उच्च प्रतिशत पाया जाता है। लेकिन वन का आवरण बहुत कम है। स्वास्थ्यवर्धक पर्यावरण बनाए रखने के लिए किसी भी देश के कुल क्षेत्र का एक तिहाई भाग वनों से ढका हुआ होना चाहिए। इसके अतिरिक्त भारत में चारागाहों के अंर्तगत भी भूमि का बहुत कम प्रतिशत भाग है। भारत की पशुओं की जनसंख्या को देखते हुए यह बहुत कम है।

प्र.2 मृदा संरक्षण के विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

उ. मृदा संरक्षण एवं मृदा की उर्वरता बनाए रखने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं :-

अ. पहाड़ी क्षेत्रों में सीढ़ीदार खेत बनाकर, समौच्च रेखीय जुताई करके मृदा अपरदन को नियंत्रित किया जा सकता है।

ब. मैदानी क्षेत्रों में मृदा अपरदन को रोकने में पट्टीदार खेती सहायक होती है।

स. मृदा अपरदन को बाढ़ों पर नियंत्रण करके रोका जा सकता है। नदियों पर बाँध बनाकर बाढ़ों को नियंत्रित किया जा सकता है।

द. स्थानांतरित कृषि, वनों की कटाई एवं अधिक चराई पर नियंत्रण करके मृदा अपरदन को रोका जा सकता है।

य. खेतों में बंधिकाएँ बनाकर नालीदार अपरदन को रोका जा सकता है।

र. शुष्क प्रदेशों में रक्षक मेखला बनाना मृदा अपरदन को रोकने का प्रभावी उपाय है।

प्र.3 जल संरक्षण एवं जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

उ. इस समस्या को हम दो तरीकों से हल कर सकते हैं - एक तो जल के उपयोग में असावधानी न बरतें, इसे

बेकार बहने न दें और दूसरे जहाँ भी संभव हो बेकार जल को पुनः उपयोग में लाने का प्रयास करें। इसके अतिरिक्त हम वर्षा के जल को एकत्र करके इसका प्रयोग शुष्क मौसम में कर सकते हैं। जिन क्षेत्रों में जल अधिक है, उन क्षेत्रों से जल को उन स्थानों पर ले जाया जाए, जहाँ जल का अभाव है। सिंचाई के तरीकों में बदलाव लाकर जैसे जल छिड़काव करने वाले यंत्रों का उपयोग तथा जल गिराने वाले पाइपों के प्रयोग से भी जल की बचत की जा सकती है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. विश्व की लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या कुल भूमि के लगभग *30* प्रतिशत क्षेत्र में निवास करती है।

2. दोनों गोलार्द्धों में *20^0* और *40^0* अक्षांशों के बीच वर्षण के तुलना में वाष्पीकरण अधिक होता है।

3. विश्व की कुल भूमि का लगभग *10* प्रतिशत भाग कृषि योग्य है।

4. परिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के कुल भूमि के लगभग *एक तिहाई भाग* पर वन होने चाहिए।

5. *दलहनी* फसलें मृदा की उर्वरता में वृद्धि करती हैं।

6. मानव शरीर में लगभग *70* प्रतिशत जल है।

प्र.घ सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए :-

उ. 1. निम्न देशों में से कौन से देश में भूमि के सबसे अधिक क्षेत्र में वन हैं :-

अ. भारत ( ) ब. जापान (✓)
स. यूनाइटेड किंगडम ( ) द. आस्ट्रेलिया ( )

2. हूवर बाँध किस देश में है :-

अ. जापान ( ) ब. संयुक्त राज्य अमेरिका (✓)
स. मिस्त्र ( ) द. भारत ( )

3. वाष्पीकरण, वर्षण एवं जल बहाव सबसे कम होते हैं :-

अ. विषुवत् रेखीय प्रदेशों में ( ) ब. उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में (✓)
स. शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में ( ) द. ध्रुवीय क्षेत्रों में ( )

4. निम्न में से कौन-सी विधि मृदा संरक्षण के लिए नहीं अपनाई जाती :-

अ. वन लगाना (✓) ब. सीढ़ीदान खेत बनाना ( )
स. समोच्च रेखीय जुताई करना ( ) द. पशुओं की अधिक चराई करना ( )

5. जल संसाधन हैं :-

अ. अनवीकरणीय ( ) ब. समाप्त होने वाला संसाधन ( )
स. नीवकरणीय ( ) द. मानव निर्मित संसाधन (✓)

3. प्राकृतिक वनस्पति एवं जंगली जीव–जंतु

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 जैव मंडल क्या है? यह कहाँ पाया जाता है?

उ. स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल के बीच स्थित एक संकरा क्षेत्र जिसमें विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु एवं पेड़-पौधें पाए जाते हैं।

प्र.2 कौन-से दो कारक पेड़-पौधों की वृद्धि को प्रभावित करते हैं?

उ. जंगलों की आग तथा वृक्षों की अंधाधुंध कटाई पेड़-पौधों की वृद्धि को प्रभावित करते हैं।

प्र.3 जीवोम क्या है?

उ. एक समान जलवायु क्षेत्रों में एक विशिष्ट प्रकार की वनस्पति पाई जाती है। इन्हें जीवोम कहा जाता है।

प्र.4 गर्म मरूस्थलों और ठ़ड़े मरूस्थलों की प्राकृतिक वनस्पति में क्या अंतर होता है?

उ. गर्म मरूस्थलीय क्षेत्रों में शुष्क जलवायु होने के कारण विशेष प्रकार की वनस्पति जिसमें काँटेदार झाड़ियाँ

अधिक होती हैं, पाई जाती हैं। ठ़ड़े मरूस्थलों में काई जैसी वनस्पति पाई जाती है।

प्र.5 भूमध्य सागरीय पेड़-पौधों के क्या लक्षण हैं?

उ. ये वृक्ष ग्रीष्म ऋतु की शुष्क जलवायु में भी अपनी पत्तियाँ नहीं गिराते। इन वृक्षों की पत्तियाँ नुकीली एवं चिकनी होती हैं।

प्र.6 वनों के संरक्षण के कोई दो उपाय लिखिए।

उ. वन संरक्षण का प्रमुख उपाय पेड़ लगाना तथा पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकना हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन और कोणधारी वनों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. भूमध्य रेखीय एवं उष्ण कटिबंधीय तटीय क्षेत्रों में, जलवायु उष्ण एवं आर्द्र होती है। ऐसी जलवायु विभिन्न प्रकार के वृक्षों के उगने के लिए उपयुक्त होती है। इन क्षेत्रों में घने वन पाए जाते हैं। वृक्षों की पत्तियाँ चौड़ी होती हैं जिनसे अतिरिक्त आर्द्रता का वाष्पोत्सर्जन हो सकता है। इन क्षेत्रों में लंबे वृक्ष मध्यम ऊँचाई वाले वृक्ष एवं वृक्षों के नीचे विभिन्न प्रकार की वनस्पति उगती हैं। इन क्षेत्रों में कोई शुष्क ऋतु नहीं होती, पेड़-पौधे पूरे वर्ष उगते हैं। वृक्षों की पत्तियाँ एक प्रकार की हरी चादर बनाती हैं। इन वनों में कठोर लकड़ी वाले वृक्ष; जैसे - महोगनी, आबनूस, रोजवुड आदि पाए जाते हैं। ये वन मुख्य रूप से अफ्रीका की जायरे नदी की द्रोणी तथा दक्षिणी अमेरिका अमेजन नदी की द्रोणी में पाए जाते हैं। कोणधारी वन उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्रों में एक लंबी श्रृंख्ला बनाते हैं तथा ये वन यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों में वृक्षों के उगने का समय सीमित होात है क्योंकि ग्रीष्म ऋतु बहुत छोटी होती है। ये वृक्ष अपनी पत्तियाँ नहीं गिराते। अतः सदा हरे-भरे दिखाई पड़ते हैं। ये वृक्ष लंबे होते हैं तथा इनकी पत्तियाँ नुकीली होती हैं।

प्र.2 उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन और मध्य अक्षांशीय पर्णपाती वनों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. **उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन :-** ये वन विशिष्ट शुष्क ऋतु वाले कटिबंधीय प्रदेशों में पाये जाते हैं। ग्रीष्म ऋतु में वनों के वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं। इन वृक्षों की प्रजातियाँ कम हैं तथा एक ही प्रजाति के अनेक वृक्ष एक साथ पास-पास पाये जाते हैं।

मध्य अक्षांशीय पर्णपाती वन :- ये वन शीतोष्ण कटिबंध के तटीय भागों में पाये जाते हैं। इन वनों के पेड़ सर्दी से बचने के लिये शीत ऋतु में अपनें पत्तियाँ गिरा देते हैं।

प्र.3 विभिन्न प्रकार के वनों के उपयोगों का वर्ण कीजिए। विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के वृक्षों के उदाहरण देकर अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

उ. शीतोष्ण कटिबंधीय सदाबहार तथा कोणधारी वनों का सबसे अधिक व्यापारिक उपयोग होता है। नार्वे, स्वीडन, फिनलैंड और कनाड़ा का गज, लुग्दी और अखबारी कागज जैसे अनेक वनोंत्पादो के प्रमुख निर्यातक हैं। भारत के दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशिया के मानसूनी रेशों में पाये जाने वाले रोजवुड, चंदन, सागौन और महोगनी पेड़ों की महत्वपूर्ण प्रजातियाँ हैं। इन वृक्षों का बड़े पैमाने पर अर्थिक उपयोग होता है।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	महोगनी	:	उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
2.	सागोन	:	उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन
3.	यूकेलिप्टस	:	मध्य अक्षांशीय सदाबहार वन
4.	जैतून	:	भूमध्य सागरीय वन
5.	चीड़	:	कोणधारी वन

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. *भूमध्य सागरीय वन* प्रदेशों में ग्रीष्म ऋतु शुष्क होती है और शीत ऋतु में सामान्य वर्षा होती है।
2. *पौधे* मौसम मं परिवर्तन होने पर अपने रंग रूप में परिवर्तन करते हैं।
3. उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन मुख्य रूप से *अफ्रीका की जायरे नदी के* बेसिन और *अमेजन नदी के* बेसिन मं पाए जाते हैं।

4. *शीतोष्ण कटिबंधीय* वनों की लकड़ी कागज और लुगदी बनाने के लिए बहुत उपयोगी होती है।
5. *3,00,000* से अधिक पेड़-पौधें एवं *10,00,000* से अधिक जीव-जंतुओं की प्रजातियाँ पृथ्वी पर पाई जाती हैं।

4. खनिज एवं उर्जा संसाधन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 खनिज क्या है? ये उपयोगी क्यों हैं?

उ. एक या एक से अधिक तत्वों वाले प्राकृतिक पदार्थ जिनका विशिष्ट रासायनिक संघटन होता है तथा जिनमें चट्टानों का निर्माण होता है।

प्र.2 खनन के विभिन्न तरीके क्या है?

उ. खनन के विभिन्न तरीके खदान, खुली खनन क्रिया, शाफ्ट खनन विधि एवं ड्रिलिंग।

प्र.3 लोहा सबसे अधिक उपयोगी धात्विक खनिज क्यों है?

उ. लोहे का बहुत व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है अपने महत्व के कारण लोहा आधुनिक सभ्यता का प्रतीक बन गया है।

प्र.4 ताँबे और ऐलुमिनियम के मुख्य उपयोग क्या हैं?

उ. ताँबे का प्रयोग अधिकतर बिजली का सामान बनाने वाले उद्योगों में किया जाता है। ऐलुमिनियम का प्रयोग वायुयान, मशीनी उपकरण, बर्तन, बिजली के उपकरण बनाने तथा निर्माण और पैकिंग के लिए किया जाता है।

प्र.5 भारत के कौन-से राज्यों में लौह अयस्क अधिक मात्रा में पाया जाता है?

उ. भारत में लौह-अयस्क के अनेक क्षेत्र हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्य प्रदेश हमारे देश में लौह अयस्क के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।

प्र.6 पृथ्वी के गर्भ में कोयले का निर्माण कैसे होता है?

उ. पेड़-पौधों का अवसादों के नीचे दबा मलबा कोयले का रूप ले लेता है। यह अवसादी चट्टानों में परतों के रूप में पाया जाता है।

प्र.7 भारत के प्रमुख कोयला क्षेत्र कौन-से हैं?

उ. भारत में झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में स्थित दामोदर घाटी का क्षेत्र कोयला उत्पादन में अग्रणी है। झारखंड भारत में सबसे अधिक कोयला उत्पादन करने वाला राज्य है - उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं आंध्र प्रदेश।

प्र.8 किन्हीं पाँच गैर-पंरपरागत ऊर्जा के स्त्रोतों के नाम लिखिए।

उ. सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, तापीय ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा एवं बायोगैस।

प्र.9 खनिजों का संरक्षण करना क्यों आवश्यक है?

उ. खनिजों का संरक्षण आवश्यक है क्योंकि ये अनवीकरणीय प्राकृतिक संसाधन है।

प्र.10 पुनःचक्रण से आप क्या समझते हैं? किन खनिजों का पुनःचक्रण किया जा सकता है?

उ. धात्विक खनिजो, जैसे लोहा, ताँबा एवं ऐलुमिनियम को पुनःचक्रण द्वारा उपयोग में लाया जा सकता है। बेकार पदार्थो के पुनः प्रयोग को पुनःचक्रण कहते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 धात्विक खनिजों एवं अधात्विक खनिजों का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. धात्विक खनिज उन्हें कहते हैं जिनसे विभिन्न प्रकार की धातुएँ; जैसे - लोहा, ताँबा, चाँदी और सोना प्राप्त होती है। घातुएँ मजबूत तन्य, ऊष्मा और विद्युत की सुचालक, चाक्षुष प्रकाश में अपारदर्शी तथा पालिश करने के बाद परावर्तक होती है। तन्यता धातुओं का वह गुण है, जिसके कारण बिना टूटे उनके तार खींचे जा सकते हैं। उदाहरण के लिए ऐल्युमिनियम एक धातु है जिसे इसके अयस्क बाँक्साइट से निकाला जाता है। अधात्विक खनिज - इन खनिजों में धातुएँ नहीं पाई जाती हैं। इन खनिजों को पिघलाया नहीं जा सकता इन्हें तारों में नहीं खींचा जा

सकता। ऐसे खनिजों के उदाहरण हैं - फास्फेट, पोटाश, लवण, सिलिका, हीरे एवं कंकर-पत्थर आदि। इनके अंतर्गत जैविक ईंधन जैसे कोयला और खनिज तेल भी आते हैं।

प्र.2 खनन के विभिन्न तरीकों का विवरण दीजिए।

उ. जो अयस्क धरातल के निकट पाए जाते हैं उन्हें केवल खोदकर निकाल लिया जाता है, इसे खदान कहते हैं। जो अयस्क कुछ कम गहराई पर मिलते हैं, उन्हें धरातल की सतहों को हटाकर निकाला जाता है। इसे खुली खनन क्रिया कहते हैं। उन खनिजों तक पहुँचने के लिए जो बहुत गहराई पर मिलते हैं, गहरे गढ्ढे बनाए जाते हैं, जिन्हें शाफ्ट कहते हैं। इस प्रकार की खनन क्रिया को शाफ्ट खनन क्रिया कहते हैं। खनिज तेल तथा प्राकृतिक गैसें निकलने में गहरे कुएँ खोदे जाते हैं। इसे ड्रिलिंग कहते हैं।

प्र.3 संसार में लौह-अयस्क और कोयले के उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों का विवरण दीजिए।

उ. लौह-अयस्क मुख्य रूप से यूक्रेन, चीन, पाकिस्तान, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रालील, भारत और आँस्ट्रेलिया में भारी मात्रा में पाया जाता है। यूरोप में उच्चकोटी का लौह अयस्क स्वीडन में पाया जाता है। फ्रांस और जर्मनी में भी लौह अयस्क के निक्षेप हैं, जिनमें 60 प्रतिशत से अधिक धातु की मात्रा पाई जाती है। भारत में लौह-अयस्क के अनेक क्षेत्र हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्य प्रदेश हमारे देश में लौह अयस्क के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। विश्व में कोयले के सबसे बड़े भंडारों का लगभग तिहाई भाग रूस में और लगभग चौथाई भाग संयुक्त राज्य अमेरिका में पाया जाता है। रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, आँस्ट्रेलिया, पश्चिमी यूरोप के कुछ भागों, दक्षिण अफ्रीका तथा भारत में विश्व के कोयले के कुल भंडारों का 90 प्रतिशत पाया जाता है। भारत में झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में स्थित दामोदर घाटी का क्षेत्र कोयला उत्पादन में अग्रणी है। झारखंड़ भारत में सबसे अधिक कोयला उत्पादन करने वाला राज्य है। अन्य मुख्य उत्पादक राज्य हैं - उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं आंध्र प्रदेश।

प्र.4 खनिज तेल के विभिन्न उपयोग क्या हैं? संसार में खनिज तेल के उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों का विवरण दीजिए।

उ. खनिज तेल ऊर्जा का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत है और इसमें विभिन्न उत्पाद; जैसे - पेट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल आदि प्राप्त किए जाते हैं। पैट्रोल और डीजन का प्रयोग विभिन्न प्रकार के आवागमन के साधनों; जैसे - सड़क पर चलने वाले वाहनों, रेल इंजनों आदि में किया जाता है। मिट्टी के तेल का प्रयोग घरेलू ईंधन के रूप में किया जाता है।

विश्व के कुल खनिज तेल भंडारों का दो तिहाई भाग फारस की खाड़ी और उसके आस-पास के क्षेत्र में पाया जाता है। सऊदी अरब में तेल के सबसे बड़े भंडार हैं। रूस, वेनेजुएला, मैक्सिकों, लीबिया और नाइजीरिया इन पाँच देशों और खाड़ी प्रदेश में 90 प्रतिशत तेल के भंडार हैं। उपर्युक्त देशों के अलावा संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, नार्वे, डेनमार्क, जर्मनी और नीदरलैंड में भी खनिज तेल का उत्पादन होता है।

भारत में सबसे पहले तेल असम में पाया गया था। इस प्रदेश में अनेक तेल क्षेत्र हैं। देश के पश्चिम में महाराष्ट्र और गुजरात तेल के अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य हैं। खयात की खाड़ी और महाराष्ट्र के समुद्री तट के निकट अरब सागर में तेल क्षेत्र हैं। बाँम्बे हाई महाराष्ट्र में एक प्रमुख समुद्र में पाए जाने वाला तेल क्षेत्र है। गोदावरी और कृष्णा नदियों के डेल्टा क्षेत्रों से भी तेल निकाला जाता है।

प्र.5 परंपरागत एवं गैर परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोतों का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. ऊर्जा की माँग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अतः नए गैर-परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोतो का पता लगाने और उनका प्रयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ये ऊर्जा के स्त्रोत नवीकरणीय ऊर्जा के स्त्रोत हैं। कुछ प्रमुख गैर-परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत हैं - सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा एवं बायोगैस।

सौर ऊर्जा :- मानव सौर ऊर्जा का प्रयोग परंपरागत रूप से फसलें उगाने, कपड़े सुखाने, अनाज, सब्जियाँ, मछली आदि सुखाने और समुद्र के पानी से नमक बनाने के लिए कर रहा है।

पवन ऊर्जा :- सौर ऊर्जा की भाँति पवन ऊर्जा का भी प्राचीन काल से ही उपयोग हो रहा है। पवन शक्ति से जहाज, अनाज पीसने के लिए पवन चक्कियाँ और जल पंप चलाए जाते हैं। पवन ऊर्जा से कुछ वर्षो से बिजली बनाई जा रही है।

भू-तापीय ऊर्जा :- यह पृथ्वी के अभ्यंतर से निकलने वाली प्राकृतिक उष्मा है। गीजर और गर्म पानी के स्त्रोतों

का प्रयोग भवनों को गर्म करने तथा बिजली बनाने के लिए किया जाता है।

ज्वारीय ऊर्जा और बायोगैस :- ज्वारीय ऊर्जा और बायोगैस अन्य गैर परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोत हैं। समुद्र में आने वाले ज्वार-भाटों से बिजली उत्पन्न की जा सकती है। जैविक अवशेषों से बाये-गैस बनाई जाती है। इसका प्रयोग भोजन पकाने और बिजली बनाने के लिए किया जाता है।

प्र.6 हमें खनिजों का संरक्षण क्यों करना चाहिए? खनिजों का संरक्षण करने के लिए क्या कदम उठाएँ जाने चाहिए?

उ. हमें अपनी भावी पीढ़ियों के लिए खनिजों का संरक्षण करना आवश्यक है। खनिजों के संसाधनों के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं :-

अ. खनिजों को पृथ्वी के गर्भ से निकालने के लिए विकसित खनन तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिससे इनकी बरबादी को कम-से-कम किया जा सके।

ब. धात्विक खनिजों - लोहा, ऐलुमिनियम, टिन एवं ताँबा आदि का प्रयोग पुनः चक्रण द्वारा किया जाना चाहिए।

स. दुर्लभ खनिजों के स्थान पर प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले खनिजों का प्रयोग करना चाहिए; जैसे - बिजली उद्योग में ताँबे के स्थान पर ऐलुमिनियम का प्रयोग किया जा सकता है।

द. जैविक ईधनों; जैसे - कोयला और खनिज तेल के स्थान पर गैर-परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोतो; जैसे - सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, भू-तापीय ऊर्जा आदि का प्रयोग किया जाना चाहिए।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. जैविक खनिज *कोयला* चट्टानों में पाए जाते हैं।
2. *ऐंथ्रासाइट* कोयला सर्वोत्तम गुणवत्ता का कोयला है।
3. कोयले से उत्पन्न विद्युत को *ताप* विद्युत तथा जल से उत्पन्न विद्युत को *जल* विद्युत कहते हैं।
4. पृथ्वी के आंतरिक भाग में संचित उष्मा को *भू-तापीय ऊर्जा* कहते हैं।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. भारत में ताँबे की खानें प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं। (✓)
2. बायो-गैस ऊर्जा का गैर-परंपरागत साधन है। (✓)
3. सिडेराइट सबसे अच्छी गुणवत्ता का लौह-अयस्क है। (✓)
4. सौर ऊर्जा ऊर्जा का अनवीकरणीय साधन है। (✓)
5. सबसे अधिक प्रयोग में लाया जाने वाला कोयला बिटुनिमन है। (✓)
6. खनिज तेल खुली खनन क्रिया द्वारा निकाला जाता है। (✗)

5. कृषि

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 कृषि का क्या अर्थ है?

उ. कृषि से तात्पर्य मृदा को जोतकर उसमें फसलें उगाना एवं पशु पालन है।

प्र.2 किसी क्षेत्र में फसलें उगाने के लिए कौन-से कारक प्रभावित करते हैं?

उ. भूमि की बनावट, मृदा, तापमान एवं वर्षा कुछ प्रमुख भौतिक कारक हैं जिनमें कृषि प्रभावित होती है।

प्र.3 चलवासी पशुचारण क्या है?

उ. चलवासी पशुचारण में पशुचारक अपने पशुओं के साथ चरागाहों की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहते हैं।

प्र.4 निर्वाह कृषि और व्यापारिक कृषि में मुख्य अंतर क्या है?

उ. निर्वाह कृषि के अंतर्गत किसान मुख्य रूप से अपने उपयोग के लिए फसलें उगाते हैं जबकि व्यापारिक कृषि के अंतर्गत किसान मुख्य रूप से बाजार में बेचने के लिए फसलें उगाते हैं।

प्र.5 कौन-से देश चावल के प्रमुख उत्पादक देश हैं?

उ. भारत और चीन चावल के प्रमुख उत्पादक देश हैं।

प्र.6 कौन-से देश गेहूँ के प्रमुख उत्पादक देश हैं?

उ. रूस, यूक्रेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाड़ा, यूरोप के अधिकतर देश, आँस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, चीन और भारत गेहूँ के प्रमुख उत्पादक देश हैं।

प्र.7 रोपण कृषि क्या है?

उ. यह एक प्रबंधित और व्यवस्थित कृषि प्रणाली है। इस प्रकार की कृषि के अंतर्गत विस्तृत बागानों में रबड़, चाय और काफी जैसे फसलें उगाई जाती हैं।

प्र.8 गहन कृषि किसे कहते हैं?

उ. इस कृषि पद्धति में किसान एक छोटे से जोत में अच्छे बीजों, अधिक उर्वरक, सिंचाई की निरंतर सुविधा और अधिक श्रमिकों की सहायता से प्रति हैक्टेयर बहुत अधिक पैदावार करता है।

प्र.9 स्थानांतरी कृषि किसे कहते हैं?

उ. भारत के कुछ भागों के बने घने जंगलों में रहने वाले कुछ लोगों के द्वारा ही कृषि का यह तरीका अपनाया जाता है। ये लोग स्थायी जीवन नहीं बिताते हैं। वृक्षों को काटकर तथा झाड़-झंकाड़ो को जलाकर कृषि के लिए भूमि को तैयार किया जाता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 धान और गेहूँ की फसलों के उत्पादन की दशाओं की तुलना कीजिए।

उ. धान भारत की प्रमुख खाद्यान्न फसल है। यह मुख्य रूप से उत्तर के मैदानी क्षेत्रों एवं समुद्रतटीय मैदानी क्षेत्रों में उगाया जाता है। भारत में धान की खेती मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश और पंजाब में होती है। भारत का विश्व में चीन के पश्चात् धान के उत्पादन में दूसरा स्थान है। गेहूँ विश्व में सबसे अधिक विस्तृत रूप से उगाईजाने वाली खाद्य फसल है। साइबेरिया से लेकर उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों तक विभिन्न जलवायु दशाओं में गेहूँ उगाया जाता है। यह उष्ण कटिबंधीय एवं शीतोष्ण कटिबंधीय जलवायु में उगाया जा सकता है। परंतु यह शीतोष्ण कटिबंध की मुख्य फसल है। इसके लिए 20^0 से0 से कम तापमान, 50 सेमी से 75 सेमी तक सामान्य वर्षा की आवश्यकता होती है। पकते समय आसमान साफ होना चाहिए। उत्तरी अमेरिका में गेहूँ शीत ऋतु एवं बंसत ऋतु दोनों में उगाया जाता है। दोमट मिट्टी इसके लिए उत्तम होती है।

प्र.2 स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय कृषि में क्या विकास हुए हैं?

उ. स्वतंत्रता के समय तथा अंग्रेजी शासन के दौरान भारत में खाद्यान्नों का अभाव था। अकसर अकाल पड़ते रहते थे। भारत में अधिकतर कृषक गरीब और छोटे किसान थे या भूमिहीन श्रमिक थे। कृषकों के पास कृषि की नई विधियों को अपनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और धन नहीं था। अतः वे खाद्यान्नों की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने में असमर्थ थे।

भारत सरकार ने कृषि की दशा को सुधारने के लिए कई कदम हैं। भारत के अधिकतर किसानों के पास एक हैक्टेयर से अधिक भूमि नहीं है। एक किसान औसतन डेढ़ हैक्टेयर भूमि पर ही खेती करता है। यही नहीं कई-कई वर्षो से जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ जोतो का विखराव हो रहा है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सरकार ने चकबंदी की योजना लागू की जा सकें।सरकार ने कृषि के लिए सिंचाई, बिजली और यातायात जैसी अवसंरचना की और अधिक सुविधा प्रदान की है।

प्र.3 भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की कृषि विधियों की निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर तुना कीजिए :-

अ. कृषि का प्रकार ब. कृषि के तरीके।

उ. **अ. कृषि का प्रकार :-** कृषि करने के तरीको (जैसे - जोतो का आकार, यंत्र और तकनीक का इस्तेमान, उगाई जाने वाली फसलें, पशुधन तथा कृषकों द्वारा स्वउपयोग की माँग के लिए रखी जाने वाली फसलों

का हिसाब) के आधार पर कृषि को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बाँटा जा सकता है।

ब. कृषि के तरीके :- प्राचीन समय की तुलना में खेती के तरीकों में बहुत विकास हुआ है। पहले किसान केवल साधारण औजार प्रयोग में लाते थे। वे खोदने वाली छड़ियो, फावड़ो एवं दराँतियों आदि का प्रयोग करते थे। धीरे-धीरे बैलों द्वारा खीचे जाने वाले हलों का प्रयोग होने लगा। अब विकसित देशों में सभी कृषि कार्य मशीनों से किए जाते हैं। ट्रैक्टर जिनमें अनेक औजार जुड़े होते हैं, प्रयोग में लाए जाते हैं। इससे कृषि कार्यो में संलग्न लोगों की संख्या कम हो जाती है।

प्र.4 निम्नलिखित फसलों के उगाने के लिए आवश्यक भौतिक दशाओं का वर्णन कीजिए :-

अ. कपास ब. जूट स. गन्ना द. रबड़।

उ. अ. कपास :- कपास संसार की प्रमुख रेशे की फसल है। इसके उत्पादन के लिए उच्च तापमान (20^0 से 30^0 से0) प्रचुर सूर्य का प्रकाश और सामान्य वर्षा की आवश्यकता होती है। पकते समय इसके लिए बादल रहित स्वच्छ मौसम की आवश्यकता होती है। काली और जलोढ़ मिट्टियाँ इसके लिए अच्छी होती है।

ब. जूट :- जूट का रेशा, जूट के पौधे के डंठल की छाल से प्राप्त किया जाता है। इसका प्रयोग रस्सियाँ, बोरे, दरियाँ, चटाइयाँ एवं फैशन के कपड़े बनाने के लिए किया जाता है। इसकी खेती के लिए उच्च तापमान (25^0 से0 से ऊपर) और अधिक वर्षा (150 सेमी से अधिक) की आवश्यकता होती है। नदियों के डेल्टाई क्षेत्रों एवं बाढ़ के मैदानों में पाई जाने वाली जलोढ़ मिट्टियाँ इसकी खेती के लिए उत्तम मानी जाती है।

स. गन्ना :- गन्ना एक उष्ण कटिबंधीय फसल है। इसका मूल उत्पादक देश भारत को माना जाता है। इससे चीनी बनाई जाती है। इसके लिए उच्च तापमान (21^0 से 27^0 से0 तक) काफी मात्रा में वर्षा उपजाऊ मृदा एवं 10 से 12 महीने तक का समय चाहिए।

द. रबड़ :- यह एक उष्ण कटिबंधीय फसल है। इसके लिए उच्च तापमान एवं अधिक वर्षा की आवश्यकता है। यह प्रायः पूर्ण व्यवस्थित बागानों में उगाई जाती है। रबड़ उष्ण कटिबंधीय एशिया की प्रमुख फसल है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. गेहूँ मुख्य रूप से *विस्तृत* कृषि तरीके से उगाया जाता है।
2. भारत *मोटे अनाजों* के उत्पादन में अग्रणी है।
3. जूट एक *रेशेदार* फसल है।
4. प्रति व्यक्ति कृषि योग्य भूमि *उपलब्धता* में अधिक है।
5. प्रति हैक्टेयर पर उत्पादन *गहन* कृषि में अधिक होता है।
6. शीतोष्ण देशों में उगाया जाने वाला प्रमुख अनाज *गेहूँ* है।

6. विनिर्माण उद्योग

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 प्राथमिक उद्योग एवं द्वितीयक उद्योग का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. जिन उत्पादों का हम प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति से प्राप्त करते हैं। प्राथमिक उत्पाद कहा जाता है; जैसे - लकड़ी, सब्जियाँ, दूध, मांस आदि। जब प्राथमिक उत्पादों को प्रसंस्कृत करके अन्य अधिक उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है, तो उन्हें द्वितीयक उत्पाद कहा जाता है।

प्र.2 विनिर्माण उद्योगों से आप क्या समझते हैं?

उ. विनिर्माण उद्योग द्वितीयक आर्थिक क्रियाएँ हैं जिसमें कच्चे माल को अधिक उपयोगी वस्तुओं में परिवर्तित किया जाता है।

प्र.3 उद्योगों की स्थापना को कौन-से कारक प्रभावित करते हैं?

उ. उद्योगों की स्थापना को कच्चे माल की उपलब्धता तथा संरचनात्मक सुविधाएँ; जेसे - यातायात, बिजली, पूँजी एवं बाजार की सुविधाएँ तथा राजनीतिक नीतियाँ प्रभावित करती है।

प्र.4 विश्व के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उ. विश्व के कुछ प्रमुख औद्योगिक संकुल है - उत्तरी अमेरिका का पूर्वी भाग, पश्चिमी और मध्य यूरोप, पूर्वी यूरोप एवं पूर्वी एशिया।

प्र.5 कृषि पर आधारित उद्योगों एवं खनिजों पर आधारित उद्योगों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. कृषि पर आधारित उद्योग इन उद्योगों का कच्चा माल कृषि से प्राप्त होता है; जैसे - खाद्य उद्योग सूती और जूट वस्त्र उद्योग, वनस्पति तेल उद्योग एवं चीनी उद्योग आदि जिन उद्योगों में खनिज पदार्थो का सच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है, उन्हें खनिज आधारित उद्योग कह जाता है।

प्र.6 सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र के उद्योगों का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों का स्वामित्व सरकार के अधीन होता है तथा निजी क्षेत्र के उद्योग व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा चलाए जाते हैं।

प्र.7 लोहा-इस्पात उद्योग को आधारभूत उद्योग क्यों कहा जाता है?

उ. वे उद्योग जिनके उत्पादन दूसरे उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग होते हैं, आधारभूत उद्योग कहलाते हैं।

प्र.8 भारत में सूती वस्त्र उद्योग मुख्य रूप से मुंबई और अहमदाबाद में क्यों केंद्रित है?

उ. मुंबई और गुजरात के चारो ओर कपास पैदा की जाती है तथा इससे स्थानीय कपास सूती वस्त्र के लिए आसानी से मिल जाती है।

प्र.9 कौन-से कारकों ने जमशेदपुर में लोहा-इस्पास उद्योग के केंद्रीकरण में सहयोग दिया है?

उ. जमशेदपुर की स्थिति इस उद्योग के लिए बहुत अनुकूल है क्योंकि यह लौह-अयस्क, कोयला, मैगनीज के भंडारों के निकट है। यह स्थान कोलकाता के भी निकट है जो भारत का एक प्रमुख पतन है तथा जहाँ लोहा-इस्पात उत्पादों की काफी खपत है।

प्र.10 बंगलूर सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए क्यों प्रसिद्य हो गया है?

उ. बंगलूर में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए जो जानने वाले, साफ्टवेयर योजनाकारों की उपलब्धता और सुशिक्षित प्रबंधकों आदि की उपलब्धता ने अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपने प्रतिष्ठान स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 उन विभिन्न आधारों का वर्णन कीजिए जिनके अनुसार उद्योगेां का वर्गीकरण किया जाता है?

उ. उद्योगों का वर्गीकरण विभिन्न आधारों पर किया जाता है; जैसे - कच्चा माल, स्वामित्व एवं आकार आदि।

अ. कृषि पर आधारित उद्योग :- इन उद्योगों का कच्चा माल कृषि से प्राप्त होता है; जैसे - खाद्य उद्योग, सूती और जूट वस्त्र उद्योग, वनस्पति तेल उद्योग एवं चीनी उद्योग आदि। दूग्ध उत्पाद एवं मांस उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग एवं कागज उद्योग भी कृषि पर आधारित है।

ब. खनिज आधारित उद्योग :- जिन उद्योग में खनिज पदार्थो का कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है, उन्हें खनिज आधारित उद्योग कहा जाता है; जैसे - लोहा-इस्पात उद्योग, ऐलुमिनियम उद्योग एवं तेल शोधक उद्योग आदि।

स. स्वामित्व :- स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का निम्नलिखित भागों में विभाजित किया जाता है। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग, निजी क्षेत्र के उद्योग सहकारी क्षेत्र के उद्योग संयुक्त क्षेत्र के उद्योग आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण निम्न रूपों में किया जाता है - बड़े पैमाने के उद्योग, मध्यम पैमाने के उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योग।

उद्योगों को अंतिम उत्पाद की प्रकृति के आधार पर भी वर्गीकृत किया जाता है। वे उद्योग जिनके उत्पाद दूसरे उद्योग के लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग होते हैं आधारभूत उद्योग कहते हैं; जैसे - लोहा-इस्पात उद्योग। जिन उद्योगों में ऐसी वस्तुएँ तैयार की जाती हैं जो सीधे उपभोक्ताओं द्वारा प्रयोग में लाई जाती है, उन्हें उपभोक्ता उद्योग कहते हैं; जैसे - वस्त्र उद्योग, साइकिल उद्योग, कागज उद्योग एवं चीनी उद्योग आदि।

प्र.2 भारत में लोहा-इस्पात उद्योग के विकास एवम् लोहा-इस्पास उद्योग के विभिन्न केंद्रों का वर्णन कीजिए।

उ. लोहा-इस्पास उद्योग एक महत्वपूर्ण आधारभूत उद्योग है। इन उद्योग में इस्पात का उत्पादन किया जाता है जिसका प्रयोग विभिन्न उद्योगों; जैसे - सड़क, वाहन उद्योग, जहाज निर्माण उद्योग, मशीन एवं औजार बनाने के उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। इस उद्योग में होने वाले प्रमुख कच्चे माल हैं - लौह-अयस्क, कोयला, चूना पत्थर एवं मैग्नीज। आरंभ में लोहा-इस्पात उद्योग उन स्थानों पर ही स्थापित किया गया, जहाँ लौह-आयस्क एवं कोयला भारी मात्रा में उपलब्ध थे क्योंकि इन भारी वस्तुओं को कारखानों तक ले जाने में अधिक व्यय नहीं करना पड़ता था तथा सुगमतापूर्वक इन्हें कारखानों तक पहुँचाया जा सकता था। परंतु अब लोहा-इस्पात उद्योग तटीय क्षेत्रों में भी स्थापित किया जा रहा है। इन कारखानों में प्रायः आयतित कच्चे माल का प्रयोग किया जाता है और तैयार माल का निर्यात किया जाता है। जापान अब विश्व का सबसे महत्वपूर्श इस्पात उत्पादक देश है। परंतु जापान को कच्चे माल का आयात करना पड़ता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में इन उद्योग के लिए आवश्यक कच्चा माल भारी मात्रा में पाया जाता है। अधिकतर लोहा-इस्पात के करखाने ग्रेट्लेक्स के क्षेत्र में या एम्लेशियन कोयला क्षेत्रों में स्थित हैं।

अन्य प्रमुख इस्पात उत्पादक देश हैं - चीन, रूस, यूर्केन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, भारत एवं पौलेंड।

प्र.3 सिलिकान घाटी और बंगलूर में सूचना प्रौद्योगिकी की उद्योग के विकास का विवरण दीजिए।

उ. सिलिकान घाटी पश्चिमी मध्य कैलिफोर्निया में स्थित है यह सांताक्लारा काऊंटी के सैन फ्रांसिस्को और सैन जोंस नगरों के मध्य फैली लगभग 50 किमी लंबी तथा 20 किमी चौड़ी भूमि की एक पट्टी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में सूचना प्रौद्यौगिकी का यह एक प्रमुख केंद्र है। वर्ष 1990 तक घाटी में सूचना प्रौद्योगिकी की कंपनियों की संख्या 3,000 से भी अधिक हो गई थी। आज ये सभी कंपनियाँ मिलकर तीन लाख कामगारों को रोजगार दे रहीं हैं तथा 5,50,000 करोड़ रूपये मूल्य की वस्तुओं की बिक्री कर रही है।

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का विकास 1970 के दशक के अंतिम वर्षो में आरंभ हुआ। बंगलूर इसका प्रमुख केंद्र है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस नगर को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में चौथा सबसे अच्छा केंद्र बताया गया है। यहाँ भारत की सबसे अधिक साफ्टवेयर कंपनियाँ हैं। 300 से भी अधिक साफ्टवेयर इकाइयों में 50 बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ हैं। बंगलूर से भारत में बने सबसे अधीक साफ्टवेयर का निर्यात किया जाता है। बंगलूर में वर्तमान में लगभग 1,50,000 साफ्टवेयर विशेषज्ञ कार्यरत हैं।

प्र.4 लोहा-इस्पात उद्योग और सूती वस्त्र उद्योग का निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर अंतर स्पष्ट कीजिए :-

अ. कच्चा माल, ब. अंतिम उत्पाद की प्रकृति, स. स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक।

उ. अ. कच्चा माल :- वस्त्र उद्योग के लिए रेशों की आवश्यकता होती है। रेशे दो प्रकार के होते हैं - प्राकृतिक रेशे और कृत्रिम रेशे। प्राकृतिक रेशे कपास, ऊन, रेशम, लिनन, जूट, एस्पेस्टस आदि से प्राप्त किए जातो हैं। लोहा-इस्पात उद्योग में प्रयोग होने वाले प्रमुख कच्चे माल हैं - लौह-अयस्क, कोयला, चूना पत्थर एवं मैग्नीज। आरंभ में लोहा-इस्पात उद्योग उन स्थानों पर ही स्थापित किए गए जहाँ लौह-अयस्क एवं कोयले का उपलब्धता अधिक थी।

ब. अंतिम उत्पाद की प्रकृति :- हम आज जिन उत्पादों का उत्पादन करते है; जैसे - भोजन, कपड़ा, फर्नीचर या वाहन, उनमें से अधिकांश विनिर्माण उद्योग के उत्पाद हैं। इनमें से प्रत्येक को कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पादन तक की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरना होता है। इससे उन पदार्थो की उपयोगिता और मूल्य बढ़ जाता है।

स. स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक :- किसी विशेष क्षेत्र में एक उद्योग की स्थापना अनेक कारकों पर निर्भर करती है। कच्चे माल की उपलब्धता बिजली, यातायात, कामगार, पूँजी तथा विपणन की सुविधा कुछ महत्वपूर्ण कारक हैं जो उद्योगों की स्थापना को प्रभवित करते हैं। कम विकसित क्षेत्र में उद्योग लगाने का सरकार का निर्णय एक राजनीतिक कदम है। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार कुछ आधाभूत संरचना जैसे औद्योगिक शेड, मार्ग और बिजली की सुविधा प्रदान करती है,

जिससे उद्योगपति उस क्षेत्र में उद्योग लगा सकें।

प्र.5 भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के नाम लिखित।

उ. भारत में आठ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र हैं :-

1. मुबंई-पूणे क्षेत्र (महाराष्ट्र)
2. अहमदाबाद-बदोदरा क्षेत्र (गुजरात)
3. हुगली क्षेत्र (पश्चिम बंगाल)
4. छोटा नागपुर क्षेत्र (झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल)
5. बंगलूर (कर्नाटक) तमिलनाडु क्षेत्र
6. विशाखापट्टनम-गुंटूर क्षेत्र (आंध्र प्रदेश)
7. कोल्लम-तिरूवंतपुरम क्षेत्र (केरल)
8. गुडगाँव (हरियाणा), दिल्ली, मेरठ, उत्तर प्रदेश क्षेत्र

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. *अहमदाबाद* का भारत का मानचेस्टर कहते हैं।
2. *ड्रेटाइट* को विश्व की मोटर वाहर उद्योग की राजधानी कहा जाता है।
3. *ओसाका* को जापान का मानचेस्टर कहा जाता है।
4. *बंगलूर* में भारत की सबसे अधिक साफ्टवेयर कंपनियाँ हैं।
5. सबसे पहला सूती वस्त्र उद्योग का सफल कारखाना भारत में सन् *1854* ई0 में *मुंबई* में स्थापित किया गया था।
6. टिस्को सन् *1907* ई0 में *साकची* में स्थापित की गई।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशाल लगाइए :-

उ.
1. जापान एशिया का सबसे प्रमुख औद्योगिक राष्ट्र है। (✗)
2. सूचना प्रौद्योगिकी उद्दयोग विश्व के प्राचीनतम उद्योगों में से एक है। (✗)
3. वस्त्र उद्योग एक आधारभूत उद्योग है। (✗)
4. लोहा-इस्पात उद्योग प्रायः कच्चे माल के स्त्रोतों के आस-पास केंद्रीत होता है। (✓)
5. भारत के सभी लोहा-इस्पा उद्योग केंद्र स्वतंत्रता के पश्चात् स्थापित किए गए हैं। (✗)
6. नाइलान एक प्राकृतिक रेशा है। (✗)

7. मानव संसाधन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 मानव संसाधनों का क्या महत्व है?

उ. मानव ज्ञान एवं कौशल द्वारा प्राकृतिक संसाधनों को अधिक उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित किया जा सकता है।

प्र.2 किस प्रकार के देश को मानव संसाधनों में धनी कहा जाता है?

उ. जिस देश में अधिक संख्या में लोग शिक्षित, क्षमतावान, निपुण एवं स्वस्थ हैं तथा आर्थिक क्रियाओं में संलन हैं, उस देश के मानव संसाधनों में धनी देश माना जाता है।

प्र.3 विकासशील देशों में मानव संसाधन कम विकसित क्यों हैं?

उ. विकासशील देशें में मानव संसाधन कम विकसित है क्योंकि इन देशों में लाखो-करोड़ो लोग अशिक्षित एवं अस्वस्थ हैं।

प्र.4 जन्मदर और मृत्युदर से आप क्या समझते हैं?

उ. एक वर्ष में प्रति एक हजार व्यक्तियों में जन्म लेने वाले जीवित बच्चों की संख्या को जन्म दर कहते हैं, जबकि प्रतिवर्ष एक हजार व्यक्तियों में मरने वाले व्यक्तियों की संख्या को मृत्युदर कहते हैं।

प्र.5 आधुनिक वर्षो में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि का प्रमुख कारण क्या है?

उ. औद्योगिक क्रांति के पश्चात् जीवनयापन की दशाओं में सुधार हुआ है। स्वास्थय सेवाओं का विकास तथा खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ा जिसके कारण मृत्यु दर में कमी आई और जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई।

प्र.6 जनसंख्या के वितरण को कौन-से भौतिक कारक प्रभावित करते हैं?

उ. जनसंख्या का घनत्व विभिन्न भौतिक कारकों; जैसे - स्थलाकृति, जलवायु, मृदा एवं मानव कारकों पर निर्भर होता है।

प्र.7 लिंग अनुपात किसे कहते हैं? भारत में लिंग अनुपात प्रतिकूल क्यों है?

उ. लिंगानुपात को कुल जनसंख्या में प्रतिहजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। भारत में प्रतिकूल लिंग अनुपात का कारण महिलाओं एवं कन्याओं के प्रति उपेक्षा है तथा पुरुषों एवं लड़कों की ओर अधिक ध्यान देना है।

प्र.8 भारत में जनसंख्या की वृद्धि पर किस प्रकार नियंत्रण किया जा सकता है?

उ. जनसंख्या की वृद्धि दर पर नियंत्रण करने का एक मात्र उपाय जन्म दर को कम करना है। परिवार-नियोजन के कार्यक्रमों को अपनाकर इस तीव्रवृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है।

प्र.9 गाँवों से शहरों की ओर लोग क्यों प्रवास करते हैं?

उ. पिछले कुछ वर्षो में गाँव के लोग शहरों की ओर प्रवास कर रहे हैं क्योंकि वहाँ रोजगार के अवसर अधिक हैं, स्वास्थ्य सेवाएँ अधिक हैं तथा शिक्षा एवं अन्य सुविधाएँ हैं।

प्र.10 साक्षरता दर की परिभाषा दीजिए।

उ. साक्षरता का अर्थ है किसी भी भाषा में सामान्य से संदेश को पढ़ना, लिखना और समझना।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 विश्व में जनसंया वृद्धि के प्रतिरुप का संक्षिप्त विवरण दीजिए। इस प्रतिरुप के कारणों पर प्रकाश डालिए।

उ. आधुनिक समय में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण अनेक समस्याएँ पैदा हो गई जिसमें से एक समस्या खाद्यान्नों का अभाव है। शीघ्र ही ऐसा महसूस किया जाने लगा कि पृथ्वी के खाद्यान्नों के उत्पादकता के सीमित संसाधनों के कारण खाद्यान्नों का उत्पादन इतना अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता, जिस अनुपात में जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। अतः ऐसे प्रयास करना आवश्यक होगा, जिससे सभी व्यक्तियों को भरपेट भोजन मिल सके, इसके परिणामस्वरूप जन्मदर में कमी आ गई जिससे जनसंख्या में वृद्धि पर कुछ नियंत्रण हुआ। फिर भी विकासशील देशों में जनसंख्या की वृद्धि पर विकसित देशों की तुलना में अधिक है। क्योंकि विकसित देशों में विकासशील देशों की तुलना में जन्म दर और मृत्यु दर में कम अंतर है।

प्र.2 विश्व में जनसंख्या का वितरण इतना असमान क्यों है? विश्व के कुछ घने बसे तथा कुछ विरल बसे क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उ. जनसंख्या का असमान वितरण विश्व की जनसंख्या का प्रमुख लक्षण है। कुछ क्षेत्र; जैसे - भारत और चीन की नदियों की घाटियाँ, उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और पश्चिमी यूरोप के औद्योगिक क्षेत्रों में जनसंख्या काफी अधिक है। जबकि कुछ क्षेत्रों; जैसे - गर्म और ठंड़े मरुस्थल, अमेजन बेसिन और जायरे बेसिन के उष्ण आद्रिवन में जनसंख्या बहुत कम है। जनसंख्या का घनत्व अनेक भौतिक कारकों; जैसे - स्थलाकृति, जलवायु, मृदा और मानवीय कारकों पर निर्भर होता है। जनसंख्या का औसत घनत्व ज्ञात करने के लिए हम किसी भी देश की जनसंख्या को उस क्षेत्र के क्षेत्रफल से विभाजित करते हैं।

विश्व की जनसंख्या का औसत घनत्व 45 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी है। जबकि 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या का औसत घनत्व 324 व्यक्ति वर्ग किमी था। भारत विश्व के बहुत घने बसे हुए देशों में से एक है। देश के अंदर जनसंख्या के औसत घनत्व में विविधता पाई जाती है। दिल्ली और चंड़ीगढ़ केंद्र शासित प्रदेशों में जनघनत्व क्रमशः 9300 और 7900 व्यक्ति वर्ग किमी है। इसके विपरीत अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम का जनघनत्व क्रमशः 13 और 43 व्यक्ति वर्ग किमी है।

प्र.3 हम जनसंख्या के लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या के अनुपात से किसी देश के विकास के बारे में कैसे जान सकते हैं?

उ. किसी देश के मानव संसाधनों के संघटन से उस देश की कुल जनसंख्या को मौलिक विशेषताओं का पता चलता

है। इस संघटन के विषयमें जानकर हम यह पता लगा सकते हैं कि देश मानव संसाधनों में धनी है या गरीब है। इसका पता हम जनसंख्या के लिंग अनुपात, साक्षरता दर, आयु संरचना एवं व्यवसाय आदि से लगा सकते हैं :-

लिंग अनुपात :- इसका तात्पर्य कुल जनसंख्या में स्त्री-पुरुष अनुपात से है। इसे लिंगानुपात की सहायता से दर्शाया जाता है। लिंगानुपात को कुल जनसंख्या में प्रति हजार पुरुषों-स्त्रियों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है।

आयु संरचना :- किसी भी देश की जनसंख्या की आयु संरचना से क्रियाशील जनसंख्या तथा अश्रित जनसंख्या के अनुपात का पता चलता है। अधिक आश्रित जनसंख्या देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ होती है।

साक्षरता :- साक्षरता का अर्थ किसी भी भाष में सामान्य से संदेश को पढ़ना, लिखना और समझना होता है।

प्र.4 भारत की 1901-2001 के बीच जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति का वर्णन कीजिए।

उ. भारत में पिछली जनगणना 2001 ई0 में हुई थी। 2001 ई0 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 102 करोड़ 70 लाख थी भारत में जनसंख्या में वृद्धि हुई है। पिछली शताब्दी में भारत की जनसंख्या में चार गुना से भी अधिक वृद्धि हुई है। जनसंख्या की वृद्धि पिछले चार दशकों में अधिक हुई है। 1901 से 2001 के बीच जनसंख्या 23 करोड़ 80 लाख से बढ़कर 102 करोड़ 70 लाख हो गई।

इस तीव्र वृद्धि का प्रमुख कारण मृत्यु दर में कमी होना है। इस तीव्र जनसंख्या की वृद्धि दर पर नियंत्रण करने का एक मात्र उपाय जन्म दर को कम करना। परिवार नियोजन के कार्यक्रमों को अपनाकर इस तीव्र वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. भारत में सबसे अधिक साक्षरता दर *केरल* राज्य में है।
2. भारत में लिंग अनुपात स्त्रियों के *प्रतिकूल* है।
3. भारत की लगभग 72 प्रतिशत जनसंख्या *गांव* क्षेत्रों में निवास करती है।
4. भारत की लगभग दो तिहाई जनसंख्या *अनपढ़* है।
5. भारत में सबसे कम जनसंख्या घनत्व *मिजोरम* राज्य में है।
6. भारत में विश्व की लगभग *16* प्रतिशत जन संख्या है।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. विकसित देशों में विकासशील देशों की तुलना में जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है। (✗)
2. लिंग अनुपात प्रति एक हजार पुरुषों में स्त्रियों की संख्या से प्रदर्शित किया जाता है। (✓)
3. भारत में प्रत्येक 10 वर्ष के पश्चात् जनगणना की जाती है। (✓)
4. उच्च आय वाले देशों में 0-14 वर्ष के आयु वर्ग की जनसंख्या का प्रतिशत निम्न आयु वाले देशों से अधिक है। (✓)
5. भारत में जनसंख्या का औसत घनत्व विश्व की जनसंख्या के औसत घनत्व से अधिक है। (✓)
6. विकासशील देश विकसित देशों की तुलना में मानव संसाधनों में धनी है। (✗)

इकाई-3 (सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन)

1. वैश्वीकरण

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए :-

प्र.1 वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं?

उ. विभिन्न देश आपस में वस्तुओं, सेवाओं तथा सूचना, धन और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, इसी को वैश्वीकरण कहा जाता है।

प्र.2 सिल्क रूट का क्या महत्व था?

उ. 200 ई0पू0 से लेकर 1000 ई0 तक सिल्क रूट के द्वारा दूरस्थ देशों के लोगों के बीच व्यापारिक एवं

सांस्कृतिक संबंध स्थापित हुए। इस रूट ने चीन और भारत को पश्चिमी एशिया से जोड़ा।

प्र.3 कौन-से आविष्कार प्रारंभिक वैश्वीकरण में चीन से यूरोप पहुँचे?

उ. चीन में मंगोल शासन के दौरान कई चीनी आविष्कार; जैसे - बारूद, छपाई, घमन, भट्टी, रेशम की मशीने, कागज की मुद्रा और ताश यूरोप में पहुँचे।

प्र.4 प्रतिभा पलायन से आप क्या समझते हैं?

उ. आज के वैश्वीकरण का एक प्रमुख लक्षण प्रतिभा पलायन है। इसके अंतर्गत पूरब से पश्चिम की ओर कुशल श्रमिक पलायन कर रहे हैं।

प्र.5 उदारीकरण का क्या अर्थ है?

उ. उदारीकरण का अर्थ है औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित नियमों में ढील देना और देशी कंपनियों को घरेलू क्षेत्र में व्यापारिक और उत्पादन इकाइयाँ लगाने हेतु प्रोत्साहित करना।

प्र.6 निजीकरण क्या है?

उ. निजीकरण के माध्यम से निजी क्षेत्र की कंपनियों को उन वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन की अनुमति प्रदान की जाती है, जिनकी पहले अनुमति नहीं थी।

प्र.7 बहुराष्ट्रीय कंपनी किसी कहा जाता है?

उ. वैश्वीकरण सभी प्रकार की गतिविधियों को नियमित करने की शक्ति सरकार के स्थान पर अंतराष्ट्रीय संस्थानों को देता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा नियंत्रित होते हैं।

प्र.8 विश्व व्यापार संगठन की मुख्य भूमिका क्या है?

उ. अंतराष्ट्रीय संगठन; जैसे - विश्व व्यापार संगठन सभी देशों के लिए नियमावली बनाता है और सभी सरकारों को ये नियम अपने-अपने देश में लागू करने होते हैं।

प्र.9 वैश्वीकरण का एक लाभ तथा एक हानि लिखिए।

उ. वैश्वीकरण के कारण विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं विशेषकर इलैक्ट्रानिक्स की कीतमें कम हुई है। परंतु यह भारत में बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर पैदा करने में असफल रहा है।

प्र.10 भारत ने नई आर्थिक नीति कब अपनाई? नई आर्थिक नीति की प्रमुख विशेषता क्या है?

उ. सरकार ने नई आर्थिक नीति 1901 ई0 में अपनाई यह नीति उदारीकरण और निजीकरण पर आधारित थी।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 वैश्वीकरण क्या है? आधुनिक वैश्वीकरण के प्रमुख लक्षणों की विवेचना कीजिए।

उ. देशों और लोगों का एक-दूसरे के समीप आना वैश्वीकरण कहलाता है। आधुनिक वैश्वीकरण अधिक विस्तृत और वैश्वीकरण के प्रांरभिक रूप से भिन्न है। आज के वैश्वीकरण की एक विशेषता प्रतिभा पलायन अथा प्रतिभा संपन्न लोगों का पूरब से पश्चिम की ओर पलायन करना है। इसके अंतर्गत आधुनिक वैश्वीकरण के अंतर्गत विकसित देशों से विकासशील देशों की ओर पूँजी का बहाव है और विकसित देशों का विकासशील देशों में अपनी वस्तुओं के लिए बाजार का विस्तार करना है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रवृति में भी परिवर्तन आया है। पहले चीन और भारत की हाथ से बनी वस्तुओं की पश्चिम के देशों में बहुत माँग थी परंतु बाद में यूरोप में हुई औद्योगिक क्रांति के दौरान अफ्रीका और एशिया के देश पश्चिम के देशों को केवल कच्चे माल का निर्यात करने लगे। परंतु अब कुछ विकासशील देश; जैसे - चीन और भारत आदि विविध प्रकार की औद्योगिक वस्तुओं का भी निर्यात करने लगे हैं। वैश्वीकरण का एक उद्देश्य विकसित और विकासशील देशों के बीच आर्थिक खाई को पाटना भी है। यह तभी संभव है जब पूँजी और तकनीक के आदान-प्रदान पर कोई प्रतिबंध न हो।

प्र.2 वैश्वीकरण किन दो क्षेत्रों पर बल देता है? भारत सरकार ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए क्या किया है?

उ. वैश्वीकरण दो क्षेत्रों पर बल देता है - **उदारीकरण तथा निजीकरण**। सरकार ने नई आर्थिक नीति 1991 ई0 में अपनाई यह नीति उदारीकरण और निजीकरण पर आधारित थी। इस नीति के अंतर्गत कई गतिविधियों की, जो सरकारी क्षेत्र द्वारा ही की जाती थी, निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया। निजीक्षेत्र को कई प्रतिबंधों से भी

मुक्त कर दिया गया। उन्हें उद्योग प्रारंभ से तथा व्यापारिक गतिविधियाँ चलाने के लिए कई प्रकार की रियायतें भी दी गई। देश के बाहर से उद्योगपतियों एवं व्यापारियों से उत्पादन करने तथा अपना माल तथा सेवाएँ भारत में बेचने के लिए आमंत्रित किया गया। कई विदेशी वस्तुओं को जिन्हें पहले भारत में बेचने की अनुमति नहीं थी, अब अनुमति दी जा रही है।

भारत में वैश्वीकरण के अंतर्गत विगत एक दशक में कई विदेशी कंपनियों द्वारा मोटर गाड़ियों, सूचना प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रानिक्स, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में उत्पादन इकाइयाँ लगाई जाती है। इससे भी बढ़कर कई उपभोक्ता वस्तुओं विशेषता इलेक्ट्रनिक्स उद्योग में, जैसे रेड़ियो, टेलीविजन और अन्य घरेलू उपकरणों की कीमतें घटी हैं।

प्र.3 प्रारंभिक वैश्वीकरण के क्या रूप थे? आधुनिक वैश्वीकरण प्रारंभिक वैश्वीकरण से किस प्रकार भिन्न है?

उ. वैश्वीकरण कोई नई चीज नहीं है। लगभग 200 ई0पू0 से 1000 ई0 तक पारस्परिक क्रिया और लंबी दूरी तक व्यापार सिल्क रूट के माध्यम से हुआ। सिल्क रूट मध्य और दक्षिण-पश्चिम में लगभग 6000 किमी तक फैला हुआ था और चीन को भारत, पश्चिमी एशिया और भूमध्य सागरीय क्षेत्रों से जोड़ता था। आधुनिक वैश्वीकरण अधिक विस्तृत और वैश्वीकरण के प्रारंभिक रूप से भिन्न है। आज के वैश्वीकरण की एक विशेषता प्रतिभा पलायन अथवा प्रतिभा संपन्न लोगों का पूरब से पश्चिम की ओर पलायन करना है। इसके अतिरिक्त आधुनिक वैश्वीकरण के अंतर्गत विकसित देशों से विकासशील देशों की ओर पूँजी का बहाव है और विकसित देशों का विकासशील देशों में अपनी वस्तुओं के लिए बाजार का विस्तार करना है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रवृत्ति में भी परिवर्तन पश्चिम के देशों में बहुत माँग थी परंतु बाद में यूरोप में हुई औद्योगिक क्रांति के दौरान अफ्रीका और एशिया के देश पश्चिम के देशों को केवल कच्चे माल का निर्यात करने लगे।

प्र.4 वैश्वीकरण के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का वर्णन कीजिए।

उ. **आर्थिक प्रभाव :-** वैश्वीकरण से अन्य देशों से पूँजी नवीनतम प्रौद्योगिकी और मशीनों का आवागमन होता है। उदाहरण के लिए भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग विकसित देशों में प्रयोग किए जाने वाले कंप्यूटरों और दूरसंचार यंत्रों का प्रयोग करता है। लगभग 15 वर्ष पहले यह अकल्पनीय था। भारत के कुछ संस्थानों के इंजीनियर स्नातकों की अमेरिका और यूरोप के कई देशों में माँग है। वैश्वीकरण निजीकरण को प्रोत्साहित करत है। जिससे लाभ कमाने की दृष्टि से संसाधनों का शोषण होता है और कुछ लोगों के हाथों में पैसा इकट्ठा हो जाता है।

सामाजिक प्रभाव :- वैश्वीकरण परिवारिक संरचना को भी बदलता है। अतीत में संयुक्त परिवार का चलन था। अब इसका स्थान एकाकी परिवार ने ले लिया है। हमारी खान-पान की आदतें, त्यौहार समारोह भी काफी बदल गए हैं। जन्मदिन, महिला दिवस, मई दिवस समारोह, फास्ट फूड रेस्तराओं की बढ़ती संख्या और कई अंतर्राष्ट्रीय त्यौहार वैश्वीकरण के प्रतीक हैं। वैश्वीकरण का प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे पहनावे में देखा जा सकता है। समुदायों के अपने, पंरपराएँ और मूल्य भी परिवर्तित हो रहे हैं।

प्र.5 भारतीय समाज पर वैश्वीकरण का आर्थिक एवं सामाजिक प्रभाव क्या हुआ है?

उ. **आर्थिक प्रभाव :-** वैश्वीकरण से अन्य देशों से पूँजी नवीनतम प्रौद्योगिकी और मशीनों का आवागमन होता है। उदाहरण के लिए भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग विकसित देशों में प्रयोग किए जाने वाले कंप्यूटरों और दूरसंचार यंत्रों का प्रयोग करता है। लगभग 15 वर्ष पहले यह अकल्पनीय था। भारत के कुछ संस्थानों के इंजीनियर स्नातकों की अमेरिका और यूरोप के कई देशों में माँग है। वैश्वीकरण निजीकरण को प्रोत्साहित करत है। जिससे लाभ कमाने की दृष्टि से संसाधनों का शोषण होता है और कुछ लोगों के हाथों में पैसा इकट्ठा हो जाता है।

सामाजिक प्रभाव :- वैश्वीकरण परिवारिक संरचना को भी बदलता है। अतीत में संयुक्त परिवार का चलन था। अब इसका स्थान एकाकी परिवार ने ले लिया है। हमारी खान-पान की आदतें, त्यौहार समारोह भी काफी बदल गए हैं। जन्मदिन, महिला दिवस, मई दिवस समारोह, फास्ट फूड रेस्तराओं की बढ़ती संख्या और कई अंतर्राष्ट्रीय त्यौहार वैश्वीकरण के प्रतीक हैं। वैश्वीकरण का प्रत्यक्ष प्रभाव हमारे पहनावे में देखा जा सकता है। समुदायों के

अपने, पंरपराएँ और मूल्य भी परिवर्तित हो रहे हैं।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. बड़े व्यापारिक संस्थन जिनकी शाखाएँ विभिन्न देशों में होती हैं, *बहुराष्ट्रीय कंपनी* कहलाती हैं।
2. भारत ने सन् *1991* ई0 में नई आर्थिक नीति आरंभ की।
3. नई आर्थिक नीति *उदारीकरण* एवं *निजीकरण* पर आधारित है।
4. सिल्क रूट लगभग *6000* किमी तक मध्य और *पश्चिम* एशिया के बीच में फैला था।
5. *विश्व व्यापार संगठन* विभिन्न देशों के लिए नियम कानून बनाता है।
6. ठीक स्वतंत्रता के पश्चात् भारत ने *मिश्रित* अर्थव्यवस्था की नीति को अपनाया।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. वैश्वीकरण सार्वजनिक क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करता है। (✓)
2. कुशल श्रमिकों को वैश्वीकरण से लाभ होता है। (✓)
3. इलैक्ट्रानिक वस्तुओं का मूल्य वैश्वीकरण के कारण कम हो गया है। (✓)
4. विकासशील देशों के स्थानीय उद्योगों की वैश्वीकरण के कारण बहुत प्रगति हुई है। (✓)
5. वैश्वीकरण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित नहीं करता। (✗)

2. आतंकवाद

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 आतंकवाद क्या है?

उ. हिंसा के योजनाबद्ध तरीकों का इस्तेमाल करके लोगों में आंतक फैलाना आतंकवाद कहलाता है।

प्र.2 अतीत काल में शासक लोगों में भय और आंतक क्यों फैलाते थे और इसके वे क्या तरीकें अपनाते थे?

उ. मानव इतिहास में शासक लोगों में भय और आंतक फैलाने के लिए क्रूर तरीकें; जैसे - उत्पीड़न करना एवं सार्वजनिक मृत्युदंड देना आदि का प्रयोग करते थे। वे इन तरीकों का इस्तेमाल अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए करते थे।

प्र.3 क्रांतिकारी कौन कहलाते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य क्या होता है?

उ. क्रांतिकारी हिंसात्मक आंदोलन या तो विदेशी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए या प्रचलित सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को बदलने के लिए हुए। जो लोग इन आंदोलन में भाग लेते हैं, उन्हें क्रांतिकारी कहा जाता है।

प्र.4 प्रजातीय विद्रोह क्या है? भारत के किस भाग में यह अधिक देखा जाता है?

उ. कुछ जनजातियाँ विद्रोही हो गई क्योंकि या तो वे अपने पृथक् राज्यों की माँग करने लगीं या भारत से अलग होना चाहती हैं। यह भारत के उत्तर पूर्वी भारत में अधिक देखने को मिलते हैं।

प्र.5 सीमा पार आंतकवाद से क्या तात्पर्य है? भारत का कौन-सा राज्य इससे मुख्य रूप से प्रभावित है?

उ. सीमापार आतंकवाद का कुप्रभाव जम्मू-कश्मीर में देखा गया है। सीमापार शिविरों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ये सीमापर करते हैं और राज्य में अपनी आतंकवादी गतिविधियाँ फैलाते हैं।

प्र.6 नक्सलवादी आंदोलन क्या है? भारत के कौन-से राज्य इससे प्रभावित हैं?

उ. नक्सलवादी आंदोलन जो कार्ल मार्क्स और माओ के विचारों से प्रेरित हैं; पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी नामक स्थान से आरंभ हुआ। फिर बिहार, आंध्र प्रदेश, केरल, उड़ीसा, त्रिपुरा, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ आदि में फैला।

प्र.7 मादक द्रव्यों से संबंधित आंतकवाद से आप क्या समझते हैं?

उ. आतंकवाद जो मादक द्रव्यों एवं हथियारों की तस्करी से जुड़ा है, उसे मादक द्रव्य आतंकवाद कहते हैं।

प्र.8 आतंकवादी अपनी माँगे मनवाने के लिए क्या तरीके अपनाते हैं?

उ. आतंकवादी अपनी माँगे मनवाने के लिए आतंकवाद का सहारा लेते हैं।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 क्रांतिकारियों और आतंकवादियों का उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट कीजिए।

उ. क्रांतिकारी हिंसात्मक आंदोलन या तो विदेशी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए या प्रचलित सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को बदलने के लिए हुए। जो लोग इन आंदोलनों में भाग लेते हैं, उन्हें क्रांतिकारी कहा जाता है। अपने अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए क्रांतिकारी प्रायः हिंसा का प्रयोग करते हैं; जैसे - अत्याचारी अफसरों को मारना। क्रांतिकारियों ने कभी भी आम जनता को अपना निशाना नहीं बनाया। वास्तव में उन्हें जनता का समर्थन प्राप्त था क्योंकि वे साधारण जनता के हित में कार्य कर रहे थे। वे किसी विशेष वर्ग के हित के लिए कार्य नहीं कर रहे थे। क्रांतिकारियों ने कभी भी अनैतिक कार्य; जैसे - अपहरण, बंदी बनाना, धन लूटना, ब्लैक मैल करना आदि नहीं किए। अतः क्रतिकारी गतिविधियाँ आतंक फैलाने के आधुनिक तरीकों से भिन्न थीं।

अतंकवाद मानव जाति के विरूद्ध कुछ मनुष्यों की हिंसा है। अतंकवाद को अपने सहित मानव जीवन की कोई परवाह नहीं होती। आतंकवादी क्रूर हृदयविहीन और विवेक शून्य अपराधी हैं। वे बिना अपराध बोध के खून खराबा और अपराध करते हैं। आतंकवाद विशिष्ट राजनीतिक उद्देश्य प्राप्त करने के लिए योजनाबद्य तरीके से हिंसा करना या हिंसा की धमकी देना है। आंतिम राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आतंकवादी विस्तृत रूप से भय और आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं।

प्र.2 भारत सीमापार आतंकवाद से किस प्रकार प्रभावित है? आतंकवादियों के क्या उद्देश्य हैं और वे इनके लिए क्या तरीके अपनाते है?

उ. भारत आतंकवादी गतिविधियों से बुरी तरह प्रभावित रहा है। कुछ विरोधी देश भारत में कट्टरपंथी ताकतों, अलगाववादी प्रवृत्तियों और आतंकवाद को प्रोत्साहित करते रहते हैं। जिसके परिणाम स्वरूप अनेकता में एकता के सिद्धान्त पर निर्मित भारत की पंथ-निरपेक्षता ने भारत में आतंकवाद राष्ट्रीय संप्रभुता क्षेत्रिय अखंडता और भारतीय लोकतंत्र के लिये खतरा है। सीमापार आतंकवाद का कुप्रभाव जम्मू-कश्मीर में देखा जा सकता है। आतंकवादी प्रायः बिना किसी चेतावनी के आक्रमण करते हैं और ऐसी जगहों को निशाना बनाते हैं जहाँ लोग काफी संख्या में एकत्र होते हैं।

प्र.3 भारत के उत्तर-पूर्वी पर्वतीय राज्यों में प्रजातीय विद्रोहो का वर्णन कीजिए।

उ. मिजोरम में वृहत् मिजोरम की माँग 1987 में मिजोरम को राज्य का दर्जा दिए जाने के बाद छोड़ दी गई है। मणिपुर में भी अलगाववादी माँग के साथ विद्रोह प्रारंभ हुआ। नागा, कूकी और मैतयी आदि प्रमुख जनजातियाँ मणिपुर पर अपनी भूमि का दावा करते हुए अपार हिंसा और जनसंहार में लगी रहीं। त्रिपुरा में विद्रोह स्थानीय जनजातियों एवं गैर-जनजातीय वासियों के बीच हिंसात्मक झड़पों के रूप में जाना जाता है।

असम कई विद्रोही गुटों की उपस्थिति के कारण विद्रोह की चपेट में है। अलगाव सहित अपनी अनेक माँगों के लिए विद्रोहियों ने विस्फोट, हत्याएँ, अपहरण और अन्य अनेक हिंसात्मक तरीके अपनाए। इससे कानून व्यवस्था को नुकसान पहुँचा और इन राज्यों के आर्थिक विकास में बाधा आई। इस प्रकार इन राज्यों में विद्रोहों ने आतंकवाद का रूप ले लिया।

प्र.4 आधुनिक आतंकवाद के प्रमुख लक्षणों का वर्णन कीजिए। इसे बैलट के विरूद्ध बुलेट क्यों कहा जाता है?

उ. हर राज्य में केवल सरकार को ही कानूनी रूप से बल प्रयोग का अधिकार होता है।आतंकवाद इस अधिकार के लिए संगठित चुनौती है। यह विवादों को शांतिपूर्ण ढ़ंग से सुलझानें के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को पूर्णतया नकारता है। आतंकवाद के लिए बुलेट के विद्धांत में विश्वास रखता है। आतंकवाद, डरा-धमका कर लूटने, बल प्रयोग करने और अल्पमत निर्णय को बहुमत इच्छा पर लादने का एक राजनीतिक हथियार बन गया है।

सभी आतंकवादी किसी प्रशंसनीय उद्देश्य का दावा करते हैं, जिनके लिए संवैधानिक माध्यम प्रभावकारी नहीं होते। उनकी मिशनरी लगन और प्रतिबद्धता इस मान्यता के अंतर्गत काम करती है कि कभी न कभी अधिकांश लोग उनके हितों के प्रति सर्मपण अथवा सहयोग करेंगे जो उनके लिए सर्वस्व है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. आतंकवाद *लोकतंत्र* और *मानवता* के विरूद्ध अपराध है।

2. आतंकवादियों ने विश्व व्यापार केंद्र पर *11 सितंबर 2001* को आक्रमण किया।
3. स्वर्णिम चंद्रार्थ में *अफगानिस्तान, ईरान* एवं *पाकिस्तान* देश सम्मिलित हैं।
4. अफ्रीम के प्रमुख स्त्रोत *पाकिस्तान* एवं *ईरान* देश हैं।
5. स्वर्णिम त्रिभुज में *म्यांमार, लाओस* एवं *थाईलैंड* देश सम्मिलित हैं।
6. आतंकवादियों ने भारतीय संसद पर *13 दिसंबर 2001* को आक्रमण किया।
7. दो आतंकवादी संगठन जो नक्सली आतंकवाद की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं *पी0डब्ल्यू0जी* एवं *ए0सी0सी0* हैं।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. आतंकवाम कभी भी आम जनता को अपना निशाना नहीं बनाते। (✗)
2. जम्मू-कश्मीर के आतंकवादियों को सीमापार से प्रशिक्षण मिलता है। (✓)
3. आतंकवाद एक राष्ट्र की प्रभुसत्ता तथा शासन तंत्र को चुनौती देता है। (✓)
4. विश्व में अनेक आतंकवादी आंदोलन अपने लक्ष्य में सफल हुए हैं। (✗)
5. नक्सलवादी आंदोलन पूँजीवाद पर आधारित है। (✓)
6. भारतीय क्रांतिकारी जो भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़े आतंकवादी थे। (✗)

3. संयुक्त राष्ट्र एवं इसकी विशिष्ट एजेन्सियां

प्र.क निम्नलखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 विश्व के राष्ट्रों को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की आवश्यकता क्यों महसूस हुई?

उ. प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् स्थापित विश्व संगठन राष्ट्र संघ, द्वितीय विश्व युद्ध को रोक नहीं सका। अतः विश्व के नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् अधिक शक्तिशाली विश्व संगठन संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 ई0 को हुई।

प्र.2 विश्व के किन तीन नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना में पहल की?

उ. संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्रेंकलिन रूजवेल्ट, ब्रिटेन के विस्टन चर्चिल और सोवियत संघ के जोस्फ स्टालिन।

प्र.3 संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंग क्या हैं?

उ. चार्टर के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र के छह अंग हैं - महासभा, सुरक्ष परिषद्, आर्थिक और सामाजिक परिषद्, न्याय परिषद्, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय तथा सचिवालय।

प्र.4 सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों के नाम लिखिए।

उ. पाँच स्थायी सदस्य हैं - अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस।

प्र.5 वीटो पावर से आप क्या समझते हैं?

उ. सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों को दी गई शाक्ति जिसके अंर्तगत इनमें से कोई भी सदस्य किसी प्रस्ताव का विरोध करके इसे पास करने से रोक सकता है।

प्र.6 निम्नलिखित संक्षिप्त रूपों के पूर्ण रूप लिखिए :-

यूनेस्को (UNESCO), यूनिसेफ (UNICEF), डब्ल्यू0एच0ओ0 (W.H.O.), आई0एल0ओ0 (I.L.O.), फाओ (एफ0ए0ओ0) (F.A.O.)।

उ.

यूनेस्को	:	United Nations Educational Scientific and Cultural Organisation.
यूनिसेफ	:	United Nations International Children's Emergeney Fund.
डब्ल्यू0एच0ओ0	:	World Health Organisation.
आई0एल0ओ0	:	International Labour Organisation.
फाओ	:	Food and Agricultural Organisation.

प्र.7 उन शहरों के नाम लिखिए, जहाँ निम्नलिखित संगठनों के मुख्यालय स्थित हैं :- यूनेस्को, विश्व बैंक, डब्ल्यू0एच0ओ0, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, संयुक्त राष्ट्र।

उ.

यूनेस्को	:	पेरिस
विश्व बैंक	:	वाशिंगटन डी0सी0
डब्ल्यू0एच0ओ0	:	जेनेवा
अंतराष्ट्रीय न्यायालय	:	हेंग (नीदरलैंड)
संयुक्त राष्ट्र	:	न्यूयार्क

प्र.8 विश्व बैंक विकासशील देशों की किस प्रकार सहायता करता है?

उ. विश्व बैंक आमतौर से सदस्य देशों के बीच आर्थिक विषमताओं को कम करने का प्रयास करते हैं और विकास में सहायता करते हैं।

प्र.9 अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्य कार्यालय कहाँ है?

उ. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय हेंग (नीदरलैंड) में है।

प्र.10 न्याय परिषद् की स्थापना क्यों की गई?

उ. न्याय परिषद् ऐसे पराधीन लोगों का रक्षक कहा जा सकता है, जो अभी तक स्वयं सरकार चलाने योग्य नहीं है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 महासभा और सुरक्षा परिषद् के संगठन और कार्यों का वर्णन कीजिए।

उ. महासभा में सभी सदस्य राज्यों का प्रतिनिधित्व होता है। जिससे प्रत्येक के पास एक मत का अधिकार है। यद्यपि एक सदस्य राष्ट्र अधिकतम पाँच प्रतिनिधियों को भेज सकता है।

यह संयुक्त राष्ट्र का विचार-विमर्श करने वाला अंग है। इसके मुख्य कार्य हैं :-

अ. अन्य अंगों की शक्तियों और कार्यो पर चर्चा करना।

ब. सुरक्षा परिषद् के दस अस्थायी सदस्यों को चुनना।

स. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों को चुनना।

द. नए सदस्यों को प्रवेश देना तथा महासचिव को नियुक्त करना जो सचिवालय को नियंत्रित करता है।

सुरक्षा परिषद् संयुक्त राष्ट्र के लिए उत्तरदायी है। सुरक्षा परिषद् के 15 सदस्य हैं जिनमें से पाँच स्थायी सदस्य हैं और दस महासभा द्वारा चुने जाते हैं। पाँच स्थायी सदस्य हैं - अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस। दस अस्थायी सदस्यों का निर्वाचन महासभा द्वारा दो वर्षो के लिए किया जाता है जो तुरंत पुर्ननिर्वाचन के योग्य नहीं होते। सुरक्षा परिषद् के प्रत्येक सदस्य के पास एक मत का अधिकार होता है। महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय के लिए सभी स्थायी सदस्यों के मत आवश्यक हैं।

प्र.2 संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य एवं सिद्धांत क्या हैं?

उ. संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य हैं :-

अ. अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना।

ब. राष्ट्रों के बीच मैत्री संबध विकसित करना।

स. अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने में सहयोग देना।

द. मानवाधिकारों तथा बुनियादी स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान बढ़ाना।

य. इन देशों के कार्यकलापों में उपर्युक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सामंज्स्य बनाने हेतु एक मंत्र प्रदान करना।

संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांत हैं :-

अ. दूसरे देशों के साथ अपने विवादों को शांति पूर्ण ढ़ंग से सुलझाना।

ब. अन्य किसी राज्य के विरूद्ध बल प्रयोग या धमकी से परहेज करना।

स. आक्रामक देश के विरूद्ध किसी भी कार्यवाही में संयुक्त राष्ट्र की हर प्रकार से सहायता करना।

द. चार्टर में निहित दायित्वों को निष्ठापूर्वक पूरा करना।

प्र.3 संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार घोषाणा में उल्लेखित मानवाधिकारों का वर्णन कीजिए।

उ. पहली पीढ़ी के अधिकार :- अधिकारों की पहली पीढ़ी में नागरिक और राजनीतिक अंतर्राष्ट्रीय प्रंसविदा सम्मिलित है। इन नागरिक और राजनीतिक अधिकारों में जीवन लोगों की स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार, दासता और अधीनता से मुक्ति, कानून का समान संरक्षण, दोषी प्रमाणित होने तक निर्दोषा माने-जाने का अधिकार, घूमने फिरने विचार, अंतरात्मा और धर्म, मत और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने, सभा करने और समय-समय पर होने वाले चुनावों में सार्वभौमिक व्यस्क मताधिकार के आधार पर भाग लेने के अधिकार सम्मिलित हैं।

दूसरी पीढ़ी के अधिकार :- आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा में उल्लेखित हैं। इन अधिकारों में सामाजिक सुरक्षा, काम पाने, विश्राम और अवकाश, जीवनयापन का समुचित स्तर, शिक्षा ओर समुदाय की सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के अधिकार सम्मिलित हैं।

तीसरी पीढ़ी के अधिकार :- सभी प्रकार के सामाजिक विभेद, उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रताड़ना एवं अन्य क्रूर व्यवहार एवं दंड़ के विरुद्ध सम्मेलन तथा बच्चों के अधिकारों पर सम्मेलन में उल्लेखित हैं।

प्र.ग उचित मिलाल कीजिए :-

उ.

1.	यूनेस्को	:	वैज्ञानिक शिक्षा का विकास करना
2.	यूनिसेफ	:	बच्चों के विकास में सहायता करना
3.	डब्ल्यू0एच0ओ0	:	विश्व से बीमारियाँ दूर करना
4.	फाओ (एफ0ए0ओ0)	:	खाद्य पदार्थो की कमी की समस्या हल करना
5.	आई0एल0ओ0	:	श्रमिकों के हित की देखभाल करना।

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. संयुक्त राष्ट्र दिवस प्रतिवर्ष *24 अक्टूबर* को मनाया जाता है।
2. वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों की संख्या *191* है।
3. विश्व खाद्य दिवस प्रतिवर्ष *16 अक्टूबर* को मनाया जाता है।
4. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में *15* न्यायाधीश होते हैं।
5. आरंभ में संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर *50* राष्ट्रो द्वारा *26 जून* को हस्ताक्षर किए गए।
6. आर्थिक और सामाजिक परिषद् में *54* सदस्य होते हैं।

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.
1. हिंदी संयुक्त राष्ट्र की अधिकृत भाषा है। (✗)
2. सुरक्षा परिषद् के सभी सदस्यों को वीटो पावर मिली हुई है। (✓)
3. राष्ट्र संघ अपने उद्देश्य में असफल रहा। (✗)
4. फाओ (एफ0ए0ओ0) का मुख्यालय रोम में है। (✓)
5. भारत के संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार संयुक्त राष्ट्र संघ की मावाधिकार घोषणा में उल्लेखित अधिकारों से पूर्णतया भिन्न है। (✗)

4. भारत और संयुक्त राष्ट्र

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 रंग भेद क्या है? किस देश में यह नीति अपनाई गई थी?

उ. दक्षिण अफ्रीका में श्वेत लोगों द्वारा अश्वेत लोगों के प्रति अपनाई रंगभेद या नस्ल भेद की नीति।

प्र.2 निःशस्त्रीकरण क्या है? निःशस्त्रीकरण क्यों आवश्यक है?

उ. शस्त्रों विशेषकर आणुविक शस्त्रों को बनाने और प्रयोग पर प्रतिबंध लगाना।

प्र.3 उपनिवेशवाद क्या है? भारत ने उपनिवेशवाद के विरूद्ध क्या भूमिका अदा की है?

उ. उपनिवेशवाद संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लंघन करता है और यह विश्व शांति एवं विकास के लिए खतरा है।

प्र.4 भारत का सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य बनने का मजबूत दावा क्यों है?

उ. भारत के दावे के अपने तर्क हैं। यह विश्व का जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा बड़ा देश है। भारत में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकसित हो रही है। इन सबसे ऊपर विश्व का स्वीकार करना कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र की नीतियों एवं सिद्घातों के प्रसार में अहम् भूमिका निभाई है तथा संयुक्त राष्ट्र के क्रिया कलापों में सक्रिय योगदान दिया है। भारत के सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य बनने के दावे को मजबूत करता है।

प्र.5 तीसरे विश्व से आप क्या समझते हैं?

उ. भारत ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों की माँगों के लिए आवाज उठाने में अग्रणी भूमिका निभाई। ये नए जन्में राष्ट्रों ने गुट-निरपेक्षता की नीति को अपनाया। जिसका तात्पर्य है कि ये देश दो महाशक्तियों के गुटों से अलग रहें। इन देशों को तीसरा विश्व कहा जाता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न क्रियाकलापों में भारत की भूमिका का विवरण दीजिए।

उ. भारत चाहता था कि प्रत्येक स्वतंत्र देश का संयुक्त राष्ट्र में प्रतिनिधित्व हो और वह संयुक्त राष्ट्र के क्रिया-कलापों में सक्रिय भाग ले। भारत ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। सुरक्षा परिषद् के सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए। यह प्रस्ताव 1965 ई0 में प्रभावी हुआ और सुरक्षा परिषद् के सदस्यों की संख्या 11 से बढ़कर 15 कर दी गई। जनवरी गणतंत्र चीन के साथ कटु संबंध होने के बावजूद भारत ने चीन को संयुक्त राष्ट्र का सदस्य ही नहीं बल्कि सुरक्षा परिषद् का सदस्य बनने की वकालत की।

भारत को अपने प्रयासों में सफलता मिली जब 1971 ई0 में चीन संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना। इसके साथ-साथ भारत ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों की माँगों के लिए आवाज उठाने में अग्रणी भूमिका निभाई। ये नये जन्में राष्ट्रो ने गुट-निरपेक्षता की नीति को अपनाया जिसका तात्पर्य है कि ये देश दोनों महाशक्तियों के गुटों से अलग रहें। इन देशों को तीसरा विश्व कहा जाता है।

प्र.2 भारतीय सैनिकों ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में क्या भूमिका निभाई?

उ. भारतीय सेनाओं को कोरिया में शांति की स्थापना और युद्ध बंदी सुनिश्चित करने के लिए भेजा गया। भारतीय सेनाओं ने मिस्त्र और काँगों में शांति अनुरक्षण कार्यवाहियों में भाग लिया। हाल के वर्षे में भारत ने सोमलिया और रूगांडा में ऐसी ही कार्यवाहियों में भाग लिया। भारत के लेफ्टीनेंट जनरल नांबियार ने बाल्कन में संयुक्त राष्ट्र सेना का नेतृत्व किया।

भारत ने स्वेज नहर, काँगों, अंगोला, नामिबिया, गाज, कंबोडिया, यूगोस्लाविया और लेबनान के संकट के समय संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के लिए अपने सैनिक भेजकर अंतर्राष्ट्रीय शांति बनाए रखने में अहम् भूमिका निभाई है। भारतीय सैनिकों को विश्व भर में उनके विशिष्ट कार्यो और मानवतावादी दृष्टिकोण के लिए प्रशसा प्राप्त हुई है।

प्र.3 भारत की निःशस्त्रीकरण एवं सी0टी0बी0टी0 पर नीति का विवरण दीजिए।

उ. सन् 1988 ई0 में भारत ने प्रस्ताव रखा की धीरे-धीरे मावन विनाश के हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। परंतु इस वास्तविकता पर विचार करते हुए कि कुछ राष्ट्र स्वयं को आणुविक अस्त्रों से लैस कर रहे हैं, भारत ने आत्मरक्षा में पोखरन में 13 मई, 1988 को आणुविक परीक्षण किया। भारत का मत है कि हाल में आरंभ की गई काँम्प्रीहेन्सिव टेस्ट बेन ट्रीटि (सी0टी0बी0टी0) भी स्पष्ट रूप से अणुविक अस्त्रों के विनाश की किसी अंतिम तिथि के बारे में उल्लेख नहीं करती है। भारत के विचार में ऐसी संधियाँ उन देशों को जिनके पास आणविक हथियार नहीं हैं। आत्मरक्षा में हथियार बनाने पर प्रतिबंध लगाती है। भारत ने यह घोषणा की है कि वह आणविक अस्त्रों की दौड़ में हिस्सा नहीं लेगा। यह उन देशों के विरूद्ध आणविक शक्ति का प्रयोग नहीं करेगा, जिनके पास आणवि शस्त्र नहीं हैं और यह इस सिद्धांत का पालन करेगा कि किसी भी राष्ट्र के विरूद्ध आणविक शक्ति का प्रयोग करने

में पहल नहीं करेगा।

इस घोषणा से प्रकट होता है कि भारत वास्तविक निःशस्त्रीकरण के पक्ष में है और इस बात पर बल देता है कि आणविक शक्ति का प्रयोग शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए।

प्र.4 भारत की उपनिवेशवाद को समाप्त करने की भूमिका का विवरण दीजिए।

उ. संयुक्त राष्ट्र के सदस्य के रूप में भारत ने एशिया और अफ्रीका के देशों में उपनिवेशवाद के विरूद्ध हुए आंदोलनों का सदैव समर्थन किया है। भारत के औपनिवेशिक काल के अपने कड़वे अनुभवों, कष्टों, शोषण, भेदभाव और उपनिवेशवाद के विरूद्ध लड़ने के लिए लंबे संघर्ष ने इस उपनिवेशवाद के सभी रूपों के विरूद्ध लड़ने के लिए प्रतिबद्ध किया। 1949 ई0 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र का ध्यान इंडोनेशिया में किया। भारत की पहल पर 14 दिसंबर, 1960 को संयुक्त राष्ट्र ने एक प्रस्ताव पारित किया जिस "औपनिवेशिक देशों और जनता को स्वतंत्रता प्रदान करने की घोषणा करते हैं"। इन घोषणाओं को क्रियान्वित करने के लिए भारत को एक विशेष समिति का सदस्य नियुक्त किया गया क्योंकि वर्ष 2000 ई0 तक पूर्ण रूप से उपनिवेशवाद को समाप्त नहीं किया जा सका। संयुक्त राष्ट्र ने 2001-10 को उपनिवेशवाद को समाप्त करने के लिए दूसरा अंतर्राष्ट्रीय दशक घोषित किया है।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	श्रीमती विजयलक्ष्मी पंड़ित	:	संयुक्त राष्ट्र महासभा
2.	डा0 एस0 राधाकृष्णन	:	यूनेस्को
3.	डा0 एच0 जे0 भाभा	:	आई0 ए0 ई0 ए0
4.	श्री नगेंन्द्र सिंह	:	एफ0 ए0 ओ0
5.	श्रीमती राजकुमारी अमृतकौर	:	डब्ल्यू0 एच0 ओ0
6.	श्री वी0 आर0 सेन	:	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय

प्र.घ रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. भारत संयुक्त राष्ट्र के *संस्थापक* सदस्यों में से एक है।
2. नस्लभेद की नीति *दक्षिण अफ्रीका* मं अपनाई गई।
3. तीसरे विश्व में अधिकतर *अफ्रीका* और *एशिया* के देश हैं।
4. संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को सन् *1988* ई0 में नोबेल पुरस्कार मिला।
5. लेफ्टिनेंट जनरल *सतीश नांबियार* ने बाल्कन में संयुक्त राष्ट्र सेना का नेतृत्व किया।

प्र.ड सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1. संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण अफ्रीका में अपनाई गई नस्ल भेद की नीति का समर्थन किया। (✗)
2. भारत ने जनवादी गणतंत्र चीन का संयुक्त राष्ट्र एवं सुरक्षा परिषद् का सदस्य बनने का समर्थन किया। (✓)
3. भारत चाहता है कि सभी देश अणविक शस्त्रों का प्रयोग शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए करें। (✓)
4. विश्व जनमत सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता करने के विरूद्ध है। (✗)
5. भारत ने अणविक परीक्षण आत्म रक्षा के लिए किए हैं। (✓)

5. भारत की विदेश नीति

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

प्र.1 किसी देश की विदेश नीति से आप क्या समझते हैं?

उ. एक देश के दूसरे देशों के साथ सभी प्रकार के संबंधों को उस देश की विदेश नीति कहा जाता है।

प्र.2 किन कारकों पर किसी देश की विदेश नीति निर्भर करती है?

उ. कोई भी देश अपनी विदेश नीति अपनी भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक और आर्थिक विकास

की दशा एवं राजनीतिक कारकों के आधार पर बनाता है।

प्र.3 पंचशील से आप क्या समझते हैं?

उ. पंचशील भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण आधार है। पंचशील का अर्थ है आचरण के पाँच नियम।

प्र.4 किन नेताओं ने गुट-निरपेक्ष आंदोलन में पहल की?

उ. नेहरू जी ने मिस्त्र के राष्ट्रपति गमाल अब्दूल नासिर, यूगोस्लाविया के मार्शल टीटो तथा इंडोनेशिया के सुकार्णो की सहायता से गुट-निरपेक्षता को वैशिवक आंदोलन के रूप में विकसित किया।

प्र.5 गुट-निरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन कब और कहाँ हुआ?

उ. गुट-निरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन बेलग्रेड यूगोस्लाविया में 1961 ई0 में हुआ।

प्र.6 सार्क सदस्यों के नाम लिखिए।

उ. भारत, पाकिस्तार, श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और भूटान, दक्षिण एशियाई क्षेत्र सहयोग संगठन

प्र.7 निम्नलिखित संक्षिप्त रूपों के पूर्णरूप लिखिए :-

अ. NAM (नाम), ब. EEC (ई0ई0सी0), स. OAU (ओ0ए0यू0),
द. ASEAN (एसियान), य. NPT (एन0पी0टी0), र. CTBT (सी0टी0बी0टी0)

उ.

अ.	NAM (नाम)	:	
ब.	EEC (ई0ई0सी0)	:	यूरोपीय आर्थिक सहयोग।
स.	OAU (ओ0ए0यू0)	:	अफ्रीकी एकता संगठन।
द.	ASEAN (एसियान)	:	दक्षिण-पूर्ण एशियाई देशों का समूह।
य.	NPT (एन0पी0टी0)	:	भारत परमाणु अप्रसार संधि।
र.	CTBT (सी0टी0बी0टी0)	:	व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि।

प्र.8 विश्व एकल ध्रुवीय क्यों हो गया है?

उ. विश्व राजनीति में केवल संयुक्त राज्य अमेरिका ही महाशक्ति रह गया है। इसे विश्व एकल ध्रुवीय कहा जाता है।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 पंचशील के पाँच सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। भारत में इन सिद्धांतों को अपनी विदेश नीति में किस प्रकार सम्मिलित किया है?

उ. पंचशील भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण आधार है। पंचशील का अर्थ है -आचरण के पाँच नियम। पंचशील के सिद्धांतों को पहली बार तिब्बत के मुद्दे पर 29 मई, 1954 ई0 को भारत और चीन के बीच हुई संधि में अपनाया गया। इस संधि में उल्लेखित पाँच सिद्धांत निम्नलिखित हैं :-

अ. एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता औरसंप्रभुता का परस्पर आदर।

ब. अनाक्रमण।

स. एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप

द. पारस्परिक लाभ और समानता। एवं

य. शांतिपूर्ण सहअस्तव।

पंचशील के सिद्धांतों को जवाहरलाल नेहरू ने सूत्रबद्ध किया। जिन्हें भारत की विदेश नीति का निर्माता कहा जाता है। पंचशील का उद्देश्य आपसी हित के लिए राष्ट्रों के मध्य शांति और मित्रता स्थापित करना है। इसे अधिकतर अविकसित देशें ने सराहा। अतः अप्रैल 1955 में बाडुग में पहले अफ्रीकी-एशियाई सम्मेलन में इसे अपनाया गया।

प्र.2 भारत की विदेश नीति के मुख्य तत्वों का उल्लेख कीजिए।

उ. भारत की विदेश नीति की पृष्ठभूमि को इसके स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में खोजा जा सकता है। ब्रिटिश

शासन के दौरान भारत की विदेश नीति को भारतीय कांग्रेस राष्ट्रीय कांग्रेस और गाँधी जी तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं ने एक निश्चित स्वरूप प्रदान किया। 1938 ई0 में इंडियन नेशनल कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में भारत के लोगों को अपने पड़ोसियों और अन्य देशों के साथ शांति एवं मित्रतापूर्वक रहने की आकांक्षा प्रकट की गई। शांति, अहिंसा और परस्पर सहयोग के आदर्श का प्रतिपादन महात्मा गांधी द्वारा हुआ।

स्वतंत्रता के पश्चात् पं0 जवाहरलाल नेहरू प्रथम सत्रह वर्षों में न केवल भारत के प्रधानमंत्री ही रहे अपितु भारत के विदेश मंत्री भी थे। इसलिए उन्हें स्वतंत्र भारत की विदेश नीति का निर्माता कहा जाता है।

प्र.3 गुट-निरपेक्ष आंदोलन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

उ. भारत ने विश्व शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए गुट-निरपेक्षता की नीति का विकास किया। गुट-निरपेक्षता का अर्थ है - शक्तिशाली गुटों से अलग रहना। उस युग में इसका अर्थ था - अमेरिकी गुट बनाम सोवियत गुट की शक्ति को राजनीति से अलग रहना। भारत जानता था कि सत्ता की राजनीति प्रायः युद्ध की ओर ले जाती है। नेहरू ने मिस्त्र के राष्ट्रपति गमल अब्दुल नासिर, यूगोस्लाविया के मार्शन टीटो तथा इंडोनेशिया के सुकार्णो की सहायता से गुट-निरपेक्षता को वैश्विक आंदोलन के रूप में विकसित किया। अनेक अफ्रीकी एशियाई देशों एवं यूगोस्लाविया के साथ-साथ भारत ने भी किसी सैनिक गुट में शामिल न होने का निर्णय लिया क्योंकि वे अपने देशों को शीत युद्ध की रणभूमि में नहीं बदलना चाहते थे। गुट-निरपेक्षता उन देशों के बीच, जो गरीबी, अशिक्षा और अधिक जनसंख्या की समस्याओं से संघर्ष कर रहे हैं आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करती है। निःशस्त्रीकरण भी इसका एक प्रमुख उद्देश्य है। धीरे-धीरे गुट-निरपेक्षता एक अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन बन गया जिसमें भारत ने अंह भूमिका अदा की।

प्र.4 सार्क का गठन क्यों किया गया? इसके मुख्य उद्देश्यों का उल्लेख कीजिए।

उ. दक्षिण एशिया के देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाना भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष रहा है। विश्व के विभिन्न भागों में क्षेत्रीय संगठनों के गठन के माध्यम से शांति और सहयोग को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए गए हैं।

सार्क के प्रमुख उद्देश्य हैं :-

अ. सार्क देशों के लोगों के कल्याण और जीवन की गुणवत्ता का विकास करना।

ब. इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति प्रदान करना।

स. दक्षिण एशियाके देशों के बीच संयुक्त आत्म-निर्भरता के द्वारा आपसी सहयोग को दृढ़ करना और आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में एक दूसरे को सहयोग करना।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ. 1. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् उभरी दो महाशक्तियाँ *संयुक्त राज्य अमेरिका* और *सोवियत संघ* थीं।

2. सार्क का मुख्यालय *नेपाल* में है।

3. सार्क के गठन में *बंगालादेश* ने पहल की।

4. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् महाशक्तियों के बीच उत्पन्न हुई राजनीतिक स्पर्द्धा को *शीत युद्ध* कहा जाता है।

5. पहला सार्क शिखर सम्मेलन *ढाका* सन् *1985* ई0 में हुआ था।

प्र.घ सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ. 1. किसी युरोपीय देश ने गुट-निरपेक्ष आंदोलन की सदस्यता ग्रहण नहीं की। (✗)

2. सार्क में द्विपक्षीय विषयों पर वार्ता हो सकती है। (✓)

3. भारत और उसके निकट के पड़ोसी देश सार्क के सदस्य हैं। (✓)

4. अफ्रीका और एशिया के अधिकांश देश गुट-निरपेक्ष आंदोलन के सदस्य हैं। (✓)

5. 1991 ई0 में सोवियत संघ के विघटन के पश्चात् विश्व द्विध्रुवीय हो गया है। (✓)

6. भारत की विदेश नीति सहअस्तिव पर आधारित है। (✓)

6. भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंध

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 उन देशों के नाम लिखिए जिनकी भू-सीमाएँ भारत से मिलती हैं?

उ. पाकिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, म्यांमार और बांग्लादेश से भारत की भू-सीमाएँ मिलती हैं।

प्र.2 कश्मीर के शासक ने कश्मीर का भारत में विलय क्यों किया?

उ. अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान समर्थित कबलाइयों ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। कश्मीर के शासक ने भारत से सहायता की गुहार की और बाद में 26 अक्टूबर, 1947 को भारत संघ में विलय के दस्तावेजों पर हताक्षर कर दिए।

प्र.3 1965 के भारत-पाक युद्ध का मुख्य कारण क्या था? इसका क्या परिणाम हुआ?

उ. चीन की सहायता और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दिए गए हथियारों के कारण पाकिस्तान ने सितंबर 1965 ई0 में भारत पर आक्रमण कर दिया। जिसका एक मात्र उद्देश्य पूरे जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करना था।

प्र.4 1972 में हुए शिमला समझौते के मुख्य प्रावधान क्या थे?

उ. 1972 में हुए शिमला समझौते के मुख्य प्रावधान थे :-

अ. भारत और पाकिस्तान आपस में सामान्य संचार एवं व्यापार को पुनः चालू करने के लिए सहमत हो गए।

ब. दोनों देश स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अपनी सेनाएँ वापस लाने के लिए सहमत हुए और दिसंबर 1971 को नियंत्रण रेखा का सम्मान करने के लिए सहमत हुए।

स. दोनों देश इस बात पर सहमत हुए कि वे कश्मीर सहित अपने सभी द्विपक्षीय मामले शांतिपूर्ण ढ़ंग से हल करेंगे।

प्र.5 बस कूटनीति से आप क्या समझते हैं?

उ. दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 20 फरवरी, 1999 को बस द्वारा लाहौर पहुँचे। अटल बिहारी वाजपेयी की इस यात्रा को बस कूटनीति कहा जाता है।

प्र.6 उन विषयों का जिक्र कीजिए जिन पर भारत ने चीन का समर्थन किया।

उ. 1949 की क्रांति के बाद जब जनवादी गणतंत्र चीन अस्तित्व में आया तो इसे मान्यता देने एवं राजनीतिक संबंध बनाने वाले देशों में भारत सबसे पहला देश था। भारत के वर्षों के गंभीर प्रयासों के परिणाम स्वरूप चीन संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनने और संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता पाने में सफल हो सका।

प्र.7 1962 के युद्ध के पश्चात् भी भारत और चीन के संबंध कटु क्यों रहे?

उ. 1962 के युद्ध के पश्चात् भी भारत और चीन के संबंध कटु इसलिए रहे क्योंकि जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया और इसके कुछ क्षेत्रों को अपने कब्जे में ले लिया।

प्र.8 भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी का 2003 में चीन का दौरा ऐतिहासिक दौरा क्यों कहा जाता है?

उ. 2003 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी ने बेजिंग की यात्रा की। यह एक ऐतिहासिक यात्रा थी क्योंकि इससे भारत-चीन संबंधों में नए अध्याय की शुरूआत हुई।

प्र.9 1950 में भारत और नेपाल के बीच हुई संधि के मुख्य प्रावधान क्या हैं?

उ. 1950 में भारत और नेपाल ने शांति, मित्रता, व्यापार एवं वाणिज्य की संधि पर हस्ताक्षर किए।

प्र.10 भारत नेपाल की सहायता किन क्षेत्रों में कर रहा है?

उ. भारत नेपाल की व्यापार तथा वाणिज्य के क्षेत्रों में सहायता कर रहा है।

प्र.11 भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद के मुख्य विषय क्या हैं?

उ. भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद के मुख्य विषय हैं; जैसे - सीमा विवाद, जल का बँटवारा, शरणार्थियों का भारत में आगमन और नए मूर द्वीप का स्वामित्व पर विवाद पैदा हुए।

प्र.12 किन क्षेत्रों में भारत भूटान की सहायता कर रहा है?

उ. भारत भूटान की आर्थिक विकास में सहायता करता है। भारत भूटान की रक्षा के लिए भी उत्तरदायी है।

प्र.13 भारत ने श्रीलंका से शांति सेना को क्यों वापस बुला लिया?

उ. भारत ने श्रीलंका में शांति स्थापित करने के लिए शांति सेना भेजी, जिसे कुछ श्रीलंका के लोगों ने पसंद नहीं किया और तमिल संगठन उग्रवादी संगठन एल0टी0टी0ई0 चाहता था कि यह शांति सेना वापस जाए। भारत ने 1990 में इसे वापस बुला लिया।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 1947 से भारत पाक संबंधों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उ. **कश्मीर समस्या :-** जब भारत का विभाजन हुआ तो कश्मीर की रियासत को यह विकल्प दिया गया कि वह भारत में सम्मिलित हो सकती है या पाकिस्तान में सम्मिलित हो सकती है अन्यथा आजाद रह सकती है। कश्मीर के शासक ने कोई निर्णय नहीं लिया था। अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान समर्थित कबलाइयों ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। कश्मीर के शासक ने भारत से सहायता की गुहार की और बाद में 26 अक्टूबर 1947 को भारत संघ में विलय के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए। चीन की सहायता और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दिए गए हथियारों के कारण पाकिस्तान ने सितंबर 1965 ई0 में भारत पर आक्रमण कर दिया, जिसका एक मात्र उद्देश्य पूरे जम्मू-कश्मीर पर कब्जा करना था। परंतु इस युद्ध में पाकिस्तान की हार हुई। जनवरी 1966 ई0 में ताशकंद घोषणा पर हस्ताक्षर किए और अपने विवादों को शांतिपूर्ण ढ़ंग से हल करने के लिए सहमत हो गए।

प्र.2 पाकिस्तान से अच्छे संबंध बनाने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों का वर्णन कीजिए।

उ. दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी 20 फरवरी, 1999 को बस द्वारा लाहौर पहुँचे। अटल बिहारी वाजपेयी की इस यात्रा को बस कूटनीति कहा जाता है।

दोनों प्रधानमंत्रियों, श्री अटल बिहारी वाजपेयी और नवाज शरीफ ने लाहौर घोषणा पर हस्ताक्षर किए जिसमें शांति, मित्रता और सहयोग की बात कही गई।

भारत पाकिस्तान संबंधों में एक नई शुरूआत हुई जब जनवरी 2004 में श्री वाजपेयी इस्लामाबाद गए। उन्होंनं एक बार फिर दोस्ती का हाथ बढ़ाया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ इस बात पर सहमत हो गए कि वे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में कश्मीर के मामले को मुद्दा नहीं बनाएँगे और अन्य विषयों; जैसे - संस्कृति, व्यापार, नदी के जल का बँटवारा; पर बातचीत करेंगे। इसे सामाजिक वार्ता प्रक्रिया कहा जाता है जिसमें जम्मू-कश्मीर विषय भी शामिल है। पाकिस्तान आतंकवादियों को समर्थन बंद करने पर भी सहमत हो गया है।

प्र.3 1962 के पश्चात् के चीन-भारत संबंधों की विवेचना कीजिए।

उ. 1962 के पश्चात् भारत-चीन संबंधों में कटुता आ गई क्योंकि चीन ने 1965 और 1971 के युद्ध में पाकिस्तान का समर्थन किया और पाकिस्तान को सैनिक और परमाणु तकनीक देकर पाकिस्तान की सहायता की। चीन ने 1974 में भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण और 1975 में सिक्किम के भारत में विलय का विरोध किया।

चीन ने 20 अक्टूबर 1962 को अरूणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के लद्दाख पर आक्रमण कर दिया और भारत के बड़े भू-भाग पंर कब्जा जमा लिया। वैसे चीन ने एक तरफा युद्ध बंदी की घोषणा कर दी और अपनी सेनाओं को वास्तविक नियंत्रण रेखा के पीछे हटा लिया, जैसे स्थिति 1959 में थी।

प्र.4 1962 के पश्चात् चीन-भारत संबंधों को सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उ. भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी और पी0वी0 नरसिम्हा राव ने क्रमशः 1979, 1988 और 1993 में चीन की यात्रा की। चीन के प्रधानमंत्री लिपेंग और राष्ट्रपति जिआंग जेमिन ने क्रमशः 1991 और 1996 में भारत की यात्रा की। चीन और भारत ने 1984 में व्यापारिक संबंध बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए तथा 1988 में सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने के एक अन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए तथा 1993 और 1998 में जिआंग जेमिन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए तथा विश्वास स्थापित करने हेतु सी0बी0एम0 समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में दोनों ओर की सेनाओं में कमी करने पर वास्तविक नियंत्रण रेखा का सीमांकन करने का भी प्रावधान था। एक प्रकार से यह यृद्ध न करने का समझौता था। संधि में 1954 में पं0 जवाहरलाल नेहरू और चाऊ-एन-लाई द्वारा प्रारंभ किए गए पंचशील के महत्व पर बल दिया गया।

प्र.5 1979 से चीन भारत के संबंध सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उ. 1996 में पंचशील के समझौते पर हस्ताक्षर के पश्चात् भारत चीन संबंधों में व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

1999 में कारगिल की लड़ाई के समय पहली बार चीन ने पाकिस्तान के विरूद्ध भारत का पक्ष लिया। इसने भारतीय संसद पर 13 दिसंबर 2001 में हुए आतंकी हमले की भी भर्त्सना की। चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर समस्या को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा शांतिपूर्ण ढ़ंग से हल करने का भी पक्ष लिया।

2003 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी ने बेंजिंग की यात्रा की। यह एक ऐतिहासिक यात्रा थी क्योंकि इससे भारत-चीन संबंधों में नए अध्याय की शुरूआत हुई। चीन, सिक्किम के भारत में विलय के लिए सहमत हो गया। चीन सिक्किम में नाथुला दर्रे के द्वारा सीमा व्यापार करने के लिए भी सहमत हो गया। ऐसी आशा की जाती है कि यह नई सदी एशिया के इन दो बड़े देशों को, अपनी उत्कृष्ट प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप शांतिपूर्ण सह-अस्तिव में देखेगी।

प्र.6 बांग्लादेश के उदय में भारत की भूमिका का विवरण दीजिए। बांग्लादेश के उदय के क्या कारण थे?

उ. दिसंबर 1970 के आम चुनावों में शेख मुजीब उर रहमान की आवामी लीग पार्टी ने बहुमत हासिल किया। परंतु पश्चिमी पाकिस्तान के सैनिक शासकों ने पूर्वी पाकिस्तान के नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया और बजाय इसके कि शेख मुजीब उर रहमान को सरकार बनाने को निमंत्रित किया जाता, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लगभग 1 करोड़ बंगाली मुसलमानों ने भारत में शरण ली। जनता की सेना ने जिसे मुक्तिवाहिनि कहा गया, पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश के नाम से एक पृथक् स्वतंत्र राज्य बनाने के लिए युद्ध किया।

भारत की सेनाओं ने मुक्तिवाहिनी की सहायता की और पाकिस्तानी सेना के विरूद्ध किया। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना की हार हुई और इसके बहुत से सैनिकों को युद्ध बंदी बना लिया गया। पश्चिमी पाकिस्तान में भारत की सेनाओं ने भारी जीत हासिल की। इसके परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्रता की घोषणा और इस प्रकार बांग्लादेश एक जनवादी गणराज्य बन गया। मुजीब उर रहमान को कैद से रिहा कर दिया गया और उन्हें बांग्लादेश का प्रथम प्रधानमंत्री बनाया गया।

प्र.7 श्रीलंका की तमिल समस्या ने भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को किस प्रकार प्रभावित किया है तमिल समस्या को हल करने के लिए भारत ने क्या प्रयास किए हैं?

उ. भारत और श्रीलंका में तनाव की स्थिति उस समय उत्पन्न हुई जब श्रीलंका सरकार ने दूसरे समूह के लोगों को नागरिकता देने से मना कर दिया। इस समस्या को भारत सरकार ने 1954 में हल कर दिया गया। जब भारत सरकार ने उन लोगों को जो चाहते थे, नागरिकता देना स्वीकार कर लिया। दूसरी समस्या आरंभ जब सिंहाली भाषा को श्रीलंका की अधिकृत भाषा बना दिया गया। तमिलों ने इसे अपनी सांस्कृतिक अस्तिव को कायम रखने के लिए खतरा समझा और उन्होंने तमिलों के लिए एक पृथक राज्य इलम की माँग के लिए आंदोलन शुरू कर दिया। इस आंदोलन का नेतृत्व तमिल उग्रवादी संगठन लिब्रेशन टाइगर्स आफ तमिल इलम ने किया। यह आंदोलन हिंसात्मक हो गया। व्यापाक रूप से दंगे हुए और बड़े पैमाने पर तमिल भागकर भारत

आ गए। इस संकट को हल करने के लिए भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति जयवर्धने ने 1987 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अनुसार श्रीलंका में भारतीय शांति सेना भेजने का प्रावधान किया गया। किंतु श्रीलंका के बहुत से तमिलों ने इसे बाह्य हस्तक्षेप माना और एल0टी0टी0ई0 ने राजनीतिक समाधान के लिए भारतीय शांति सेना की वापसी को पहली शर्त बनाया।

प्र.ग उचित मिलान कीजिए :-

उ.

1.	शिमला समझौता	:	1972
2.	ताशकंद घोषणा	:	1966
3.	चीन-भारत युद्ध	:	1962
4.	बस कूटनीति	:	1999
5.	सिक्किम का भारत में विलय	:	1975
6.	नेपाल को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता मिली	:	1954
7.	भारत और भूटान के बीच मैत्री संधि	:	1949
8.	श्री राजीव गाँधी की हत्या	:	1991

प्र.घ निम्नलिखित के पूरे नाम लिखिए :-

उ.

1.	पी0 ओ0 के0	:	पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर
2.	एल0 ओ0 सी0	:	वास्तविक नियंत्रण रेखा
3.	एल0 टी0 टी0 ई0	:	लिब्रेशन टाइगर्स आफ तमिल इलम
4.	आई0 पी0 के0 एफ0	:	भारतीय शांति सेना
5.	सी0 बी0 एम0	:	विश्वास स्थापित करने हेतु

प्र.ड रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.

1. कश्मीर के शासक *हरिसिंह* ने कश्मीर के भारत में विलय के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए।
2. तिब्बत के आध्यात्मिक और धार्मिक गुरू *दलाईलामा* ने भारत में शरण ली।
3. भारत के प्रधानमंत्री *इंदिरा गाँधी* और पाकिस्तान के राष्ट्रपति *जैड0 ए0 भुट्टो* ने शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए।
4. 1957 में चीन के प्रधानमंत्री *चाऊ0 एन. लाई* ने *मैकमोहन* रेखा को भारत-चीन सीमा मानने से इन्कार कर दिया।
5. ताशकंद घोषणा पर भारत के प्रधानमंत्री *लाल बहादुर शास्त्री* और पाकिस्तान के राष्ट्रपति *अयूब खाँ* ने हस्ताक्षर किए।
6. जनता की सेना *मुक्तिवाहिनी* ने पूर्वी पाकिस्तान की स्वतंत्रता के लिए युद्ध किया।

प्र.च सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्य के सामने (✗) का निशान लगाइए :-

उ.

1.	पाकिस्तान ने 1962 में भारत पर आक्रमण किया।	(✗)
2.	विश्व में नेपाल एकमात्र हिंदू राष्ट्र है।	(✓)
3.	भूटान की रक्षा का दायित्व भारत पर है।	(✓)
4.	शेख मुजीब उर रहमान बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री बने।	(✓)
5.	भारत के शांति प्रयासों के प्रति पाकिस्तान का रवैया सदैव सकारात्मक रहा है।	(✗)
6.	चीन ने भारत के परमाणु परीक्षण की सराहना की।	(✗)
7.	1962 के युद्ध में चीन ने भारत को हराया।	(✗)
8.	नेपाल और भूटान स्थल अवरूद्ध देश हैं।	(✓)

इकाई–4 (आपदा प्रबंधन)

1. आपदा प्रबंधन

प्र.क निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए :-

प्र.1 आपदा का क्या अर्थ है? दो प्रकार की आपदाएँ कौन-सी हैं?

उ. आपदा ऐसी घटना है जिससे जीवन और संपत्ति को भारी क्षति पहुँचती है। आपदा दो प्रकार की होती है - प्राकृतिक आपदा और मानव निर्मित आपदा।

प्र.2 भूकंप क्या है? भूकंप कैसे आते हैं?

उ. पृथ्वी का अचानक हिलना भूकंप कहलाता है। पृथ्वी अनेक एक-दूसरे से जुड़ी हुई प्लेटों से बनी है। इन्हें टेकटॉनिक प्लेट कहते हैं। ये प्लेटें एक-दूसरे के पास आती हैं या एक-दूसरे से अलग होती रहती हैं जिनसे पृथ्वी की सतह पर हलचल होती है।

प्र.3 भारत के कौन-से क्षेत्र भूकंप संभावित क्षेत्र हैं?

उ. भारत में हिमालय की तलहटी और गंगा, ब्रह्मपुत्र बेसिन प्रमुख भूकंप संभावित क्षेत्र हैं।

प्र.4 ज्वालामुखी विस्फोट से क्या हानियाँ हो सकती हैं?

उ. ज्वालामुखी विस्फोट से सभी प्रकार के जीवन - मानव जीवन, पशुओं और पौधों, को बहुत अधिक हानि होती है। चट्टानों के टुकड़े जो ज्वालामुखी विस्फोट के समय वायु में उड़ते हैं, जान-माल को भारी क्षति पहुँचाते हैं।

प्र.5 भू-स्खलन क्या है? कौन-सी मानव क्रियाएँ भू-स्खलन को बढ़ावा देती हैं?

उ. भारी वर्षा के दौरान कभी-कभी ढीली और कमजोर चट्टानें गुरुत्वाकर्षण की शक्ति के कारण पर्वतीय ढालों से नीचे खिसकने लगती हैं।

प्र.6 तटीय वनों को काटने से चक्रवात का प्रकोप क्यों बढ़ जाता है?

उ. तटीय क्षेत्रों में कई स्थानों पर वनों को काटने से इन क्षेत्रों में चक्रवातों के प्रकोप में वृद्धि हुई है। वन, वायु और जल के प्राकृतिक अवरोधक हैं, अतः ये चक्रवातों से होने वाले विनाश को कम करते हैं।

प्र.7 आग से होने वाली दुर्घटनाओं से कैसे बचा जा सकता है?

उ. सभी बिजली के उपकरणों और तारों को अच्छी दशा में रखने से आग से बचा जा सकता है। स्टोवों और गैस के पाइपें की समय-समय पर जाँच करते रहना चाहिए और नियमित रूप से सफाई करते रहना चाहिए। रेगुलेटर के लीक होने पर समय-समय पर जाँच करते रहना चाहिए। माचिस, लाइटर और ज्वलनशील पदार्थों का ध्यानपूर्वक प्रयोग करना चाहिए और इन्हें बच्चों से दूर रखना चाहिए।

प्र.8 यातायात संबंधी दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण क्या है?

उ. ये दुर्घटनाएँ प्रायः हमारी लापरवाही से होती हैं क्योंकि हम यातायात के नियमों का पालन नहीं करते। यदि हम यातायात के नियमों का सख्ती से पालन करें तो इन दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है।

प्र.9 सरकार और लोगों की आपदा प्रबंधन में क्या भूमिका होती है?

उ. सरकार को आपदा प्रबंधन के लिए राशि अवंटित करनी चाहिए और अधिकारियों को परीक्षण देना चाहिए। स्थानीय लोगों को आपदा प्रबंधन औश्र आपदा पीड़ित व्यक्तियों की सहायता के लिए संगठन बनाने चाहिए।

प्र.ख निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

प्र.1 भूकंप से होने वाली आपदा से हम कैसे निपट सकते हैं?

उ. हम भूकंप से होने वाले विनाश को निम्नलिखित उपाय अपनाकर कम कर सकते हैं :-

अ. अपने सिर और चेहरे को भुजाओं से ढक लें जिससे उड़ते हुए शीशे और गिरती हुई वस्तुओं से आपको चोट न पहुँचे।

ब. शीशे की वस्तुओं, खिड़कियों और ऐसी वस्तुओं से जिनके गिरने का भय हो दूर हट जाएँ। यदि आप घर के अंदर हैं तो मेज या पलंग के नीचे छिप जाएँ।

स. यदि आप किसी सार्वजनिक इमारत में हैं; जैसे - सिनेमा, जहाँ आप हैं, वही रहें और लेटकर किसी आधार को मजबूती से पकड़ लें।

द. भूकंप के दौरान लिफ्ट का प्रयोग न करें।

य. यदि आप घर से बाहर हैं, इमारतों, पेड़ों, खंभों या वस्तुओं के ढेरो से दूर हट जाएँ।

र. भूकंप समाप्त होने पर चोटों पर ध्यान दें, इमारतों को हुए नुकसान तथा गिरे हुए बिजली के तारों और आग की जाँच करें।

ल. राहत कार्यो की योजना बनाएँ और भूकंप पीड़ित लोगों की सहायता करें।

प्र.2 विभिन्न प्रकार के ज्वालामुखी कौन-से हैं? ज्वालामुखी विस्फोट से होने वाली आपदा से हम कैसे निपट सकते हैं?

उ. सक्रिय ज्वालामुखी, निष्क्रिय या सुसुप्त ज्वालामुखी, लुप्त या मृत ज्वालामुखी। प्रायः ज्वालामुखी विस्फोट की संभावना से लोगों को आगाह कर दिया जाता है क्योंकि ज्वालामुखी के क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारी ऐसे संकेतों को देखते हैं; जैसे - साधारण भूकंप, समीप के गर्म जल स्त्रोंतों में तापमान में अचानक वृद्धि और पृथ्वी का अचानक फूल उठना जिनसे पृथ्वी के अंदर से पिघले हुए पदार्थो के बाहर निकलने के संकेत मिलते हैं। यदि स्थानीय अधिकारियों द्वारा ऐसी कोई चेतावनी दी जाती है, तो लोगों को तुरंत उस क्षेत्र को छोड़कर किसी सुरक्षित स्थान पर चले जाना चाहिए। कीचड़-मिट्टी के बहाव से अपनी रक्षा करने के लिए विशेषकर निम्न स्थानों पर चले जाना चाहिए और नदियों या पुलों को पार करने से बचना चाहिए। आपको हवा की दिशा के विरूद्ध चलना चाहिए। जिससे आप उड़ती हुई राख और चट्टानों के टुकड़ो से अपना बचाव कर सकें। अपनी त्वचा की रक्षा करने के लिए अपने शरीर को ढ़क लें और आँखों की राख से रक्षा करने के लिए धूप का चश्मा पहनें, चेहरे पर धूल से बचने के लिए मास्क पहनें अथवा अपने मुँह और नाक को गीले कपड़े से ढ़क लें। यदि आप घर के अंदर हैं तो वही रहिए।

प्र.3 भारत के कौन-से क्षेत्र बाढ़ प्रभावित क्षेत्र हैं तथा कौन से क्षेत्र सूखे से प्रभावित हैं? बाढ़ और सूखे से होने वाली आपदाओं से हम कैसे निपट सकते हैं?

उ. भारत के कुछ भागों में मानसून की भारी वर्षा के दौरान बाढ़ आना सामान्य बात है। वर्षा ऋतु में असम में ब्रह्मपुत्र नदी, बिहार में कोसी नदी तथा उड़ीसा में महानदी में बाढ़ आ जाती है। भारत के कई राज्यों; जैसे - राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में एवं महाराष्ट्र, कर्नाटक और उड़ीसा के कुछ भागों में जल की कमी के कारण सूखा पड़ जाता है।

सूखे से निपटने के लिए हम जल का नियंत्रित प्रयोग करके और वर्षा के जल को एकत्र करके जल का संरक्षण कर सकते हैं। कृषि पद्धतियाँ; जैसे - विविध फसलें उगाना तथा सूखा प्रतिरोधी फसलें उगाना, सूखा से लड़ने के अन्य उपाय हैं। पेड़ लगाना तथा घास उगाना, भूमिगत जल के सरंक्षण में सहायक होते हैं। पौधे वर्षा के जल के बहाव को रोकते हैं, जिससे यह जल भूमि के अंदर चला जाता है। इनकी जड़ें मिट्टी को बाँधी रखती है, जिससे मृदा अपरदन नहीं होता और मिट्टी जल को सोखे रखती है।

मौसम की भविष्यवाणी के दौरान भारी वर्षा और बाढ़ की चेतावनी पर लोगों को बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों को खाली कर देना चाहिए और अस्थायी आश्रम बनाने चाहिए। भोजन, पानी और दवाइयों का पहले से ही प्रबंध कर लेना चाहिए। लोगों को नावों और संचार यंत्रों को तैयार रखना चाहिए। उन नदियों पर जो बाढ़ से अक्सर प्रभावित होती है, बाँध बनाकर बाढ़ को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्र.4 आग से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण क्या हैं? इन दुर्घटनाओं पर हम कैसे नियंत्रण कर सकते हैं?

उ. इमारतों में आग लगने से विशाल जन-धन की क्षति होती है। यदि किसी भीड़-भाड़ वाली इमारत में आग लगती है तो अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है। इमारतों में प्रायः आग लगने के कारण प्रायः त्रुटिपूर्ण स्टोव, कुकिंग गैस का लीक होना और लापरवाही से फेंकी गई माचिस की तीलियाँ और जलती हुई सिगरेट हैं। सभी बिजली के उपकरणों और तारों को अच्छी दशा में रखने से आग से बचा जा सकता है। स्टोवों और गैस के पाइपों की समय-समय पर जाँच करते रहना चाहिए और नियमित रूप से सफाई करते रहना चाहिए। रेगुलेटर के लीक

होने की समय-समय पर जाँच करते रहना चाहिए। माचिस, लाइटर और ज्वलनशील पदार्थो का प्रयोग ध्यानपूर्वक करना चाहिए। छोटी-मोटी आग को आग बुझाने वाले यंत्र या रेत से बुझाया जा सकता है। बिजली से लगी आग बुझाने के लिए पानी का प्रयोग कभी नहीं करना चाहिए। यदि आपके कपड़ों में आग लग जाती है तो जमीन पर घूमते हुए लेटकर इसे बुझाना चाहिए। यदि किसी इमारत में आग लगी है तो उससे जितनी जल्दी हो सके बाहर चले जाना चाहिए। परंतु लिफ्ट का प्रयोग नहीं करना चाहिए। तुरंत फायर ब्रिगेड को बुलाना चाहिए।

प्र.5 सरकार और जनता आपदा प्रबंधन में कैसे मदद कर सकती है?

उ. सरकार को आपदा प्रबंधन के लिए समुचित धनराशि आवंटित करनी चाहिए, आपदा प्रबंधन के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षण देना चाहिए और आपदा पीड़ित व्यक्तियों के लिए राहत कार्यो का प्रबंध करना चाहिए। स्थानीय लोग आपदा प्रबंधन के लिए अपने संगठन बना सकते हैं और आपदा पीड़ित व्यक्तियों की सामूहिक रूप से सहायता कर सकते हैं। इस संबंध में हर व्यक्ति को सहयोग देना उसका नैतिक दायित्व है।

प्र.ग रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

उ.
1. वह बिंदु जहाँ पृथ्वी की सतह के नीचे भूकंप का उद्‌गम होता है *सीसमिक फोकस* कहलाता है।
2. भूकंप की तीव्रता एक यंत्र से नापी जाती है, जिसे मापय यंत्र कहते हैं तथा इसे *रिक्टर* पैमाने पर नापा जाता है।
3. भारत का *समुद्री* तट सबसे अधिक चक्रवात प्रभावित क्षेत्र है।
4. नदियों पर *बाँध* बनाकर बाढ़ को रोका जा सकता है।
5. बिजली से लगी आग बुझाने के लिए *पानी* का प्रयोग कभी नहीं करना चाहिए।
6. परमाणु ऊर्जा सयंत्र में दुर्घटना होने से *रेडियो एक्टिव* पदार्थ बाहर आते हैं और अणविक *रेडिएशन* होता है।